



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 226]	नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 2, 2018/आषाढ़ 11, 1940
No. 226]	NEW DELHI, MONDAY, JULY 2, 2018/ASHADHA 11, 1940

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 30 जून, 2018
अंतिम जांच परिणाम

विषय – चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "बेल्टिंग फैब्रिक" के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क जांच।

फा. सं. 14/35/2016-डीजीएडी.—यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, आकलन और पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

- और जबकि, मैसर्स एसआरएफ लिमिटेड (जिसे बाद में "याचिकाकर्ता" अथवा "आवेदक" अथवा "घरेलू उद्योग" अथवा "एसआरएफ" भी कहा गया है) ने चीन जन. गण. (जिसे बाद में "संबद्ध देश" भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "बेल्टिंग फैब्रिक" (जिसे यहां आगे "संबद्ध सामान" अथवा "विचाराधीन उत्पादन" कहा गया है) के पाटित आयातों पर पाटनरोधी जांच की शुरुआत तथा उस पर उपयुक्त शुल्क लगाए जाने के लिए अधिनियम और नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे "प्राधिकारी" भी कहा गया है), पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय के समक्ष वर्तमान मामले में आवेदन दायर किया।
- और जबकि, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा पाटनरोधी जांच की शुरुआत का औचित्य बताते हुए प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर नियमावली के नियम 5 के अनुसार अधिसूचना संख्या 14/35/2016-डीजीएडी दिनांक 23 अगस्त, 2017 द्वारा संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव की जांच करने तथा उसे निर्धारित करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क यदि लगाया जाता है, तो घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, की मात्रा की सिफारिश करने के लिए जारी की।

क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित निर्धारित प्रक्रिया अपनाई गई है:
- प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार, जांच की कार्यवाही की शुरुआत करने से पहले पाटनरोधी आवेदन पत्र प्राप्त होने के संबंध में भारत में स्थित संबद्ध देश के दूतावास/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया।
 - प्राधिकारी ने जांच की शुरुआत की एक प्रति भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार अन्य भारतीय उत्पादकों और घरेलू उद्योग को भेजी तथा उनसे अनुरोध किया कि वे जांच की शुरुआत के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दें।
 - प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार, ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास तथा भारत में आयातकों एवं प्रयोक्ताओं को आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति उपलब्ध कराई।
 - भारत में स्थित संबद्ध देश के दूतावास से यह अनुरोध किया गया कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली की प्रति संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों एवं पतों सहित दूतावास को भी भेजी गई।
 - प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, संगत सूचना मंगाने के लिए निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली भेजी:
 - झांगजियागांग सिटी ईस्ट ओसियन टेक्निकल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.
 - फोशान ननहाई जियारूनलियांग इंडस्ट्रियल बेल्ट कं. लि., चीन जन. गण.
 - झेजियांग हांगकांग इंडस्ट्री लि., चीन जन. गण.
 - फीचेंग तैशान प्लास्टिक-कोटेड केनवास कं. लि., चीन जन. गण.
 - हेबेई लनयु रबर एंड प्लास्टिक प्रोडक्ट्स कं. लि., चीन जन. गण.
 - हेंगशुई जितेयांग कनवेइंग मशीनरी एंड इंजी. कं. लि., चीन जन. गण.
 - झेजियांग युनिफुल इंडस्ट्रियल कं. लि., चीन जन. गण.
 - शानडोंग हेलोन पॉलीटिक्स केमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.
 - वुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.
 - ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लिमिटेड, चीन जन. गण.
 - उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया और प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए:
 - शानडोंग हेलन पॉलीटिक्स केमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.
 - वुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.
 - जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.
 - ऑरियंटल टेक्सटाइल (होलिंग) लिमिटेड ("ओटीटीआई")
 - ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लिमिटेड ओटीजेडआई, चीन जन. गण.
 - झेजियांग युनिफुल हाई-टेक इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.
 - इसके अतिरिक्त, जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण. ने बाजार अर्थव्यवहार प्रश्नावली के उत्तर दायर किए, परंतु बाद में वापस ले लिए।
 - प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली भेजी:

- (क) फिलाटेक इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा
- (ख) रचना टेक्सटाइल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मध्य प्रदेश
- (ग) अरविंद लिमिटेड, गुजरात
- (घ) मार्क इंडस्ट्रीज, तमिलनाडु
- (ङ) सनरेहा टेक्निकल टेक्सटाइल्स लिमिटेड, गुजरात
- (च) मधुरा इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल्स लिमिटेड, महाराष्ट्र
- ix. जांच की शुरुआत के उत्तर में किसी भी आयातक ने आयातक प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए। तथापि, मैसर्स एआरबी कनवेयर्स ने कुछ आंकड़ों के साथ अनुरोध दायर किए हैं। मैसर्स सनरेहा टेक्निकल टेक्सटाइल्स लिमिटेड ने सुनवाई के बाद अनुरोध दायर किए हैं।
- x. मैसर्स ऑक्सफोर्ड रबर्स प्रा. लि. ने 05 जून, 2018 के पत्र के माध्यम से काफी विलंब से आंकड़े/अनुरोध दायर किए। इस पत्र में उन्होंने अनुरोध किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी उनके अधिवक्ता मैसर्स वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट द्वारा दायर अनुरोधों पर विचार करें। प्राधिकारी को मैसर्स वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट द्वारा दायर विविध अनुरोधों पर समुचित रूप से विचार किया है, जैसा कि प्रकटन में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, मैसर्स वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट द्वारा दायर प्रकटन पश्चात टिप्पणियों पर भी समुचित रूप से विचार किया गया है। तथापि, प्राधिकारी समय की उपयुक्तता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए इस देरी के स्तर पर मैसर्स ऑक्सफोर्ड रबर्स प्रा. लि. द्वारा दायर विशिष्ट आंकड़ों पर विचार करना उपयुक्त नहीं मानते।
- xi. इसके अतिरिक्त, ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर याचिका और उसकी जांच की शुरुआत पर आपत्तियां दायर कीं। मौखिक सुनवाई के दौरान ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और उसके सदस्यों ने आयातक/प्रयोक्ता प्रश्नावली के उत्तर दायर करना चाहा। केवल ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा 01 मई, 2018 को देरी से अनुरोध दायर किए गए थे जिन पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है। मौखिक सुनवाई में उपस्थित किसी भी अन्य प्रयोक्ता ने प्रश्नावली के उत्तर/अनुरोध दायर नहीं किए हैं।
- xii. चीन चैंबर ऑफ कॉमर्स ऑफ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ टेक्सटाइल एंड एपेरल ने भी याचिका तथा उसकी जांच की शुरुआत पर आपत्तियां दायर कीं, परंतु वे निर्धारित समय-सीमा के बाद दायर की गई थीं।
- xiii. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुले में रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।
- xiv. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वे पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयातों के लेन-देन वार ब्यौरे दें जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे। प्राधिकारी ने लेन-देनों की उचित जांच के बाद आयातों की मात्रा के परिकलन और अपेक्षित विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- xv. सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत और उसे निर्मित करने तथा उसकी बिक्री करने की लागत पर आधारित क्षति रहित कीमत (एनआईपी) इस तरह से निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xvi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को संगत सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान करने हेतु 12 मार्च, 2018 को एक मौखिक सुनवाई की जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भाग लिया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रकट किए, उनसे अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचार लिखित रूप में दायर करें। पक्षकारों को यह भी सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पक्षकारों द्वारा किए गए लिखित अनुरोधों को प्राप्त करें और उनसे उसके बाद प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।
- xvii. घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना का सत्यापन आवश्यक समझी जाने वाली सीमा तक किया गया था। केवल आवश्यक संशोधन के साथ उस सत्यापित सूचना, जहां तक लागू है, पर विश्वास किया गया है।
- xviii. संबद्ध देशों में निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर आंकड़ों का डेस्क सत्यापन किया गया:

मैसर्स वुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.; मैसर्स जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.; मैसर्स ऑरियंटल टेक्सटाइल (होलिंग) लिमिटेड ("ओटीटीआई"), चीन जन. गण. और मैसर्स ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि., ओटीजेआई, चीन जन. गण.; मैसर्स जेजियांग युनिफुल हाई-टेक इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.; मैसर्स शानडोंग हेलन पॉलीटेक्स केमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.

- xix. वर्तमान समीक्षा जांच के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2016 – मार्च, 2017 (12 माह) है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2013-14, 2014-15, 2015-16 और जांच की अवधि शामिल है।
- xx. इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध, जहां भी संगत पाए गए, प्राधिकारी द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम में हल कर लिए गए हैं।
- xxi. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध कराएं।
- xxii. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना अन्यथा उपलब्ध कराई है या जांच में काफी बाधा डाली है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विचार/टिप्पणियां रिकार्ड की गई हैं।
- xxiii. प्राधिकारी ने नियम 16 के अंतर्गत 28 मई, 2018 को एक प्रकटन विवरण जारी किया तथा 06 जून, 2018 तक प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां देने का अवसर प्रदान किया।
- xxiv. इस अंतिम जांच परिणाम में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है। इस अंतिम जांच परिणाम में () नकारात्मक संख्या/श्रृंखला दर्शाता है।
- xxv. जांच की अवधि के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनायी गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 67.95 रुपये है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ख.1 घरेलू उद्योग के विचार

5. घरेलू उद्योग के विचार निम्नलिखित हैं:

- i. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद "बेल्टिंग फैब्रिक" है जो सामान्यतः या तो नायलॉन या पॉलीस्टर या उसके संयोजन से बनाया जाता है। यह नायलॉन6 (एन6), नायलॉन66 (एन66) और पॉलीस्टर इंडस्ट्रियल यार्न (पीआईवाई) जैसे विभिन्न औद्योगिक यार्नों से उत्पादित रबरीकृत टेक्सटाइल फैब्रिक (आरटीएफ) अथवा कनवेयर बेल्ट फैब्रिक (सीबीएफ) है। यह ग्रे फैब्रिक अथवा डिप्ड फैब्रिक के रूप में उत्पादित/बेचा जा रहा है। ग्रे फैब्रिक की बिक्री के मामले में उपभोक्ता उत्पाद की खपत से पूर्व भीतर ही फैब्रिक की डिपिंग कर सकते हैं।
- ii. आवेदक की शक्ति उसके उपभोक्ताओं के लिए संबंधित सामानों के ग्राहकीकरण और उनको व्यापक श्रृंखला के डिजाइन पेश करने में रहती है। आवेदक की उत्पादन लाइन में प्लाइ बेल्टिंग तथा सॉलिड ओवन किस्म दोनों में डिप्ड बेल्टिंग फैब्रिक होता है। सॉलिड ओवन फैब्रिक हैवी ड्यूटी प्रयोग के लिए उपयुक्त होता है जहां ताकत और प्रभावी सहन प्रतिरोधकता की आवश्यकता होती है। जोड़ी गई शक्ति के अलावा, सॉलिड ओवन निर्माण मोनोपॉली बेल्ट के अधिक शुद्ध रॉलर एंगल की अनुमति देता है। फैब्रिक का सबसे अधिक सामान्य प्रयोग कनवेयर बेल्टों में होता है।
- iii. यह एक ओवन फैब्रिक है जिसमें लंबाई-वार चूड़ियां होती हैं जिन्हें "वार्प" कहते हैं और चौड़ाई-वार चूड़ियां "वेफ्ट" कहलाती हैं। यह कनवेयर बेल्टों के विनिर्माण के लिए प्रबलक सामग्री है। प्रमुख खानें और/अथवा उद्योग, जो कनवेयर बेल्ट का प्रयोग करते हैं, कोयला, इस्पात, सीमेंट, विद्युत आदि क्षेत्रों में हैं।
- iv. मॉडल मैच मानदंड अथवा पीसीएन प्रणाली - खपत की गई कच्ची सामग्री के आधार पर आधारित और कनवेयर बेल्ट में परिणामी अंतिम प्रयोग की आवश्यकता के आधार पर निम्नलिखित संयोजनों में यार्न की विभिन्न किस्मों

का प्रयोग किया जाता है। तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद को प्रस्तावित जांच की अवधि के लिए पाटन मार्जिन, कीमत कटौती और क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए इन उत्पाद किस्मों में श्रेणीबद्ध किया गया है।

कनवेयर बेल्ट फैब्रिक का नाम	यार्न का प्रकार	
	वार्प	वेफ्ट
क. एनएन (नायलॉन 6 और नायलॉन 6)	एन6	एन6
ख. ईपी (पॉलिस्टर इंडस्ट्रियल यार्न और नायलॉन 6)	पीआईवाई	एन66
ग. ईई (पॉलिस्टर इंडस्ट्रियल यार्न और पॉलिस्टर इंडस्ट्रियल यार्न)	पीआईवाई	पीआईवाई
घ. पीपी (नायलॉन 66 और नायलॉन 66)	एन66	एन66

- v. विचाराधीन उत्पाद को यार्न की किस्म के आधार पर चार किस्मों में बांटा जा सकता है। यदि हितबद्ध पक्षकार यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद विभिन्न किस्मों में और अधिक श्रेणीबद्ध किए जाने की आवश्यकता है तो याचिकाकर्ता को उसके विरुद्ध कुछ नहीं करना है। निर्दिष्ट प्राधिकारी एक उपयुक्त पीसीएन निर्धारित कर सकते हैं। याचिकाकर्ता तदनुसार आंकड़े उपलब्ध कराएंगे।
- vi. चीन जन. गण. से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। वर्तमान मामले में आयातित और घरेलू उत्पाद, दोनों में भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण आदि जैसे मानदंडों के संदर्भ में तुलनीय विशेषताएं हैं। उपभोक्ता दोनों का प्रयोग कर सकते हैं और दोनों का परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग कर रहे हैं। ये दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।
- vii. बेल्टिंग फैब्रिक को सीमा प्रशुल्क के अध्याय 59, उप शीर्ष 59069990 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह बाध्यकारी नहीं है।
- viii. घरेलू उद्योग में सभी प्रकार की चौड़ाई और हल्के फैब्रिक की आपूर्ति करने की क्षमता है जो उनकी वेबसाइट से सिद्ध है जिसमें ईई80/एनएन80/पीपी80/ईपी80 जैसी उत्पाद श्रेणियों के विवरण हैं। ग्राहक की आवश्यकता के आधार पर घरेलू उद्योग चौड़े तथा संकीर्ण श्रृंखला, दोनों का विनिर्माण कर सकता है जो 52 से.मी. तक नीचे जाता है। याचिकाकर्ताओं ने 315 रेटिंग से अधिक के उत्पाद का विनिर्माण एवं आपूर्ति की है। संगत साक्ष्य रिकार्ड में रख दिए गए हैं।
- ix. घरेलू उद्योग, उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक रूप से सक्षम हैं। याचिकाकर्ता विभिन्न शैलियों के उत्पाद का उत्पादन करने और उसकी आपूर्ति करने की स्थिति में हैं।
- x. ईई किस्म के लिए लगाई गई प्रौद्योगिकी में और चीनी उत्पादकों द्वारा लगाई गई प्रौद्योगिकी में अंतर के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि पॉलीस्टर यार्न रिसोर्सनल फॉर्मेलिडहाइड लेटेक्स (आरएफएल) ब्राउन डिपिंग सॉल्यूशन में स्वाभाविक रूप से नहीं बनता है। पॉलीस्टर को नायलॉन के समान आरएफएल डिपिंग सॉल्यूशन में मिलाने के लिए सक्रिय किए जाने की आवश्यकता होती है। यदि इसे सक्रिय नहीं किया जाता है तो फैब्रिक/यार्न आरएफएल दोनों में नहीं मिलेगा। सामान्यतः उद्योग सक्रिय किए गए यार्नों का प्रयोग करता है। फैब्रिक को सक्रिय करने की प्रक्रिया डिपिंग सॉल्यूशन में यार्नों को अपेक्षित बांडिंग प्रदान करने का एक अधिक अदक्ष तरीका है। सक्रिय करने की प्रौद्योगिकी भारत में तथा अन्यत्र भी पहले से ही उपलब्ध है और इन फैब्रिक को बनाने का अप्रयोज्य तरीका माना जाता है। साथ ही, फैब्रिक को सक्रिय करना एक अदक्ष तरीका होने के नाते सामान्यतः उद्योग सक्रिय किए गए यार्न को लेते हैं। इसके अतिरिक्त, सक्रिय न किए गए एडेसिव यार्न के प्रयोग वाले बेल्टिंग फैब्रिक के संबंध में कोई मांग अथवा यहां तक कि कोई पूछताछ नहीं हुई है। याचिकाकर्ता के पास प्रक्रिया अपनाकर उत्पाद का विनिर्माण करने की प्रौद्योगिकी है। यार्न को सक्रिय करने की लागत डिप्ड फैब्रिक की कुल लागत का 5 प्रतिशत है। तथापि, फैब्रिक को सक्रिय करने की लागत 9-10 प्रतिशत है।

- xi. लम्बे आपूर्ति चक्र, बढ़ती हुई पूंजी लागत, उतार-चढ़ाव का अभाव और आयात पर विश्वास की गई मुख्य कच्ची सामग्री के कारण कुछ ग्राहकों की पूर्ति करने की कठिनाईयां सिद्ध नहीं हैं, बिना साक्ष्य के हैं, असंगत हैं और पाटनरोधी जांच में उनकी आवश्यकता नहीं है।
- xii. उत्पादों की विभिन्न श्रेणियों की कीमत के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि याचिकाकर्ता ने पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए भारत औसत आधार दृष्टिकोण नहीं अपनाया है। उत्पाद की विभिन्न श्रेणियों से उत्पाद नियंत्रण संख्या प्रणाली का निर्माण हुआ है। तदनुसार, याचिकाकर्ता ने श्रेणी-वार सूचना दी है।
- xiii. सभी किस्मों की औसत कीमत के बजाए उत्पाद मिश्र तथा उत्पाद कीमत सूचना के विस्तृत वर्गीकरण पर विचार करने के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी जो उपयुक्त समझे, वह निर्णय ले सकते हैं।

ख.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

6. निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. इस उत्पाद को लिखित भाग में चार उत्पाद किस्मों में श्रेणीबद्ध किया गया है और कीमत कटौती का परिकलन करते समय एक पृथक श्रेणी "अन्य ग्रेड/किस्म" श्रेणी भी है। घरेलू उद्योग को उसका आधार देने की आवश्यकता है। यदि अन्य ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के भाग नहीं हैं तो उन्हें अलग किया जाना चाहिए।
- ii. एसआरएफ किफायत तथा अन्य वाणिज्यिक कारकों के कारण संकीर्ण चौड़ाई वाले फैब्रिक और कुछ हल्के ग्रेड की सामग्री की आपूर्ति नहीं करता। एसआरएफ 315 की रेटिंग से अधिक के ईई बेल्टिंग फैब्रिक नहीं देता। याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र स्पष्ट रूप से वर्णित नहीं किया है और पूरी श्रृंखला को संबद्ध सामानों के रूप में माना है।
- iii. न तो याचिका ही और न जांच की शुरुआत की अधिसूचना विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में स्पष्ट है। निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी श्रृंखला का स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र का उल्लेख करें।
- iv. उद्योग को एक बार बेल्टिंग फैब्रिक की 100 से अधिक शैलियों की आवश्यकता होती है ताकि वे भारतीय बाजार की पूर्ति कर सकें और यह तब तक संभव नहीं है जब तक वे चीन से फैब्रिक का आयात न करें क्योंकि घरेलू उद्योग उनकी मांग को पूरा करने में असमर्थ है।
- v. ईई किस्म के लिए लगाई गई प्रौद्योगिकी और चीनी उत्पादकों द्वारा लगाई गई प्रौद्योगिकी में अंतर है। इसके परिणामस्वरूप, 20 प्रतिशत तक लागत में काफी कमी आती है। चीनी विनिर्माता "नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड – पॉलिस्टर यार्न" का विनिर्माण करते हैं जबकि घरेलू उद्योग द्वारा "एडेसिव एक्टिवेटेड – पॉलिस्टर यार्न" का प्रयोग किया जाता है।
- vi. आयात पर मानी गई मुख्य कच्ची सामग्री से उन कुछ ग्राहकों की पूर्ति करने के लिए लंबा आपूर्ति का चक्र बढ़ती हुई पूंजी लागत उतार-चढ़ाव का अभाव और कठिनाईयां भी सकते हैं जिनके पास समय की आवश्यकता बहुत कम होती है।
- vii. उत्पादों की विभिन्न श्रेणियों की कीमत में भारी अंतर है क्योंकि पीपी अथवा एनएन की लागत एवं कीमत ईपी से अधिक है और ईपी की लागत एवं कीमत ईई से अधिक है, जबकि प्रसंस्करण लागत समान रहती है। भारत को निर्यातित चीनी उत्पाद कम लागत और कीमतों की श्रेणियों से अधिक हैं, अधिकतर ईई (न्यूनतम कीमत) और कुछ ईपी (दूसरे स्तर की न्यूनतम किस्म) के संदर्भ में। इस प्रकार, शामिल उत्पादों की श्रृंखला में उच्च कीमत वाले बेल्टिंग फैब्रिक की कीमत का परिकलन करना अनुपयुक्त है।
- viii. यदि उत्पाद मिश्र (प्रत्येक श्रेणी के सामानों के भार के कई संयोजन) पर सभी किस्मों की औसत कीमत के बजाए प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया गया है, तो वस्तुपरक निर्णय कठिन होगा। प्राधिकारी को उत्पाद कीमत सूचना का विस्तृत वर्गीकरण करना चाहिए।

ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को 23 अगस्त, 2017 की जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है। वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "बेल्टिंग फैब्रिक" है जिसे अध्याय 59, शीर्ष 5906, शीर्ष 5902 को छोड़कर, अर्थात् रबरीकृत टेक्सटाइल फैब्रिक के तहत वर्गीकृत किया गया है। अध्याय 59 की टिप्पणियों में मद संख्या 4 शीर्ष 5906 के प्रयोजन के लिए "रबरीकृत टेक्सटाइल फैब्रिक" अभिव्यक्ति का अभिप्राय निम्नलिखित रूप में स्पष्ट है:

"(क) रबर से भरे गए, लेप किए गए, ढके गए अथवा लेमिनेट किए गए टेक्सटाइल फैब्रिक:

(i) 1500 ग्राम वर्ग मीटर से अनधिक भार वाले

(ii) 1500 ग्राम वर्ग मीटर से अधिक के भार वाले और जिनमें टेक्सटाइल सामग्री का भार 50 प्रतिशत से अधिक होता है।"

8. बेल्टिंग फैब्रिक सामान्यतः लाइनों या पॉलीस्टर या उनके संयोजन से बना होता है। यह रबरीकृत टेक्सटाइल फैब्रिक (आरटीएफ) तथा कनवेयर बेल्ट फैब्रिक (सीबीएफ) होता है जो नायलॉन 6 (एन6), नायलॉन 66 (एन66) और पॉलीस्टर इंडस्ट्रियल यार्न (पीआईवाई) जैसे विभिन्न प्रौद्योगिकी यार्नों से उत्पादित होता है। इसे या तो ग्रे फैब्रिक के रूप में या डिण्ड फैब्रिक रूप में उत्पादित तथा बेचा जा रहा है। ग्रेड फैब्रिक की बिक्री के मामले में उपभोक्ता उत्पाद की खपत से पूर्व अंदर ही फैब्रिक की डिपिंग कर सकते हैं।
9. प्राधिकारी 315 की रेटिंग से अधिक के ईई बेल्टिंग फैब्रिक को हटाएं। आयातों में विशिष्ट न होने वाले उत्पादों को हटाने और घरेलू उद्योग की कम चौड़ाई वाले फैब्रिक की आपूर्ति करने के संबंध में अनुरोधों को नोट करते हैं और मानते हैं कि चूंकि घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पाद श्रृंखला के संबंध में नमूने साक्ष्य दिए हैं, अतः विचाराधीन उत्पाद सभी ग्रेडों, किस्मों और संबद्ध सामानों की रेटिंग को मिलाकर है। जहां तक विशिष्ट न होने वाली सामग्री और अन्य ग्रेडों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों का आयात डीजीसीआईएंडएस के तहत लॉक किया गया था और यह कि सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर किया गया था, वह लगभग सह संबंध रखता है। सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उल्लिखित पीसीएन पर पाटन एवं संबंधित क्षति का मूल्यांकन करने के लिए एक-एक करके उपयुक्त रूप से विचार किया गया है।
10. चूंकि, विचाराधीन उत्पाद को विशेष रूप से हटाने, जैसा कि अनुरोध किया गया है, के संबंध में समाधान कर लिया गया है। अतः आयातों में कम मात्रा में सूचित किए गए अन्य ग्रेड पीसीएन की चार किस्मों के भिन्न-भिन्न ग्रेड हैं और चूंकि, किसी भी पीसीएन को किसी अन्य रूप से विशिष्ट रूप से हटाने की मांग किसी सहयोगी उत्पादक/निर्यातक द्वारा नहीं की गई है, अतः प्राधिकारी संबद्ध सामानों के क्षेत्र के तहत किसी को हटाने पर विचार नहीं करते और उन्होंने सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उनके उत्तर में सूचित किए गए पीसीएन को ध्यान में रखते हुए भारित औसत मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन किया है।
11. यह नोट किया जाता है कि बेल्टिंग फैब्रिक का उत्पादन भिन्न-भिन्न डेनियरों के नायलॉन और पॉलिस्टर यार्न के विभिन्न संयोजन का प्रयोग करके कच्ची सामग्री और निर्माण के व्यापक संयोजन में किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद एक ओवन फैब्रिक है जिसने लंबाई वार चूड़ियां "वार्प" कहलाती हैं और चौड़ाई वार चूड़ियां "वेफ्ट" कहलाती हैं। विचाराधीन उत्पाद कनवेयर बेल्टों के विनिर्माण के लिए प्रबलक सामग्री है। कनवेयर बेल्टों का प्रयोग करने वाली प्रमुख खान और/अथवा उद्योग कोयला, इस्पात, सीमेन्ट, विद्युत आदि के क्षेत्रों में हैं।
12. इसके अतिरिक्त, यह नोट किया जाता है कि खपत की गई कच्ची सामग्री के आधार पर आधारित और कनवेयर बेल्ट में परिणामी अंतिम प्रयोग की आवश्यकता के आधार पर विभिन्न संयोजनों में यार्न की विभिन्न किस्मों का प्रयोग किया जाता है। तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद को इन उत्पाद किस्मों में श्रेणीबद्ध किया गया है और इस जांच में उन पर विचार किया गया है।

कनवेयर बेल्ट फैब्रिक नाम	यार्न का प्रकार	
	वार्प	वेफ्ट
क. एनएन (नायलॉन 6 और नायलॉन 6)	एन6	एन6
ख. ईपी (पॉलिस्टर इंडस्ट्रियल यार्न और नायलॉन 6)	पीआईवाई	एन66
ग. ईई (पॉलिस्टर इंडस्ट्रियल यार्न और पॉलिस्टर इंडस्ट्रियल यार्न)	पीआईवाई	पीआईवाई
घ. पीपी (नायलॉन 66 और नायलॉन 66)	एन66	एन66

13. जहां तक उत्पादन प्रक्रिया में अंतर का संबंध है, जिसके परिणामस्वरूप लागत में अंतर आता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन और भारत में उत्पादकों द्वारा अपनाई गई विनिर्माण प्रक्रियाओं के फलस्वरूप बाजार स्थल में उन्हीं उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली उसी विशिष्टि वाले उत्पाद बन रहे हैं। अतः यह माना जाता है कि उत्पादन प्रक्रिया की भिन्नता इस जांच में समान वस्तु के प्रयोजन के लिए संगत नहीं है।

14. यह भी नोट किया जाता है कि फैब्रिक को सक्रिय करने की प्रक्रिया डिपिंग सॉल्यूशन में यानों को अपेक्षित बांडिंग प्रदान करने का एक अधिक अदक्ष तरीका है क्योंकि यानों को सक्रिय करने की लागत डिप्ड फैब्रिक की कुल लागत का 5 प्रतिशत है। तथापि, फैब्रिक को सक्रिय करने की लागत 9-10 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, उत्तरदाता गैर-सक्रिय एडेसिव यान प्रयुक्त बेल्टिंग फैब्रिक की मांग के संबंध में कोई साक्ष्य प्रदान करने में विफल रहे।
15. प्राधिकारी उपर्युक्त पहलुओं और रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद संबद्ध देश से आयातित सामानों की समान वस्तु है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, प्रकार्य एवं प्रयोगों, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण आदि के संदर्भ में तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित सामान नियमावली के अनुसार समान वस्तु हैं। ये दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अभिप्राय से तथा क्षेत्र के अंतर्गत संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है।
16. विचाराधीन उत्पाद का सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह बाध्यकारी नहीं है।

ग. घरेलू क्षेत्र का क्षेत्र एवं आधार

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

17. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
 - i. यह याचिका मैसर्स एसआरएफ लिमिटेड द्वारा दायर की गई है। एसआरएफ का भारत में संबंधित उत्पाद के उत्पादन में पर्याप्त हिस्सा (लगभग 61.69 प्रतिशत) है।
 - ii. याचिकाकर्ता ने न तो किसी देश से संबद्ध सामानों का आयात किया है और न ही चीन में संबद्ध सामानों के किसी उत्पादक – निर्यातक अथवा भारत में किसी आयातक से संबंधित है।
 - iii. देश में संबद्ध सामानों के पांच अन्य उत्पादक अर्थात् मधुरा इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल, सनरेहा टेक्निकल टेक्सटाइल, एनआरसी लिमिटेड, जॉनसन रबर इंडस्ट्रीज और ब्रिज टेक्सटाइल्स है।
 - iv. याचिकाकर्ता का पर्याप्त आधार है और वह नियमावली के अभिप्राय से घरेलू उद्योग है।
 - v. एमआईटी ने शुल्क लगाए जाने के लिए अपने समर्थन तथा संबंधित उत्पाद के लिए अपने आंकड़े रिकार्ड में रखे हैं। ब्रिज टेक्सटाइल्स ने भी वर्तमान जांच के संबंध में डीजीएडी को अपनी स्थिति सूचित कर दी है।
 - vi. यदि एनआरसी और जॉनसन रबर टेक्सटाइल पुनर्बलित कनवेयर बेल्ट का विनिर्माण कर रहा है तो उसका यह अर्थ नहीं है कि वे फैब्रिक बेल्ट के उत्पादक नहीं हैं। इन दोनों विनिर्माताओं ने सार्वजनिक सुनवाई के दौरान शुल्क लगाए जाने का समर्थन किया है।
 - vii. सनहेरा मैनुफैक्चर्स औद्योगिक टेक्सटाइल वाले हैं। केवल इसी कारण इसका अर्थ यह नहीं होता कि वह बेल्टिंग फैब्रिक का उत्पादक नहीं है।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

18. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच में आवेदक के आधार के संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है। तथापि, अन्य उत्पादकों के नाम के संबंध में निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए:
 - i. एमआईटी-एमओएल और ब्रिज टेक्सटाइल्स बेल्टिंग फैब्रिक के विनिर्माता नहीं हैं, जैसा कि याचिका में उल्लेख किया गया है।
 - ii. एनआरसी और जॉनसन रबर "टेक्सटाइल रिइंफोर्स्ड कनवेयर बेल्ट" के विनिर्माता हैं और उनकी बेल्टिंग फैब्रिक की छोटी क्षमताएं प्रायः उनकी कैप्टिव खपत के लिए हैं।
 - iii. सनहेरा मैनुफैक्चर्स औद्योगिक टेक्सटाइल बनता है और बेल्टिंग फैब्रिक उनकी कुल क्षमता का केवल 25 से 30 प्रतिशत है। उनकी रेंज भी सीमित है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह याचिका मैसर्स एसआरएफ लिमिटेड द्वारा दायर की गई है जिसका भारत में संबंधित उत्पादों के उत्पादन में *** प्रतिशत का पर्याप्त हिस्सा है। यह भी नोट किया जाता है कि उन्होंने न तो विचाराधीन

उत्पाद का आयात किया है और न ही वे विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक अथवा निर्यातक से संबंधित हैं। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन समान उत्पाद के भारतीय उत्पादन का "प्रमुख अनुपात" है। अतः आवेदन पत्र घरेलू उद्योग द्वारा और घरेलू उद्योग की ओर से किया गया माना जाता है और आवेदन पत्र पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के तहत "आधार" की आवश्यकताओं को पूरा करता है। इस प्रकार, प्राधिकारी मानते हैं कि याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" है।

20. यह भी नोट किया जाता है कि जो अन्य उत्पादकों अर्थात् मथुरा इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल्स लिमिटेड और सनहेरा टेक्निकल टेक्सटाइल्स लिमिटेड ने भी समर्थन किया है और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुरोध किया है। घरेलू उद्योग का हिस्सा और दो समर्थकों का हिस्सा *** प्रतिशत बनता है।
21. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि एनआरसी, जॉनसन और सनहेरा को इस आधार पर घरेलू उद्योग के क्षेत्र से बाहर नहीं किया जा सकता कि वे निचले उत्पादों सहित अन्य उत्पादों के उत्पादन में हैं।

ड. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

22. वर्तमान जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- i. उत्तरदाताओं को तब तक बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक उत्तरदाता निर्यातक संतुष्ट न हो जाएं कि उनका कोई भी प्रमुख शेयरधारक राज्य के स्वामित्व वाला/नियंत्रित कंपनी है, यह कि प्रमुख इनपुट की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य दर्शाते हैं; जब तक कि उत्तरदाता चीनी निर्यातक नियमों के तहत निर्धारित प्रत्येक मानदंड के संबंध में परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर लेते और यह कि उत्तरदाता कंपनी ने विचाराधीन उत्पाद में शामिल उसके संबंधित पक्षकारों सहित वर्तमान जांच में भाग लिया है।
- ii. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार वहीं नहीं दिया जा सकता जहां चीनी निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ हैं कि उनकी बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों (आईएएस) के अनुरूप हैं।
- iii. यह सिद्ध करना उत्तरदाता चीनी उत्पादकों का काम है न कि प्राधिकारी का, कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं।
- iv. ऐसी स्थिति में जहां वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं अपनी उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं, परंतु वे किसी अन्य पक्षकार से ली हैं, बाजार अर्थव्यवस्था स्तर तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक रूपांतरण की प्रक्रिया दस्तावेजी साक्ष्य के माध्यम से पूरी तरह सिद्ध न कर दी जाए।
- v. ऐसी स्थिति में चीन के लिए सामान्य मूल्य उपर्युक्त तथ्यों और परिस्थितियों के मद्देनजर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार ही निर्धारित किया जा सकता है।
- vi. यद्यपि चीन अभिगम नयाचार का अनुच्छेद 15(क)(II) 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गया, तथापि, प्राधिकारी को इस कारण वर्तमान जांच में चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एनएमई) के रूप में माना जाना चाहिए कि जांच की अवधि का बड़ा हिस्सा 11 दिसंबर, 2016 से पहले का था क्योंकि जांच की अवधि के दौरान विद्यमान स्थिति संगत विचार बनती है।
- vii. विचाराधीन उत्पाद का चीन में सामान्य मूल्य इस कारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता कि संगत सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।
- viii. आवेदक ने चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रमुख कच्ची सामग्री के भारत में आयात को लेकर तथा बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्ययों में विधिवत समायोजित कर तथा आवेदक के खपत मानदंडों पर विचार कर भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया है। 5 प्रतिशत लाभ पर विचार किया गया है।
- ix. निर्यात कीमत उद्योग में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर उचित समायोजन करने के बाद उसे सामान्य मूल्य से तुलनीय बनाने के लिए आयात आंकड़ों से उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्मित की गई है।
- x. पाटन मार्जिन सकारात्मक और पर्याप्त है।
- xi. उत्तरदाता का उत्तर इस तथ्य पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए कि वह महत्वपूर्ण सूचना, यथा – संबंधित पक्षकारों के नाम, विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने वाले उनके संबंधित पक्षकार का व्यौरा प्रकट करने में विफल रहे हैं। उनके द्वारा प्राप्त लाभों और प्रोत्साहनों के संबंध में तथ्यों को छिपाया गया है।

- xii. याचिकाकर्ता ने उसके पास सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में दावे और अनुरोध किए हैं। प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उपयुक्त रूप से सिद्धांत को अपनाएं।
- xiii. जियांगसू तैजी के अलावा, किसी भी पक्षकार ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। उपर्युक्त कारणों से जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण. सहित किसी भी चीनी उत्पादक/निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार नहीं दिया जाना चाहिए। साथ ही, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रभावली के उत्तरों में लगभग प्रत्येक सूचना को गोपनीय होने का दावा किया गया जो प्रभावी टिप्पणियां देने के अधिकार में बाधा डालता है। एक सूचीबद्ध सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी वुक्सी तैजी इंडस्ट्री कं. लि. और वुक्सी गवर्नमेंट (राज्य के स्वामित्व वाला व्यूरो – वुक्सी स्टेट ऑन्ड एसेट्स एडमिनिस्ट्रेशन) के इसमें काफी शेयर हैं। जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि. का 100 प्रतिशत शेयरधारक है और यह तथ्य बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रभावली के उत्तर में प्रकट नहीं किया गया है जो कंपनी के प्रबंधन में सरकार के लिप्त होने के संबंध में एक अवधारणा उत्पन्न करता है।
- xiv. यह तथ्य कि निर्यातक ने पाटन का सहारा लिया है, पाटन की मौजूदगी अस्वीकार न करने में उनकी स्वीकृति द्वारा सिद्ध हो जाता है।
- xv. शानडोंग हेलोन पॉलीटेक्स के दावे के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि उत्तरदाता ने बिना किसी साक्ष्य अथवा समर्थन के खाली विवरण दिया है। अतः याचिकाकर्ता टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी वर्तमान जांच में कानून एवं तथ्यों के अनुसार जो ठीक समझते हैं, उसके अनुसार निर्णय लें।

ड.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

23. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं
 - i. निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण का सिद्धांत कानून के अनुसार सही नहीं है और यह कि प्राधिकारी उससे हट रहे हैं।
 - ii. निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन की बाजार अर्थव्यवस्था के विकास के आधार पर चीन को एमईटी प्रदान करना चाहिए, एडीए के अनुच्छेद 2 के अनुसार कोई सामान्य मूल्य परिकलन करना चाहिए और समान देश के आंकड़ों को लागू करने की बजाए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए इस उत्तर में कंपनी द्वारा दिए गए आंकड़ों और कीमतों को लागू करना चाहिए।
 - iii. शानडोंग हेलोन पॉलीटेक्स केमिकल फाइबर कं. लि. संबद्ध सामानों के पाटन में नहीं लगा हुआ है और प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9(क) के अनुसार अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करें।
 - iv. जहां तक चीन में विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे का संबंध है, यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग ने इस संबंध में कोई साक्ष्य नहीं दिया है; निर्यातक प्रभावली के प्रश्न क4 में प्रोत्साहनों, सब्सिडी आदि के संबंध में कोई उल्लेख नहीं है और यह कि यह पाटनरोधी जांच है। इस प्रकार, ऐसे मुद्दे यहां संगत नहीं हैं।
 - v. जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि. ने अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क प्रभावी तारीख से लगाया जाता है और इसीलिए दिसंबर, 2016 के बाद पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चीन जन. गण. को बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में व्यवहार दिए जाने के आधार पर होगा।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

सामान्य मूल्य

24. 9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :
 - (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
 - (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि डब्ल्यूटीओ में चीन अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15(क)(i) में यह अपेक्षित है कि चीन के उत्पादक/निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए अपना दावा सिद्ध करें। पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 और पैरा 8 में भी इन दावों के लिए अपेक्षाएं निर्धारित हैं।
26. चीन जन. गण. से केवल मैसर्स जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है जो बाद में वापस ले लिया गया था। इसके मद्देनजर, चूंकि किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है, अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के मद्देनजर निर्मित सामान्य मूल्य का दृष्टिकोण अपनाया है। सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य नियम 6(8) अर्थात् पाटनरोधी नियमावली की सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के मद्देनजर मूल्यांकित किया गया है जो इस प्रकार है "जहां कहीं भी किसी हितवद्ध पक्षकार ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना अन्यथा उपलब्ध कराई है या जांच में काफी बाधा डाली है, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपना जांच परिणाम रिकार्ड कर सकते हैं और ऐसी परिस्थितियों में जो उचित समझें, केंद्र सरकार को वे सिफारिशें दे सकते हैं।"
27. उपर्युक्त पैरा के मद्देनजर, संबद्ध सामानों के लिए सामान्य मूल्य प्रमुख कच्ची सामग्री और यूटिलिटियों, खरीदी गई कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, कैपिटल रूप से उत्पादित कच्ची सामग्री की कीमतों, जिनमें उपयुक्त परिवर्तन लागत, ब्याज, एसजीए और उपयुक्त लाभ आदि शामिल हैं, के लिए इष्टतम खपत मानदंडों पर विचार करते हुए निर्मित किया गया है।
28. अमेरिकी डॉलर/मी. टन में विभिन्न ग्रेडों के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य निम्नलिखित है:

क्रम सं.	ग्रेड	अमेरिकी डॉलर/मी. टन में मूल्य
1.	ईई	***
2.	ईपी	***
3.	एनएन	***
4.	पीपी	***

सभी सहयोगी और असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्मित सामान्य मूल्य लागू है।

निर्यात कीमत

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से पांच निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर में निर्यात आंकड़े दिए हैं जिनका सत्यापन डेस्क अध्ययन के आधार पर नमूने के तौर पर किया गया है। पांच सहयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत निम्नलिखित निर्धारित की गई है:

i. शानडोंग हेलन पॉलीटिक्स केमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों के उत्पादक और निर्यातक के रूप में शानडोंग हेलन पॉलीटिक्स केमिकल फाइबर कं. लि. ("एसएचपी") ने केवल एनएन ग्रेड का निर्यात किया है और घरेलू बिक्री कीमत, भारत में निर्यात कीमत, अन्य देशों की निर्यात कीमत और उत्पादन लागत संबंधी आंकड़ों से युक्त प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। तथापि, बाजार अर्थव्यवस्था का दावा करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दायर नहीं की है। उत्तर के डेस्क सत्यापन के दौरान उत्पादक/निर्यातक के प्रतिनिधि ने यह पुष्टि की कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं कर रहे हैं। बीजकों, भुगतानों और समायोजनों सहित भारत में निर्यात कीमत से संबंधित दस्तावेज उत्पादक/निर्यातक द्वारा नमूने के आधार पर दिए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने ***

अमेरिकी डॉलर/मी. टन की यूनिट सीआईएफ के अनुसार *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के सीआईएफ मूल्य पर संबद्ध सामानों के एनएन किस्म के *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन का निर्यात किया है।

31. उत्पादक/निर्यातक ने *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक क्रमशः अंतर्देशीय भाड़ा, सारसंभाल प्रभार, ऋण व्यय, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और बैंक प्रभार के संबंध में समायोजनों का दावा किया है और नमूने साक्ष्य दिए हैं। प्राधिकारी ने उपर्युक्त समायोजनों पर विचार करने के बाद *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में कारखानागत निर्यात कीमत का संदर्भ दिया।

ii. वुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों के उत्पादक और निर्यातक के रूप में वुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि. ने ईई, ईपी और एनएन ग्रेड का निर्यात किया है और घरेलू बिक्री कीमत, भारत में निर्यात कीमत, अन्य देशों को निर्यात कीमत और उत्पादन लागत संबंधी आंकड़ों से युक्त प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। तथापि, बाजार अर्थव्यवस्था का दावा करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दायर नहीं की है। उत्तर के डेस्क सत्यापन के दौरान उत्पादक/निर्यातक के प्रतिनिधि ने यह पुष्टि की कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं कर रहे हैं। बीजकों, भुगतानों और समायोजनों सहित भारत में निर्यात कीमत से संबंधित दस्तावेज उत्पादक/निर्यातक द्वारा नमूने के आधार पर दिए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने ईई, ईपी और एनएन ग्रेडों के *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की यूनिट सीआईएफ के अनुसार संबद्ध सामानों के ईई, ईपी और एनएन ग्रेड के *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन का निर्यात किया है।
33. उत्पादक/निर्यातक ने ईई ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक; ईपी ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक; एनएन ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक क्रमशः अंतर्देशीय परिवहन, सारसंभाल प्रभार, समुद्री परिवहन, बीमा, ऋण, विदेशी बैंक प्रभार, घरेलू बैंक प्रभार के संबंध में समायोजनों का दावा किया है और नमूने साक्ष्य दिए हैं। प्राधिकारी ने उपर्युक्त समायोजनों पर विचार करने के बाद ईई, ईपी और एनएन ग्रेडों के क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में कारखानागत निर्यात कीमत का संदर्भ दिया।

iii. जियांग्सू तैजी इंडस्ट्रियल न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों के उत्पादक और निर्यातक के रूप में जियांग्सू तैजी इंडस्ट्रियल न्यू मैटेरियल्स कं. लि. ने ईई, ईपी और एनएन ग्रेड का निर्यात किया है और घरेलू बिक्री कीमत, भारत में निर्यात कीमत, अन्य देशों को निर्यात कीमत और उत्पादन लागत संबंधी आंकड़ों से युक्त प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। तथापि, बाजार अर्थव्यवस्था का दावा करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली को उत्पादक/निर्यातक द्वारा वापस ले लिया गया है। उत्तर के डेस्क सत्यापन के दौरान उत्पादक/निर्यातक के प्रतिनिधि ने यह पुष्टि की कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं कर रहे हैं। बीजकों, भुगतानों और समायोजनों सहित भारत में निर्यात कीमत से संबंधित दस्तावेज उत्पादक/निर्यातक द्वारा नमूने के आधार पर दिए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने ईई, ईपी और एनएन ग्रेडों के *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की यूनिट सीआईएफ के अनुसार संबद्ध सामानों के ईई, ईपी और एनएन ग्रेड के *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन का निर्यात किया है।
35. उत्पादक/निर्यातक ने ईई ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक; ईपी ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक; एनएन ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक क्रमशः अंतर्देशीय भाड़ा, सारसंभाल प्रभार, समुद्री बीमा, समुद्री भाड़ा, बैंक प्रभार और ऋण लागत के संबंध में समायोजनों का दावा किया है और नमूने साक्ष्य दिए हैं। प्राधिकारी ने उपर्युक्त समायोजनों पर विचार करने के बाद ईई, ईपी और एनएन ग्रेडों के

क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में कारखानागत निर्यात कीमत का संदर्भ दिया।

iv. ऑरियंटल टेक्सटाइल (होलिंग) लिमिटेड ("ओटीटीआई") और ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि., ओटीजेडआई, चीन जन. गण.

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि. ने जांच की अवधि के दौरान सीधे ही तथा मैसर्स ऑरियंटल टेक्सटाइल (होलिंग) लिमिटेड के माध्यम से भी भारत को संबद्ध सामानों का क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक निर्यात किया है। मैसर्स ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि. और मैसर्स ऑरियंटल टेक्सटाइल (होलिंग) लिमिटेड ने घरेलू बिक्री कीमत, भारत में निर्यात कीमत, अन्य देशों में निर्यात कीमत और उत्पादन लागत के संबंध में आंकड़ों सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। तथापि, बाजार अर्थव्यवस्था का दावा करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए गए हैं। उत्तर के डेस्क सत्यापन के दौरान उत्पादक/निर्यातक के प्रतिनिधि ने यह पुष्टि की कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं कर रहे हैं। बीजकों, भुगतानों और समायोजनों सहित भारत में निर्यात कीमत से संबंधित दस्तावेज उत्पादक/निर्यातक द्वारा नमूने के आधार पर दिए गए हैं। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय परिवहन, सारसंभाल, समुद्री परिवहन, बीमा, ऋण, बैंक प्रभार संबंधी समायोजनों की अनुमति दी है। तदनुसार, भारत औसत निवल निर्यात कीमत *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में निर्धारित की गई है।

v. झेजियांग युनिफुल हाई-टेक इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामानों के उत्पादक और निर्यातक के रूप में मैसर्स झेजियांग युनिफुल हाई-टेक इंडस्ट्री कं. लि. ने ईई और ईपी ग्रेड का निर्यात किया है और घरेलू बिक्री कीमत, भारत में निर्यात कीमत, अन्य देशों को निर्यात कीमत और उत्पादन लागत संबंधी आंकड़ों से युक्त प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। तथापि, बाजार अर्थव्यवस्था का दावा करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दायर की गई है। उत्तर के डेस्क सत्यापन के दौरान उत्पादक/निर्यातक के प्रतिनिधि ने यह पुष्टि की कि वे बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं कर रहे हैं। बीजकों, भुगतानों और समायोजनों सहित भारत में निर्यात कीमत से संबंधित दस्तावेज उत्पादक/निर्यातक द्वारा नमूने के आधार पर दिए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने ईई और ईपी ग्रेडों के *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की यूनिट सीआईएफ के अनुसार संबद्ध सामानों के ईई और ईपी ग्रेड के क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन का निर्यात किया है।
38. उत्पादक/निर्यातक ने ईई ग्रेड के लिए *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन, *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन की मात्रा तक क्रमशः ऋण व्यय, अंतर्देशीय परिवहन (सारसंभाल शुल्क सहित), समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और बैंक प्रभार के संबंध में समायोजनों का दावा किया है और नमूने साक्ष्य दिए हैं। प्राधिकारी ने उपर्युक्त समायोजनों पर विचार करने के बाद ईई और ईपी ग्रेडों के क्रमशः *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन और *** अमेरिकी डॉलर/मी. टन के रूप में कारखानागत निर्यात कीमत का संदर्भ दिया।

पाटन मार्जिन का निर्धारण

39. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर संबद्ध देशों से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है और वह निम्नलिखित है:

क्रम सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य - अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	निर्यात कीमत - अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	पाटन मार्जिन - अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
1	चीन जन. गण.	शानडोंग हेलोन पॉलीटेक्स केमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.	शानडोंग हेलोन पॉलीटेक्स केमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	30 - 40
2	चीन जन. गण.	वुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.	वुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	30 - 40

3	चीन जन. गण.	जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.	जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	50 – 60
4	चीन जन. गण.	ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि., ओटीजेडआई, चीन जन. गण.	ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि., ओटीजेडआई, चीन जन. गण. ऑरियंटल टेक्स्टाइल (होलिडिंग) लिमिटेड ("ओटीटीआई"), चीन जन. गण.	***	***	***	***	20 – 30
5	चीन जन. गण.	झेजियांग हाई-टेक इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.	झेजियांग हाई-टेक इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	20 – 30
6	चीन जन. गण.	क्रम सं. 1-5 पर उत्पादकों के अलावा	क्रम सं. 1-5 पर उत्पादकों के अलावा	-	***	***	***	

च. क्षति का निर्धारण और कारणात्मक संपर्क

च.1 घरेलू उद्योग के विचार

40. वर्तमान जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए वास्तविक क्षति संबंधी अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- विचाराधीन उत्पाद की घरेलू मांग क्षति की अवधि में बढ़ी है और काफी रही है।
- संबद्ध देश से आयात पूरी क्षति की अवधि में बढ़े हैं और भारत में कुल उत्पादन तथा खपत के संबंध में काफी हैं।
- संबद्ध आयातों में वृद्धि भारत में मांग में वृद्धि से अधिक है। पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि अधिक है, वस्तुतः वह मांग में वृद्धि की अपेक्षा दोगुने से अधिक है।
- अन्य देशों से आयात भारत में आने वाले कुल आयातों के 8 प्रतिशत हैं। संबद्ध आयात 2279 मी. टन हैं जो दूसरे देशों से आने वाले आयातों से अधिक हैं। यद्यपि, दूसरे देशों से मात्रा में क्षति की अवधि में वृद्धि हुई है, परंतु कीमतें चीनी कीमतों और औसत सीआईएफ कीमत की तुलना में अधिक हैं तथा चीन की कीमतों से लगभग दोगुनी हैं।
- घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में प्रस्तावित क्षति की अवधि में गिरावट आई है, जबकि संबद्ध देशों के आयातों के बाजार हिस्से में उसी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- संबद्ध आयात घरेलू बिक्री कीमत की काफी कटौती कर रहे हैं।
- संबद्ध आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर काफी ह्रासमान प्रभाव पड़ा है।
- घरेलू उद्योग ने भारत में बढ़ती हुई मांग के मद्देनजर अपनी क्षमताओं में वृद्धि की है और परिणास्वरूप क्षति की अवधि में उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है।
- घरेलू उद्योग में मालसूची में आधार वर्ष से काफी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग जितना उत्पादन और बिक्री कर सकता है, उससे अधिक मांग होने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी संचित मालसूची का निपटान करने में असमर्थ है।
- घरेलू उद्योग का निष्पादन लाभ, व्याज पूर्व लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर आय जैसे मानदंडों के संबंध में प्रतिकूल रहा है। यह पूरी क्षति की अवधि में ह्रास दर्शाता है और वह पाटित आयातों के कारण है।
- रोजगार एवं मजदूरी घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रतिकूल प्रभाव को नहीं दर्शाते क्योंकि ये कारक कंपनी और अर्थव्यवस्था के समग्र प्रचालनों से शासित होते हैं।

- xii. प्रति दिन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता में क्षति की अवधि में वृद्धि हुई है।
- xiii. घरेलू उद्योग की वृद्धि प्रतिकूल रही है।
- xiv. चीनी निर्यातकों द्वारा पाटन के कारण लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव के कारण आवेदक आगे कोई निवेश करना उपयुक्त नहीं पाते।
- xv. भारतीय उत्पादकों की कीमतों के लिए निर्धारण संबद्ध देशों से आयात कीमतें हैं। इस उत्पाद के लिए कोई अर्थक्षम प्रतिस्थापन नहीं है। उत्पाद के लिए मांग बढ़ी है। इस प्रकार, यह सिद्ध है कि घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए जिम्मेदार कारक संबद्ध देशों से उत्पाद की आयात कीमतें और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत हैं।
- xvi. क्षति मार्जिन काफी और सकारात्मक है।
- xvii. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मानदंड सामूहिक रूप से और संचयी रूप से सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- xviii. उत्तरदाता यह उल्लेख करने में विफल रहे हैं कि कौन से वास्तविक तथ्य याचिकाकर्ता द्वारा छिपाए गए हैं अथवा कौन-कौन से तथ्यों में हेराफेरी की गई है अथवा बनावटी दिए गए हैं। घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और वह याचिकाकर्ता द्वारा दर्शाई गई है।
- xix. जैसा कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा किया गया है, क्षमता उपयोग 100 प्रतिशत होने के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि उत्तरदाता सूचीबद्ध आंकड़ों को वास्तविक आंकड़ों के रूप में पढ़ रहे हैं। वास्तविक क्षमता उपयोग जांच की अवधि में *** प्रतिशत था।
- xx. घरेलू और निर्यात बाजार में बिक्री कीमत में गिरावट की तुलना के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि किसी पाटनरोधी जांच में घरेलू उद्योग के संबंध में सूचना ही संगत होती है।
- xxi. दावा किए गए लाभ और लागत एवं बिक्री में गिरावट में अंतर के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया। यद्यपि बिक्री कीमत में गिरावट बिक्री लागत में गिरावट से अधिक है। तथापि, लाभ में गिरावट और अधिक है। प्राधिकारी सत्यापित आंकड़ों को लें।
- xxii. वार्षिक रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि याचिका में सूचना तथा वर्तमान पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए दायर किए गए विचाराधीन उत्पाद से संबंधित आंकड़ों को ही देखे जाने की आवश्यकता है। फिर भी टायर कोर्ड फैब्रिक टेक्सटाइल प्रभाव में प्रमुख अंशदाता (लगभग 90 प्रतिशत राजस्व) है।
- xxiii. असिद्ध आरोप के संबंध में कि भारत में बेल्टिंग फैब्रिक व्यापार अच्छा चल रहा है और यह कि दक्षिण अफ्रीकी व्यापार अच्छा नहीं हो रहा है, याचिकाकर्ता ने इन असिद्ध आरोपों को पुरजोर ढंग से नकारा है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि कुछ अन्य देशों में व्यापार का निष्पादन वर्तमान जांच के लिए संगत नहीं है।
- xxiv. बदलती हुई अंतिम बाजार आवश्यकता को पूरा करने के लिए किसी व्यापार में पुनः डिजाइनिंग करना एक नियमित अभ्यास है। यह किसी भी तरह अधिक या कम कीमत से जुड़ा हुआ नहीं है। इस पुनः डिजाइनिंग के बावजूद घरेलू उद्योग को लाभ में गिरावट आई।
- xxv. टीटीबी के लिए लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि केवल बेल्टिंग फैब्रिक से संबंधित सूचना ही यहां संगत है।
- xxvi. वाणिज्य मंत्रालय की सरकारी वेबसाइट के आंकड़ों की तुलना के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि उसने डीजीसीआईएंडएस टी/टी सूचीकरण आंकड़ों पर विश्वास किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तरदाता डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रकाशित सकल आंकड़ों पर विश्वास कर रहे हैं।
- xxvii. 22 प्रतिशत आरओसीई के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि प्राधिकारी अपनी सतत परिपाटी के अनुसार आरओसीई प्रदान करें, फिर भी घरेलू उद्योग ने अधिक आरओसीई की मांग की है। निर्दिष्ट प्राधिकारी की सभी स्थितियों में 22 प्रतिशत आय की अनुमति देने की परिपाटी है और इसीलिए समानता का सिद्धांत यह मांग करता है कि वह सभी स्थितियों पर लागू किया जाए।
- xxviii. क्षति के स्वतः प्रभावित होने के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि उत्तरदाता ने बिना किसी साक्ष्य अथवा समर्थन अथवा "स्वतः प्रभावित" शब्द को स्पष्ट करते हुए खाली विवरण दिया है। अतः याचिकाकर्ता टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं।

xxix. भारतीय कीमतों की प्रतिस्पर्धात्मकता के संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि लगभग *** प्रतिशत कच्ची सामग्री का निर्यात किया जाता है और शेष घरेलू तौर पर खरीदी जाती है। घरेलू उद्योग को कैप्टिव यार्न के बावजूद क्षति हुई है। उत्तरदाता स्वयं इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं कि चीनी उत्पादकों को लागत संबंधी लाभ हैं जिसके परिणामस्वरूप कीमत कम रहती है और इस प्रकार यह भारत में सामानों का पाटन करने में सक्षम हैं।

41. घरेलू उद्योग ने कारणात्मक संपर्क के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किये:

- i. संबद्ध देश को छोड़कर अन्य देशों से आयात या तो मात्रा में काफी नहीं हैं अथवा पाटित कीमतों पर नहीं हैं और इसीलिए उनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है।
- ii. जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग काफी है तथा इसीलिए घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।
- iii. अन्य ज्ञात कारक, यथा – निर्यात निष्पादन, प्रौद्योगिकी, कंपनी के अन्य उत्पादों का निष्पादन, पाटनरोधी करार अथवा नियमावली में सूचीबद्ध व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।
- iv. आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है। परिणामस्वरूप, आयातों की मात्रा काफी बड़ी है; जिससे घरेलू उद्योग कीमतें घटाने के लिए मजबूर हो गया, इस प्रकार घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन का ह्रास हुआ।
- v. घरेलू उद्योग के लिए इसके उत्पाद की कीमत बनाने के लिए निर्णायक कारक के इनपुट की लागत और विदेशी उत्पादकों द्वारा पेश की गई कीमत हैं। इस प्रकार, यदि विदेशी उत्पादकों द्वारा पेश की गई कीमतें घरेलू उद्योग द्वारा अपने कीमत परिवर्तनों के आधार पर निकाली गई कीमत की तुलना में बहुत कम है तो घरेलू उद्योग के पास केवल एक विकल्प इष्टतम से कम कीमत पेश करना है।
- vi. संबद्ध आयातों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा प्रतिकूल रही है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- vii. उत्तरदाता उन अन्य कारकों की मौजूदगी दर्शाने में विफल रहे हैं जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है अथवा हो रही है।
- viii. कनवेयर बेल्टों की सुपुर्दगी/आवश्यकता की किस्में, जो मध्यम से दीर्घावधि तक हैं (सामान्य बेल्ट ऑर्डर 18-20 प्रतिशत है), रख-रखाव के लिए तत्काल आवश्यकता (15-18 प्रतिशत) और जेनरिक अथवा निर्धारित बेल्ट प्रतिस्थापन (62-65 प्रतिशत) कीमत निर्धारित करती हैं। चीनी उत्पादक भारत में घरेलू प्रयोक्ताओं को उनके पास जाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु बाधाओं को कम करने के लिए आक्रामक रूप से कीमत निर्धारण कर रहे हैं। एसआरएफ के पास जांच की अवधि में 16 प्रतिशत की आदर्श क्षमता है। चीन से आयात पूरी क्षति की अवधि में बढ़े हैं। संबद्ध आयात 2279 मी. टन हैं जो अन्य देशों से आयात से अधिक हैं। अन्य देशों से प्रति यूनिट सीआईएफ कीमतें चीन से कीमतों से कहीं अधिक हैं।

च.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

42. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- i. याचिकाकर्ता ने वास्तविक तथ्य छिपाए हैं और संबद्ध उत्पाद का आयात अतिशय रूप से बढ़ाया है तथा जानबूझकर वास्तविक क्षति बनाई है। दावे क्षति दर्शाने के लिए मनगढ़ंत, हेराफेरी और झूठे हैं।
- ii. संबद्ध आयात आधार वर्ष में 1878 मी. टन से बढ़कर जांच की अवधि में 2490 मी. टन हुए हैं जो अन्य देशों से आयातों में वृद्धि की तुलना में जांच की अवधि में भारतीय मांग में 19 प्रतिशत हिस्सा है जो 229 प्रतिशत तक गया है।
- iii. भारतीय मांग 16 प्रतिशत तक बढ़ी है जबकि कुल मांग की तुलना में संबद्ध आयात आधार वर्ष के दौरान 16 प्रतिशत से बढ़कर जांच की अवधि में 19 प्रतिशत तक हुए हैं।
- iv. क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग जांच की अवधि के दौरान उच्चतम स्तर पर रहे हैं। क्षमता उपयोग 100 प्रतिशत था।
- v. घरेलू बाजार में बिक्री मात्रा आधार वर्ष से जांच की अवधि में बढ़ी है। यद्यपि, घरेलू और निर्यात बाजार दोनों में लागत में 12 प्रतिशत तक गिरावट आई है, तथापि, तदनुसार उनकी बिक्री कीमतों में भी गिरावट आई है। वस्तुतः निर्यात बिक्री कीमत में गिरावट घरेलू बिक्री कीमत में गिरावट से कहीं अधिक है।

- vi. लागत 12 प्रतिशत तक कम हुई है जबकि बिक्री कीमत 13 प्रतिशत तक कम हुई है। तथापि, लाभ 49 प्रतिशत तक कम होने का दावा किया गया है और जो कि बिक्री लागत और बिक्री कीमत में गिरावट की तुलना करने पर काफी अधिक है। याचिकाकर्ता ने संगठन के भीतर व्यय के कुछ अन्य शीर्षों के तहत लाभ दर्शाया है।
- vii. मजदूरी बढ़ी है।
- viii. एसआरएफ की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, जो तीन प्रभागों – टेक्निकल टेक्साइल, केमिकल और पैकिंग फिल्म के लिए समेकित की जाती है, यह दर्शाती है कि टेक्सटाइल व्यापार जिसमें बेल्टिंग फैब्रिक शामिल है, परिसंपत्ति कारोबार अनुपात, कारोबार अनुपात में लगाई गई पूंजी, बिक्री प्रतिशत पर एबिटा और न्यूनतम लगाई गई पूंजी प्राप्त करने के बाद हमेशा का प्रतिशत लगाई गई पूंजी पर एबिटा जैसे मानदंडों पर समग्र व्यापार की अपेक्षा बेहतर रहा है। बेल्टिंग फैब्रिक टीटीबी खंड का एक अभिन्न भाग है और इस प्रभाग के निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि उत्पाद बेल्टिंग फैब्रिक अच्छा नहीं चल रहा होता तो उसने इस प्रभाग के निष्पादन में दर्शाया होता। टीटीबी फंड में पूंजी प्रतिबद्धता उच्चतम नहीं है, परंतु आरओसीई अन्य में है।
- ix. लेखा परीक्षा स्पष्ट रूप से यह रिपोर्ट देती है कि भारत में बेल्टिंग फैब्रिक व्यापार अच्छा चल रहा है और दक्षिण अफ्रीका में आक्रामक चीनी प्रतिस्पर्द्धा के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित है।
- x. घरेलू उद्योग समग्र निष्पादन सुदृढ़ है जिसमें उनकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट तथा वार्षिक रिपोर्ट से कोई क्षति नहीं दर्शाई जा रही है।
- xi. एसआरएफ लि. ने लागत कम करने के लिए फैब्रिक की पुनः डिजाइन करने पर जोर दिया जिसका अर्थ है उनके फैब्रिक के वर्तमान डिजाइन की लागत अधिक है।
- xii. एसआरएफ को याचिका में दावा किए गए अनुसार बेल्टिंग फैब्रिक को क्षति सुनिश्चित करने के लिए टीटीबी हेतु लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रदान करना अपेक्षित है।
- xiii. याचिका में आयात मात्रा एवं कीमत वाणिज्य मंत्रालय की सरकारी वेबसाइट से मेल नहीं खाती।
- xiv. याचिकाकर्ता ने सकल अचल परिसंपत्तियों पर 26 प्रतिशत आय का दावा किया है और परिकलन 22 प्रतिशत के लिए किए गए हैं। यह दावा बढ़ा हुआ है और कानून के अनुसार नहीं है।
- xv. निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर एनआईपी निर्धारित करते हैं। यह निर्धारण अत्यधिक बढ़ा हुआ है और नियमावली के अनुबंध-III के पैरा 4 के अनुसार वास्तविक स्थिति पर आधारित नहीं है।
- xvi. एनआईपी निकालने के लिए 22 प्रतिशत आरओसीई देना उपयुक्त नहीं है। एक परिपाटी को लेना उपयुक्तता के लिए आधार नहीं हो सकता। औषधि (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1987 (डीपीसीओ, 1987) में भारत सरकार द्वारा बनाए गए 22 प्रतिशत आरओसीई का आधार 30 वर्ष बाद उस समय उपयुक्त नहीं माना जा सकता जब ब्याज दर एवं निगम कर जैसे मानदंड भिन्न थे। निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए कि वे उद्योग द्वारा अर्जित आरओसीई को अपनाएं जब उपयुक्त लाभ मार्जिन के रूप में पाटन का कोई आरोप नहीं था बल्कि 22 प्रतिशत आरओसीई नहीं था। 22 प्रतिशत आरओसीई प्रदान करना सही नहीं है क्योंकि (i) लगाई गई पूंजी का ऋण भाग, जिस पर लगभग 10-12 प्रतिशत ब्याज दर लगती है, 22 प्रतिशत दिया जाता है, (ii) इसके परिणामस्वरूप लगाई गई पूंजी के निवल मूल्य भाग पर 22 प्रतिशत आय से अधिक प्रदान किया जाता है, (iii) घरेलू उद्योग को इतनी अधिक आय की अनुमति देना वैश्विक मंदी के युग के दौरान पूर्णतः गलत है और कभी सुना भी नहीं है।
- xvii. लगाई गई पूंजी के दोनों घटकों पर समान रूप से 22 प्रतिशत लेकर आय का परिकलन सही नहीं है। नीचे दिए गए नमूना परिकलन के अनुसार 22 प्रतिशत आरओसीई अनुचित लाभ देता है और घरेलू उद्योग को इक्विटी पर 41 प्रतिशत लाभ मार्जिन का संरक्षण अनुचित है।

ऋण इक्विटी अनुपात	2:1	1:1	1:2
नियोजित पूंजी	100	100	100
निवल मूल्य (इक्विटी + आरक्षित)	66	50	34
ऋण	34	50	66
आरओसीई @ 22% (डीजीएडी परिपाटी के अनुसार)	22.00	22.00	22.00

भुगतान किया गया वास्तविक ब्याज (12%)	4.08	6	7.92
मानी गई वास्तविक आय	17.92	16.00	14.08
माने गए निवल मूल्य पर प्रभावी लाभ (%)	27.15	32.00	41.41

- xxviii. ब्रिज स्टोन टायर बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में निर्णय के अनुसार 22 प्रतिशत आरओसीई क्षति निर्धारण में परिलक्षित है और कम कीमत पर बिक्री तथा क्षति मार्जिन को बढ़ाता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को उस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित वास्तविक लाभ को लेना चाहिए जब उपयुक्त आय के परिकलन के लिए आधार के रूप में पाटन का आरोप नहीं था। यूरोपीय संघ भी इसी परिपाटी को अपनाता है।
- xix. घरेलू उद्योग का समग्र निष्पादन सकारात्मक है। संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई मात्रात्मक तथा कीमत संबंधी क्षति नहीं है।
- xx. घरेलू उद्योग को क्षति स्व-प्रभावित है। अतः जांच आगे समाप्त की जानी चाहिए।
- xxi. भारतीय कीमतें प्रतिस्पर्द्धी नहीं हैं क्योंकि मुख्य कच्ची सामग्री (औद्योगिक यार्न) का विदेशों से आयात किया जाता है जिससे लागत में काफी वृद्धि होती है जबकि उसका खुद उत्पादन किया जाता है अथवा चीनी उत्पादकों द्वारा घरेलू उत्पादकों पर खरीद की जाती है जिससे लागत कम आती है। भारतीय घरेलू उद्योग को इस प्रकार का लागत संबंधी लाभ नहीं है।
- xxii. घरेलू उद्योग को हुई तथाकथित कोई क्षति संबद्ध देशों से आयातों को छोड़कर अन्य कारकों के कारण है।
- xxiii. कीमत निर्धारण के संबंध में निम्नलिखित स्थिति है:
 एन 66 > एन 6 > पीआईवाई
 इस प्रकार, पीपी > एनएन > ईपी > ईई
 आयातों में ईई का हिस्सा 61.34 प्रतिशत है और चीनी ईई के लिए बेल्टिंग फैब्रिक का एसआरएफ द्वारा विनिर्मित ईई बेल्टिंग फैब्रिक से सस्ता होने का मुख्य कारण प्रौद्योगिकी में अंतर और एसआरएफ द्वारा एडेसिव सक्रिय किए गए पॉलीस्टर यार्न का प्रयोग है जिसके परिणामस्वरूप अधिक लागत आती है। एसआरएफ की यार्न से फैब्रिक में परिवर्तन लागत पुरानी प्रौद्योगिकी और मशीनरी के कारण 1.2 अमेरिकी डॉलर से 1.4 अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा. है जबकि चीनी उत्पादकों की वह परिवर्तन लागत अत्याधुनिक नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी के कारण 0.60 अमेरिकी डॉलर से 0.70 अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा. तक है। इस प्रकार चीन द्वारा उत्पादित कनवेयर बेल्ट फैब्रिक एसआरएफ द्वारा बनाए गए फैब्रिक से सस्ती है।
- xxiv. यदि यूएसई 0.70/कि. ग्रा. की परिवर्तन लागत 2015-16 और 2016-17 के दौरान अर्थात् 1.34 अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा. के दौरान के पीआईवाई की कीमत में जोड़ी जाती है तो परिणामी फैब्रिक संगत अवधि में 2.10 अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा. से 2.2 अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा. से अधिक लागत की नहीं होनी चाहिए। तथापि, उसी अवधि के दौरान आयात लगभग क्रमशः 2.54 अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा. तथा 2.17 अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा. हैं। इस प्रकार, कम कीमत पर कोई बिक्री नहीं है, जैसा कि एसआरएफ द्वारा दावा किया जा रहा है।
- xxv. वर्ष 2016-17 में दर्शाए गए आयात की मात्रा में "ऑफ स्पेक फैब्रिक" की मात्रा भी हो सकती है जिसके लिए कोई आंकड़े नहीं दिए गए हैं। यह स्पष्ट रूप से सत्यापित किया जाना चाहिए कि केवल प्रमुख फैब्रिक की मात्रा और कीमत पर ही आवेदन के औचित्य का निर्णय लेते समय विचार किया जाना चाहिए।
- xxvi. एसआरएफ ने अपने साउथ अफ्रीकन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बंद कर दी है और मशीनें 300-400 मी. टन प्रति माह तक उनकी उत्पादन क्षमताएं बढ़ाने के लिए अर्थात् कनवेयर फैब्रिक बेल्ट के लिए भारत में भेजी जा रही हैं जिसके परिणामस्वरूप उनकी मासिक क्षमता में 40-50 प्रतिशत तक की पर्याप्त वृद्धि होगी। यह कार्य शीघ्र ही पूरा किए जाने की आशा है और अगले 6-9 माह में नियमित उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। यदि किसी यूनिट को पहले से ही क्षति हो रही है तो वह अपनी क्षमता क्यों बढ़ाएगी? एसआरएफ का एकाधिकार है और यदि वे सफल होते हैं तो अतिरिक्त क्षमता का उपयोग बिना किसी चुनौती के किया जाएगा।
- xxvii. मैसर्स एआरबी कनवेयर ने अनुरोध किया है कि भारत में संबद्ध सामानों के 6-7 विनिर्माता हैं अर्थात् मधुरा, सनहेरा, एनआरसी, दीपक, ब्रिज टेक्सटाइल, जॉनसन। एसआरएफ 38 से 40 कनवेयर विनिर्माताओं की पूर्ति नहीं कर सकता। दूसरों की ओर से भी कुछ सीमाएं हैं अर्थात् मधुरा और एनआरसी फैब्रिक का उपयोग कैप्टिव रूप से करते हैं, सनहेरा और दीपक की कम क्षमता है, ब्रिज टेक्सटाइल्स सनशाइन कनवेयर्स के लिए विनिर्माण

करता है। चीनी आयात कीमत, क्रेता की ऋण उपलब्धता के कारण प्रतिस्पर्द्धी हैं और सुपुर्दगी में समय भी कम लगता है। एसआरएफ ने विगत में भारी लाभ कमाए हैं और चीन से आयातों के कारण ही कीमतें कम की हैं, परंतु वे आयात कीमतों से अभी भी अधिक हैं।

च. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

43. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार क्षति के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-II(iv) के अनुसार क्षति की जांच निम्नलिखित रूप में की है:

च. 3.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

क) मांग और बाजार हिस्सा

44. भारत में उत्पाद की मांग अथवा खपत की गणना सभी भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों को मिलाकर की गई है।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
भारत में मांग/खपत					
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
संबद्ध देश से आयात – चीन जन. गण.	मी. टन	1,878	2,168	2,428	2,490
अन्य देशों से आयात	मी. टन	92	179	127	211
भारत में कुल मांग	मी. टन	12,194	13,443	12,758	14,265
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	***	***	***	***
भारतीय उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
संबद्ध देश से आयात – चीन जन. गण.	%	15.40	16.13	19.03	17.45
अन्य देशों से आयात	%	0.75	1.33	1.00	1.48
भारत में कुल मांग	%	100.00	100.00	100.00	100.00

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग पूरी क्षति की अवधि में बढ़ी है। घरेलू मांग और खपत में संबद्ध देश से आयात का हिस्सा भी बढ़ा है। अन्य देशों से आयातों का बाजार हिस्सा उसी स्तर पर रहा है और पूरी क्षति की अवधि में 2 प्रतिशत से कम है। मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा कुल मिलाकर स्थिर रहा है।

ख) आयात मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

46. इस मानदंड के संबंध में प्राधिकारी को इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में पूर्ण दृष्टि से अथवा भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में काफी वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों की मात्रा का निम्नलिखित रूप में विश्लेषण किया गया है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
आयात मात्रा					
चीन जन. गण.	मी. टन	1,878	2,168	2,428	2,490
अन्य देश	मी. टन	92	179	127	211

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
कुल आयात	मी. टन	1,970	2,347	2,555	2,701
आयातों में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश	%	95.33	92.37	95.03	92.18
अन्य	%	4.67	7.63	4.97	7.82
कुल आयात	%	100.00	100.00	100.00	100.00
की तुलना में संबद्ध देश से आयात -					
भारतीय उत्पादन	%	18.34	19.51	23.76	21.42

47. संबद्ध देश से आयात मात्रा में पूर्ण दृष्टि से पूरी क्षति अवधि में वृद्धि हुई है। अन्य देशों से आयातों में भी उसी अवधि में वृद्धि हुई है। संबद्ध देश के आयात भारत में कुल संबद्ध आयातों का 92.18 प्रतिशत हैं।
48. यह भी नोट किया जाता है कि भारतीय उत्पादन के अनुपात के रूप में संबद्ध देश से आयातों की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट को छोड़कर क्षति की अवधि में बढ़ी है।

च. 3.2 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

49. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में यह विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में तथाकथित पाटित आयातों द्वारा काफी कीमत कटौती हुई है, अथवा ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों का ह्रास करने अथवा कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए अन्यथा है जो सामान्य अवधि में अन्यथा हुई होती। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण और कीमत ह्रास, यदि कोई है, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से आयातों की पहुँच लागत से की गई है।

क) पाटित आयातों का कीमत न्यूनीकरण और ह्रासमान प्रभाव

50. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण अथवा ह्रास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव काफी मात्रा में कीमतों का ह्रास करने अथवा कीमत वृद्धि रोकने के लिए है जो कि काफी मात्रा में अन्यथा हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में लागत एवं कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। यह स्थिति निम्नलिखित तालिका के अनुसार दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन, सूचीबद्ध	100	98	97	87
बिक्री की कीमत	रु./मी. टन, सूचीबद्ध	100	102	95	87
पहुँच कीमत	रु./मी. टन	211,868	215,805	192,533	169,469
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	91	80

51. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत, दोनों में क्षति की अवधि में गिरावट आई है। तथापि, बिक्री कीमत में गिरावट लागत में गिरावट से अधिक है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देश से आयातों के पहुँच मूल्य में भी क्षति की अवधि में गिरावट आई है और यह गिरावट घरेलू उद्योग की लागत एवं बिक्री कीमत में गिरावट से अधिक है। संबद्ध देशों से निर्यातक संबद्ध सामानों की बिक्री पूरी क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की लागत एवं बिक्री कीमत से कम कीमत पर कर रहे हैं। आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास हो रहा था।

ख) कीमत कटौती

52. कीमत कटौती का निर्धारण संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच कीमत की तुलना भारत में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से करके किया गया है जो सकारात्मक और काफी है।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
समग्र					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	211,868	215,805	192,533	169,469
निवल बिक्री वसूली	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	15-25	15-25	20-30	25-35
ईई ग्रेड/प्रकार					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	207,015	203,190	186,455	164,580
निवल बिक्री वसूली	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	1-10	1-10	1-10	10-20
ईई ग्रेड/प्रकार					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	237,495	225,531	205,599	180,024
निवल बिक्री वसूली	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	1-10	5-15	10-20	15-25
एनएन ग्रेड/प्रकार					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	233,718	243,771	207,005	188,048
निवल बिक्री वसूली	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	20-30	15-25	25-35	20-30
अन्य ग्रेड/प्रकार					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	202,965	237,358	235,119	148,350
निवल बिक्री वसूली	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु. प्रति मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	20-30	5-15	0-10	65-75

जांच की अवधि के लिए माह-वार कीमत कटौती

क) समग्र

माह	आयात मात्रा (मी. टन)	पहुँच (रु./मी. टन)	निवल बिक्री वसूली (रु./मी. टन)	कीमत कटौती (रु./मी. टन)	कीमत कटौती %
अप्रैल/16	178.92	162,239	***	***	***
मई/16	143.33	173,719	***	***	***
जून/16	234.90	172,416	***	***	***
जुलाई/16	264.54	179,848	***	***	***
अगस्त/16	364.50	175,268	***	***	***
सितंबर/16	227.96	175,651	***	***	***
अक्तूबर/16	158.29	174,000	***	***	***

माह	आयात मात्रा (मी. टन)	पहुंच (रु./मी. टन)	निवल बिक्री वसूली (रु./मी. टन)	कीमत कटौती (रु./मी. टन)	कीमत कटौती %
नवंबर/16	127.69	169,484	***	***	***
दिसंबर/16	187.95	166,887	***	***	***
जनवरी/17	174.82	172,926	***	***	***
फरवरी/17	235.25	155,059	***	***	***
मार्च/17	191.38	150,000	***	***	***
सकल जोड़	2,489.53	169,469	***	***	25-35

ख) ईई किस्म/ग्रेड

माह	आयात मात्रा (मी. टन)	पहुंच (रु./मी. टन)	निवल बिक्री वसूली (रु./मी. टन)	कीमत कटौती (रु./मी. टन)	कीमत कटौती %
अप्रैल/16	87.63	160,419	***	***	***
मई/16	90.65	166,051	***	***	***
जून/16	111.56	163,134	***	***	***
जुलाई/16	134.50	166,275	***	***	***
अगस्त/16	210.51	166,525	***	***	***
सितंबर/16	145.03	167,460	***	***	***
अक्तूबर/16	53.05	160,715	***	***	***
नवंबर/16	103.12	164,408	***	***	***
दिसंबर/16	144.55	159,779	***	***	***
जनवरी/17	149.84	171,088	***	***	***
फरवरी/17	181.06	162,227	***	***	***
मार्च/17	149.03	162,601	***	***	***
सकल जोड़	1,560.53	164,580	***	***	10-20

ग) ईपी किस्म/ग्रेड

माह	आयात मात्रा (मी. टन)	पहुंच (रु./मी. टन)	निवल बिक्री वसूली (रु./मी. टन)	कीमत कटौती (रु./मी. टन)	कीमत कटौती %
अप्रैल/16	40.41	161,074	***	***	***
मई/16	-	-	-	-	-
जून/16	-	-	-	-	-
जुलाई/16	15.73	197,395	***	***	***
अगस्त/16	36.34	169,493	***	***	***
सितंबर/16	39.13	186,514	***	***	***
अक्तूबर/16	32.08	181,000	***	***	***
नवंबर/16	-	-	-	-	-

माह	आयात मात्रा (मी. टन)	पहुंच (रु./मी. टन)	निवल बिक्री वसूली (रु./मी. टन)	कीमत कटौती (रु./मी. टन)	कीमत कटौती %
दिसंबर/16	17.44	201,016	***	***	***
जनवरी/17	-	-	-	-	-
फरवरी/17	10.00	202,412	***	***	***
मार्च/17	-	-	-	-	-
सकल जोड़	191.13	180,024	***	***	15-25

घ.) एनएन किस्म/ग्रेड

माह	आयात मात्रा (मी. टन)	पहुंच (रु./मी. टन)	निवल बिक्री वसूली (रु./मी. टन)	कीमत कटौती (रु./मी. टन)	कीमत कटौती %
अप्रैल/16	50.88	166,301	***	***	***
मई/16	52.68	186,914	***	***	***
जून/16	99.76	191,529	***	***	***
जुलाई/16	114.31	193,403	***	***	***
अगस्त/16	73.96	194,850	***	***	***
सितंबर/16	25.80	181,143	***	***	***
अक्तूबर/16	51.96	185,405	***	***	***
नवंबर/16	13.60	205,584	***	***	***
दिसंबर/16	25.96	183,548	***	***	***
जनवरी/17	24.98	183,951	***	***	***
फरवरी/17	-	-	-	-	-
मार्च/17	-	-	-	-	-
सकल जोड़	533.88	188,048	***	***	20-30

ङ) अन्य किस्म/ग्रेड

माह	आयात मात्रा (मी. टन)	पहुंच (रु./मी. टन)	निवल बिक्री वसूली (रु./मी. टन)	कीमत कटौती (रु./मी. टन)	कीमत कटौती %
अप्रैल/16	-	-	-	-	-
मई/16	-	-	-	-	-
जून/16	23.59	135,473	***	***	***
जुलाई/16	-	-	-	-	-
अगस्त/16	43.68	189,051	***	***	***
सितंबर/16	18.00	210,163	***	***	***
अक्तूबर/16	21.20	168,704	***	***	***
नवंबर/16	10.97	172,452	***	***	***
दिसंबर/16	-	-	-	-	-
जनवरी/17	-	-	-	-	-

माह	आयात मात्रा (मी. टन)	पहुँच (रु./मी. टन)	निवल बिक्री वसूली (रु./मी. टन)	कीमत कटौती (रु./मी. टन)	कीमत कटौती %
फरवरी/17	44.20	114,980	***	***	***
मार्च/17	42.35	105,661	***	***	***
सकल जोड़	203.99	148,350	***	***	65-75

ग) कम कीमत पर बिक्री (जांच की अवधि के दौरान)

53. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई कम कीमत पर बिक्री की जांच भी की है।

विवरण	यूनिट	कुल	ईई	ईपी	एनएन
आयात मात्रा	मी. टन	2,490	1,561	191	534
क्षति रहित कीमत	अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन	***	***	***	***
क्षति रहित कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
पहुँच कीमत	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	2,494	2,422	2,649	2,767
पहुँच कीमत	रु./मी. टन	169,469	164,580	180,024	188,048
कम कीमत पर बिक्री	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी. टन	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	40-55	35-55	35-55	35-55

च. 3.3. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मानदंडों की जांच

54. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में उन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में यह भी उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

55. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मानदंडों का यहां नीचे विश्लेषण किया गया है।

क) मात्रात्मक मानदंड

56. मात्रा (मात्रात्मक) मानदंड यथा उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्सा स्थिर और प्रगामी रहे हैं। उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्री, मांग एवं मालसूची में बाजार हिस्सा के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नलिखित है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
क्षमता	मी. टन, सूचीबद्ध	100	100	100	108
उत्पादन	मी. टन, सूचीबद्ध	100	106	100	115
क्षमता उपयोग	%, सूचीबद्ध	100	106	100	107

घरेलू बिक्री	मी. टन, सूचीबद्ध	100	107	104	115
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों का हिस्सा	%	***	***	***	***
भारतीय उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन, सूचीबद्ध	100	27	62	127

57. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- (i) घरेलू उद्योग ने क्षति की अवधि में अपनी क्षमता बढ़ाई है।
- (ii) उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्री की मात्रा भी क्षति की अवधि में बढ़े हैं।
- (iii) घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में क्षति की अवधि में आंशिक गिरावट आई है।
- (iv) औसत मालसूची स्तर में क्षति की अवधि में आंशिक वृद्धि दर्शाई है।

ख) वित्तीय निष्पादन

58. घरेलू लाभप्रदता, पीवीआईटी, निवेश पर आय और नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नलिखित है:

	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
समग्र					
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	100	98	97	87
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	100	102	95	87
लाभ/(हानि)	रु./मी. टन	100	180	56	70
लाभ/(हानि)	रु./लाख	100	193	58	80
व्याज और कर पूर्व लाभ	रु./लाख	100	181	71	82
नकद लाभ	रु./लाख	100	177	65	87
नियोजित पूंजी पर आय - एनएफए	%	100	156	45	70

जांच की अवधि के लिए ग्रेड-वार लाभप्रदता

विवरण	यूनिट	ईई	ईपी	एनएन	अन्य
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
लाभ/(हानि)	रु./मी. टन	***	***	***	***

59. आधार वर्ष से बाद के वर्ष में वृद्धि के बाद उपर्युक्त मानदंडों के आधार पर घरेलू उद्योग के आर्थिक निष्पादन ने जांच की अवधि में स्थिति सहित घटती प्रवृत्ति दर्शाई है। लाभ में क्षति की अवधि में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को हुई निवेश पर कम आय हो रही है।

ग) अन्य आर्थिक मानदंड

60. पिछले वर्ष की तुलना में रोजगार, मजदूरी, उत्पादकता और वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नलिखित है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
वेतन एवं मजदूरी	रु. लाख	100	116	125	134
रोजगार	सं.	100	98	96	95
प्रति दिन उत्पादकता	मी. टन/दिन	100	106	100	115
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन/सं.	100	108	104	121
पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि					
उत्पादन	%	-	5.94	(5.39)	14.86
घरेलू बिक्री की मात्रा	%	-	7.29	(2.62)	10.14
नियोजित पूंजी पर लाभ	%	-	***	***	***
घरेलू बिक्री कीमत	%	-	1.75	(6.42)	(9.05)
घरेलू बिक्री की लागत	%	-	(1.91)	(1.05)	(9.97)
औसत स्टॉक	%	-	(72.64)	128.05	103.53

61. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि:

- घरेलू उद्योग द्वारा दी गई मजदूरी में वृद्धि हुई है।
- रोजगार स्तर में क्षति की अवधि में आंशिक गिरावट आई है।
- प्रति दिन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता क्षति की अवधि में बढ़ी है।
- घरेलू उद्योग ने 2015-16 में नकारात्मक वृद्धि की प्रवृत्ति के बाद उत्पादन, बिक्री, लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर आय के संबंध में जांच की अवधि में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

घ) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

62. पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किया है।

ङ) पाटन और पाटन मार्जिन (डीएम) का स्तर

63. प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए विशिष्ट पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है। शेष श्रेणी के लिए उच्चतम पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का संदर्भ दिया गया है।

च) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

64. प्राधिकारी ने इनपुट की लागतों सहित संबद्ध देश और गैर-संबद्ध देश से आयात के कारण घरेलू कीमतों के स्तरों का मूल्यांकन किया है।

छ) क्षति और क्षति मार्जिन की मात्रा

65. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामानों की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से आयातों के पहुँच मूल्य के साथ की गई है जो निम्नलिखित है:

क्रम सं.	उत्पादक	निर्यातक	पहुँच कीमत अमेरिकी डॉलर/मी. टन में	एनआईपी अमेरिकी डॉलर/मी. टन में	आईएम अमेरिकी डॉलर/मी. टन में	आईएम %	आईएम % रेंज
1	शानडोंग हेलोन पॉलीटिक्स केमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.	शानडोंग हेलोन पॉलीटिक्स केमिकल फाइबर कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	30 - 40

2	बुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.	बुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	30 – 40
3	जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.	जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	50 – 60
4	ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि., ओटीजेडआई, चीन जन. गण.	ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि., ओटीजेडआई, चीन जन. गण. ऑरियंटल टेक्सटाइल (होलिंग) लिमिटेड ("ओटीटीआई"), चीन जन. गण.	***	***	***	***	20 – 30
5	झेजियांग हाई-टेक इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.	झेजियांग हाई-टेक इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण.	***	***	***	***	10 – 20
6	क्रम सं. 1-5 पर उत्पादकों के अलावा	क्रम सं. 1-5 पर उत्पादकों के अलावा	-	-	***	***	50 – 60

च.3.4. अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संपर्क

66. विभिन्न क्षति मानदंडों और कारणात्मक संपर्क संबंधी पहलुओं के संबंध में प्राधिकारी निम्नलिखित नोट करते हैं:

- (i) जांच की अवधि में उत्पादन आधार वर्ष की तुलना में बढ़ा है, यद्यपि 2015-16 में वह 2014-15 की तुलना में कम हुआ है।
- (ii) घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध सामानों की घरेलू बिक्री आधार वर्ष अर्थात् क्षति की अवधि के 2013-14 में और पूर्व वर्ष में भी जांच की अवधि में बढ़ी है, यद्यपि, वह आधार वर्ष की तुलना में 2014-15 में थोड़ी-सी कम हुई।
- (iii) संबद्ध सामानों की मांग क्षति की अवधि के आधार वर्ष से बढ़ी है।
- (iv) चीन से आयात क्षति की अवधि में और उसके बाद जांच की अवधि में निरंतर बढ़े।
- (v) इस संबंध में प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मांग-आपूर्ति में अंतराल है जिसे पूरी न की गई मांग को आयातों से पूरा करना होता है।
- (vi) पूरी क्षति की अवधि में कीमत कटौती सकारात्मक रही है और जांच की अवधि के दौरान काफी बढ़ी है। एनआईपी के संबंध में परिकलित कम कीमत पर बिक्री जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक है।
- (vii) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत क्षति की अवधि में और जांच की अवधि में पहुँच मूल्य से निरंतर ऊपर रही है।
- (viii) प्राधिकारी एसआरएफ के चीन से आयातों के उत्तर में अपनी कीमत कम करने के संबंध में तथा एसआरएफ के विभिन्न बाजार खंडों, जो उसकी बिक्री कीमत को निर्धारित करते हैं, के संबंध में अनुरोधों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को नोट करते हैं। प्राधिकारी इस संबंध में नोट करते हैं कि पहुँच मूल्य कम होने के बावजूद घरेलू उद्योग बिक्री कीमत पहुँच मूल्य से निरंतर अधिक पर वसूल करने में सक्षम है, यद्यपि, गहन कीमत कटौती से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता प्रभावित हुई है। क्षति की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी अपने निष्कर्षों में इस पहलू को कारक बनाने का प्रस्ताव करते हैं।

67. घरेलू उद्योग की कीमत कटौती और कीमत ह्रास तथा न्यूनीकरण प्रभावों के संदर्भ में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत संबंधी प्रभावों की जांच करने पर पाटनरोधी नियमावली के तहत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मानदंडों की प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर कोई अन्य कारक घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकता है जो कि नीचे दिया गया है:

- क) **तृतीय देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें:** जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, यद्यपि अन्य देशों से आयात बढ़े हैं, परंतु वह संबद्ध आयातों की तुलना में नगण्य हैं, भारत में समग्र मांग के हिस्से के रूप में अन्य देशों से आयातों की मात्रा पूरी क्षति की अवधि में उसी स्तर पर रही है और 2 प्रतिशत से कम है। इसके अतिरिक्त, दूसरे देशों से आयातों की कीमतें चीनी कीमतों और औसत सीआईएफ कीमत की तुलना में अधिक हैं।

अन्य देशों का विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
भारतीय मांग में अन्य देशों का बाजार हिस्सा	%	0.75	1.33	1.00	1.48
अन्य देशों से आयात मात्रा	मी. टन	92	179	127	211
कुल आयात में अन्य देशों का बाजार हिस्सा	%	4.67	7.63	4.97	7.82
आयात कीमत - चीन जन. गण.	रु./मी. टन	190,181	193,716	172,825	152,122
आयात कीमत - अन्य देश	रु./मी. टन	473,233	388,982	364,694	281,694
औसत सीआईएफ आयात कीमत	रु./मी. टन	203,388	208,605	182,361	162,260

- ख) **मांग में परिवर्तन:** जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, संबंधित उत्पाद की मांग क्षति की अवधि में स्थिर और प्रगामी है, इस प्रकार मांग में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं हो सकती।
- ग) **प्रौद्योगिकी में विकास:** संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी में विकास को घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाला कारक नहीं माना जा सकता।
- घ) **प्रतिस्पर्धा की स्थितियां और व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां:** ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकी हो। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध सामान भारत में किसी व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी के अध्वधीन नहीं है। इसके अतिरिक्त, उस प्रतिस्पर्धा के अलावा, जो बाजार अर्थव्यवस्था में स्पष्ट है, विभिन्न घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से आपूर्तियों के बीच कोई परस्पर प्रतिस्पर्धा अथवा प्रतिस्पर्धा ऐसा प्रभाव नहीं दर्शाती जिससे घरेलू उद्योग को क्षति कारक माना जा सकता हो।
- ङ) **घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन:** प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का निष्पादन घरेलू और निर्यात बाजार के लिए अलग किया गया है। घरेलू बाजार से संबंधित सूचना वर्तमान प्रयोजन के लिए ही संगत है।
- च) **घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का निष्पादन:** प्राधिकारी द्वारा मानी गई सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में ही है।
- छ) **घरेलू उद्योग की उत्पादकता:** घरेलू उद्योग की उत्पादकता के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है। यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता की प्रति दिन एवं प्रति कर्मचारी उत्पादकता इस अवधि में बढ़ी है। इस प्रकार, उत्पादकता में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।

68. कारणात्मक संपर्क स्थापित करने वाले निम्नलिखित कारक जांच के लिए संगत हैं:

- क) संबंधित आयातों से पूरी क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है।
- ख) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट है।
- ग) नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ में ह्रास है।
- घ) बिक्री कीमतें पहुँच मूल्य से निरंतर अधिक रही हैं।

छ. विविध मुद्दे:

छ.1 घरेलू उद्योग के विचार

69. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

गोपनीयता

- i. याचिकाकर्ता ने केवल ऐसी सूचना को गोपनीय होने का दावा किया है जो न तो सार्वजनिक पटल पर है और न ही प्रकट करने के लिए कानून द्वारा अधिदेशित है, जिसकी गोपनीयता की नियमों के तहत अनुमति है और जो प्राधिकारी की सतत परिपाटी के अनुसार है। लागत संबंधी सूचना प्रकृति में अत्यधिक गोपनीय है।

- ii. "वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार" के रूप में याचिका के भाग 6 के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देने के संबंध में याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए संगत ब्यौरे गोपनीय आधार पर मानी गई विभिन्न चर्चा के अनुसरण में प्राधिकारी को दिए गए थे। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अब सत्यापन किया है और सभी संगत सूचना निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपलब्ध करा दी गई है।
- iii. उत्तरदाताओं ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और वह टिप्पणी करने के अधिकार को रोकता है। संबद्ध देशों से सभी निर्यातकों और उत्पादकों के अनुरोधों को उपेक्षित किया जाना चाहिए और उन्हें अलग-अलग व्यवहार देने से इंकार किया जाना चाहिए।

आयात आंकड़े

- iv. याचिकाकर्ता ने डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े प्राप्त किए हैं जो कि तीसरे पक्षकार की सूचना है जिसकी गोपनीयता संरक्षित है। फिर भी याचिकाकर्ता ने याचिका में टी/टी आंकड़ों का सारांश दिया है।
- v. व्यापार सूचना 7/2018 दिनांक 15 मार्च के मद्देनजर याचिकाकर्ता ने छांटे गए डीजीसीआईएंडएस एनसीवी के आंकड़े दायर किए हैं।

आयातकों/प्रयोक्ताओं से पत्राचार

- vi. याचिकाकर्ता ने ज्ञात आयातकों के नाम दिए हैं क्योंकि कानून में यह अपेक्षित नहीं है कि याचिकाकर्ता सभी आयातकों की पहचान करे। याचिका एनआरसी लि. और जॉनसन रबर इंडस्ट्रीज लि. को हितबद्ध पक्षकार के रूप में पहचाना गया है जो बेल्टिंग फैब्रिक और टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट दोनों का उत्पादन करते हैं। प्रयोक्ताओं की सूची के संबंध में याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि जांच की शुरुआत की अधिसूचना के द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी में जांच की शुरुआत की अधिसूचना, जो कि एक राजपत्र अधिसूचना है, द्वारा जांच से संबंधित अपने अनुरोध करने के लिए अलग से संबोधित उन पक्षकारों को छोड़कर हितबद्ध पक्षकारों को आमंत्रित किया था। कानून की जानकारी न होना कोई बहाना नहीं है। सुनवाई की सूचना केवल उन हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी जिन्होंने जांच की शुरुआत के स्तर पर भाग लिया था। यह पूर्णतः सिद्ध है कि ये पक्षकार जांच की शुरुआत से अवगत थे, परंतु उन्होंने स्वेच्छा से उसकी उपेक्षा की।
- vii. भारत में ज्ञात प्रयोक्ताओं/आयातकों से उनके प्रश्नावली के उत्तर दायर करने के लिए कहने और आवेदन के संबंध में टिप्पणियां देने के संबंध में याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि वह पहले ही किया जा चुका है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे उत्तरों की प्रतीक्षा नहीं कर सकते जहां पक्षकार जांच की शुरुआत की सूचना के संबंध में चिंतित न हों।

घरेलू उद्योग को अनुचित संरक्षण

- viii. कैप्टिव यार्न उत्पादन के संबंध में यह अनुरोध है कि बेल्टिंग फैब्रिक द्वारा खपाया गया यार्न लागत पर अंतरित किया जा रहा है और इसीलिए पूर्व स्तरों पर लाभ कमाने का कोई प्रश्न ही नहीं है।
- ix. साथ ही सीमा शुल्क की दर 10 प्रतिशत पर संगत है क्योंकि संबद्ध सामान भारत में पाटित किए जा रहे हैं।

एकाधिकारिक स्थितियां

- x. याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध सामानों का पूरा उत्पादक नहीं है। साथ ही, डीजीएडी एकाधिकारिक स्थिति के मुद्दे को उठाने के लिए सही मंच नहीं है।

मांग-आपूर्ति अंतराल

- xi. मांग-आपूर्ति का कोई अंतराल नहीं है। भारतीय उत्पादकों के पास कुल क्षमता भारत में मांग से अधिक है।

अन्य उत्पादों और उद्योगों से संबंधित मुद्दे

- xii. अन्य पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि उद्योग का हास हो रहा है और कार्बन ब्लैक, विभिन्न रबर मिश्रणों आदि जैसे अन्य विभिन्न उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क के कारण कई गंभीर मुद्दों का सामना कर रहा है, याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि अन्य उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क का यहां कोई संबंध नहीं है। वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना ही संगत है।
- xiii. उत्तरदाताओं ने यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि एमएसएमई क्षेत्र बंद हो जाएगा। घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए कानून के तहत राहत की मांग कर रहा है।

- xiv. कनवेयर बेल्ट के बाजार आकार को समझने के संबंध में याचिकाकर्ता अनुरोध करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना ही वर्तमान प्रयोजन के लिए संगत है, न कि निचले उत्पादों के लिए।
- xv. एसआरएफ द्वारा चीनी विनिर्माताओं का दबाव उनके दक्षिण अफ्रीका व्यापार को संरक्षित करने के लिए डालने के संबंध में याचिकाकर्ता अनुरोध करते हैं कि वह बिना किसी साक्ष्य के मात्र आरोप है और इसे सीधे ही रद्द किया जाना चाहिए।

अन्य पक्षकारों द्वारा देरी से किए गए अनुरोधों को रद्द करना

- xvi. सार्वजनिक सुनवाई के दौरान और उसके बाद अन्य पक्षकारों द्वारा उठाई गई आपत्तियों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वे जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में उल्लिखितानुसार जांच की शुरुआत की अधिसूचना के 40 दिन के भीतर कोई उत्तर दायर नहीं कर पाए।

सार्वजनिक हित

- xvii. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से आयात बंद नहीं होंगे। उपभोक्ता फिर भी आपूर्ति के बहुविध स्रोतों को बनाए रखेंगे। शुल्क लगाने से कम समय में भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं, परंतु उससे उचित प्रतिस्पर्द्धा बढ़ेगी।

अन्य

- xviii. उत्तरदाता याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में किसी विसंगति अथवा कानूनी अथवा वास्तविक आधार पर विशेष कमी के संबंध में उल्लेख करने में विफल रहे। प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर जांच की शुरुआत की थी और इस प्रकार ऐसे असिद्ध दावों के आधार पर उसे रद्द नहीं किया जा सकता।
- xix. याचिकाकर्ता उस अंतर्राष्ट्रीय मंदी से अवगत नहीं है जिसका हितबद्ध पक्षकार संदर्भ दे रहे हैं। भारतीय घरेलू बाजार में उत्पाद के लिए मांग एक सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शा रही है। साथ ही, घरेलू उद्योग को उस समय मज्जधार में नहीं छोड़ा जा सकता जब निर्यात वास्तविक क्षति करने वाले पाटन का सहारा ले रहे हों।
- xx. याचिकाकर्ता अपनी निजी सुविधाओं से विनिर्मित यार्न की खपत करता है और तदनुसार, उन्हें कैप्टिव खपत मान रहा है। कैप्टिव मूल्यांकन नियमावली के अनुबंध-III को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
- xxi. कनवेयर बेल्ट के विनिर्माण में खपाए गए बेल्टिंग फैब्रिक की मात्रा उसके कुल उत्पादन का केवल 15-18 प्रतिशत है।
- xxii. पाटनरोधी शुल्क ईओयू द्वारा आयातों को प्रभावित नहीं करता अथवा अग्रिम प्राधिकार के विरुद्ध नहीं है। चीन से संबद्ध सामानों का आयात केवल कनवेयर बेल्ट विनिर्माताओं द्वारा ही नहीं किया जाता बल्कि अन्य प्रयोक्ताओं द्वारा भी किया जाता है। घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तविक रूप से क्षति हुई है।
- xxiii. ईई बेल्टिंग फैब्रिक का प्रयोग भारतीय कनवेयर बेल्ट उद्योग, विशेष रूप से, सीमेंट और निर्माण क्षेत्र द्वारा किया जा रहा है। याचिका में दी गई आयात सारांश का अवलोकन यह दर्शाएगा कि एनएन किस्म का आयात भी इस अवधि में बढ़ा है।

छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

70. इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

गोपनीयता

- याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और इस प्रकार रक्षा का अधिकार पूरी तरह से कार्यान्वित नहीं किया जा सकता। याचिका नियमावली के नियम 7 तथा व्यापार सूचना संख्या 01/2013 दिनांक 09 दिसंबर, 2013 में उल्लिखित मानकों को पूरा करने में विफल है।
- खंड 6 के उत्तर में याचिकाकर्ता ने कोई सूचना नहीं दी है।
- मांग, उत्पादकता में बाजार हिस्सा गोपनीय होने का दावा किया गया है।
- भाग 6 के विभिन्न प्रश्नों का "वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार" के रूप में उत्तर दिया गया है और एसआरएफ एक बहु उत्पाद कंपनी होने के नाते इस उत्तर को भ्रमित कर रही है।
- उत्तरदाताओं ने कानून के अनुसार सभी सूचना दी है और घरेलू उद्योग का दावा संगत है। उत्तरदाता कोई भी अन्य सूचना देना चाह रहे हैं जो प्राधिकारी इस संबंध में आवश्यक समझें।

आयात आंकड़े

- vi. याचिकाकर्ता ने जानबूझकर आयात संबंधी आंकड़े (टी/टी) नहीं दिए हैं ताकि पीसीएन बनाते समय और क्षति विश्लेषण के लिए की गई हेराफेरी पकड़ी न जा सके।
- vii. जिन आयात आंकड़ों के आधार पर जांच आधारित है, वे अपूर्ण और गलत हैं।

आयातकों/प्रयोक्ताओं से पत्राचार

- viii. याचिकाकर्ता ने न तो बेल्टिंग फैब्रिक के आयातों की पूरी सूची दी है और न ही ज्ञात प्रयोक्ताओं की अनुबंध-1.6 सूची संलग्न की है और उन्हें वह देने के लिए कहा जाए। न तो याचिका में और न ही जांच की शुरुआत संबंधी सूचना में "टेक्सटाइल रिइंफोर्स्ड कनवेयर बेल्ट" के विनिर्माताओं की कोई सूची है जो भारत में उत्पाद के मुख्य प्रयोक्ता एवं आयातक हैं।
- ix. उत्तरदाताओं द्वारा पहचान किए गए भारत में ज्ञात प्रयोक्ताओं/आयातकों की सूची सूचित करने के लिए कहा जाना चाहिए तथा प्रश्नावली के उत्तर दायर करने के लिए और आवेदन पर टिप्पणियां देने के लिए कहा जाना चाहिए।

अनुचित संरक्षण

- x. एसआरएफ पहले ही भारतीय बाजार में अनुचित संरक्षण ले रहा है क्योंकि उनके कैप्टिव यार्न के उत्पादन के कारण उनकी पिछड़े एकीकरण की अर्थव्यवस्थाएं हैं जिनसे बेल्टिंग फैब्रिक प्रभाग के लाभ को यार्न प्रभाग में अंतरित करने का अवसर मिल जाता है ताकि वे बेल्टिंग फैब्रिक प्रभाग को क्षति का औचित्य बना सकें।
- xi. वे विचाराधीन उत्पाद के आयात पर 10 प्रतिशत की सीमा शुल्क की अतिरिक्त दर पहले ही ले रहे हैं और यह कि उनके पास भारी क्षमता है।

एकाधिकारिक स्थितियां

- xii. याचिकाकर्ता के अलावा, भारत में विचाराधीन उत्पाद के चार अन्य विनिर्माता हैं और उनमें से तीन खुद ही टेक्सटाइल रिइंफोर्स्ड कनवेयर बेल्ट का विनिर्माण कर रहे हैं। कनवेयर बेल्ट के अन्य विनिर्माता के साथ हितों का टकराव है। "रिपोर्ट के अनुसार" भारत में टेक्सटाइल रिइंफोर्स्ड कनवेयर बेल्ट के लगभग 43 विनिर्माता हैं जिनमें से शीर्ष 5 विनिर्माताओं का लगभग 80 प्रतिशत बाजार हिस्सा है। इस प्रकार, कनवेयर बेल्ट के शेष विनिर्माताओं के पास एसआरएफ लि. से ही "बेल्टिंग फैब्रिक" खरीदने के अलावा कोई विकल्प नहीं है जो उन्हें एकाधिकारिक स्थिति में रखता है।

मांग-आपूर्ति अंतराल

- xiii. मांग-आपूर्ति का अंतराल है –वर्तमान आंकड़ों के अनुसार लगभग 268 मी. टन/माह का अंतराल अभी बना हुआ है।

अन्य उत्पादों और उद्योगों से संबंधित मुद्दे

- xiv. उद्योग का हास हो रहा है और कार्बन ब्लैक, विभिन्न रबर मिश्रणों आदि जैसे अन्य विभिन्न उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क के कारण कई गंभीर मुद्दों का सामना कर रहा है।
- xv. बेल्टिंग विनिर्माताओं का भारी समूह एमएसएमई क्षेत्र में आता है और यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो उन्हें अपनी यूनिटें बंद करनी होंगी।
- xvi. बेल्टिंग फैब्रिक के बाजार आकार को समझने के लिए भारत में टेक्सटाइल रिइंफोर्स्ड कनवेयर बेल्ट के बाजार आकार को समझना संगत है।
- xvii. एसआरएफ का इरादा अपने दक्षिण अफ्रीकी व्यापार की सुरक्षा करने के लिए बातचीत के स्तर पर चीनी विनिर्माताओं को लाने पर दबाव डालने का है।

सार्वजनिक हित

- xviii. शुल्क लगाना सार्वजनिक हित में नहीं होगा क्योंकि इससे चीनी आयात बंद हो जाएंगे जो कि भारत में आने वाले संबद्ध सामानों के कुल आयात का लगभग 92 प्रतिशत है और जो भारतीय मांग को पूरा कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता कीमतों में आसानी से हेराफेरी कर सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप निचले उद्योगों की

लागतें नियंत्रण से बाहर हो जाएंगी और निचले स्तर के प्रयोक्ताओं से बेल्टिंग फैब्रिक की मांग में काफी गिरावट आएगी। साथ ही निचले स्तर के टेक्सटाइल उद्योग का निष्पादन भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा।

अन्य

- xix. संबद्ध मामले में जांच की शुरुआत में वास्तविकता की कमी है और कानूनी आधार आधारहीन है तथा इस प्रकार उसे रद्द किया जाना चाहिए।
- xx. वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंदी के मद्देनजर व्यापार संबंधी उपाय निचले उद्योगों सहित भारत के हित में नहीं होगा, विशेष रूप से चीन और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार संबंध के लिए हितकर नहीं होगा।
- xxi. जिस कीमत पर कच्ची सामग्री का अंतरण बेल्टिंग फैब्रिक के उत्पादन के लिए कैप्टिव खपत हेतु किया गया है, उसके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा दिए जाने चाहिए क्योंकि वह स्वयं नायलॉन और पॉलिस्टर का उत्पादन करता है।
- xxii. रिपोर्ट के अनुसार, "टाटा स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट ग्रुप" ("रिपोर्ट") "सिंथेटिक रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट अर्थात बेल्टिंग फैब्रिक" का लगभग 64 प्रतिशत बाजार हिस्सा है। भारतीय कनवेयर बाजार लगभग 1500 करोड़ और 77,000 मी. टन है। तथापि, याचिका में मांग प्रति वर्ष 13210 मी. टन का उल्लेख है।
- xxiii. याचिका में यह नहीं दर्शाया गया है कि क्या चीन और अन्य देशों से आयात की मात्रा "टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट" के विनिर्माताओं की हकदारी के विरुद्ध अर्थात उनके निर्यातों के विरुद्ध (अग्रिम प्राधिकार के विरुद्ध निःशुल्क अथवा ईओयू द्वारा) है। कनवेयर बेल्ट के निर्यातकों की 311 मी. टन/माह की निःशुल्क आयात हकदारी है जिसके विरुद्ध केवल लगभग 212 मी. टन/माह का ही आयात किया जा रहा है। इस प्रकार, एसआरएफ को तथाकथित क्षति तथा आयातों में कोई कारणात्मक संपर्क नहीं है।
- xxiv. टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट के घरेलू ग्राहकों द्वारा प्रबलक सामग्री के रूप में टाइप ईई की मुश्किल से ही कोई मांग है जब चीन से बेल्टिंग फैब्रिक के कुल आयात का 62 प्रतिशत टाइप ईई का है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और बड़ी निजी क्षेत्र की कंपनियों सहित भारतीय बाजार टाइप एनएन और ईपी की मांग करता है तथा यह कि बेल्टिंग फैब्रिक की खरीददारी एसआरएफ सहित नामी कंपनी से की जानी है (उनके निविदा दस्तावेजों से सिद्ध)। टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्टों की कुल घरेलू मांग का लगभग 45-50 प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और बड़ी निजी कंपनियों से आता है जो कि उनके निविदा दस्तावेजों से सत्यापित किया जा सकता है जो 1500 करोड़ रुपए के बाजार में से लगभग 650 से 750 करोड़ रुपए का बनता है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 71. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए उपर्युक्त सामान्य मुद्दों की जांच की गई है और संगत पाई गई सीमा तक निम्नलिखित पैराओं में उनका समाधान किया गया है:

गोपनीयता

- i. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना का अगोपनीय रुपांतर नियम 6(7) के अनुसार सभी संबंधित हितबद्ध पक्षकारों को सार्वजनिक फाइल के माध्यम से रखा और उपलब्ध कराया।
- ii. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच प्राधिकारी की सतत परिपाटी और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को जहां भी आवश्यक समझा, स्वीकार किया है और वह सूचना अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है।

आयात आंकड़े

- iii. जहां तक आयात आंकड़ों में हेराफेरी का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध हाल की व्यापार सूचना संख्या 07/2018 दिनांक 15 मार्च, 2018 के अनुपालन में डीजीसीआईएंडएस के लेन-देन वार आयात आंकड़ों को रिकार्ड में रखा है। विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने भी निर्धारित प्रक्रिया अपनाने के बाद उसे एकत्रित किया है। प्राधिकारी ने भी डीजीसीआईएस और डीजी सिस्टम से आयात आंकड़ों के गोपनीय रुपांतर सीधे ही प्राप्त किए हैं और घरेलू उद्योग के दावों तथा निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर से उनका सह संबंध बनाया है।

आयातकों/प्रयोक्ताओं से पत्राचार

- iv. जहां तक आयातकों की अपूर्ण सूची का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता को उसके पास सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार आयातकों की सूची देना अनिवार्य है और यह परिपाटी एवं पाटनरोधी नियमावली के अनुसार है।
- v. जहां तक प्रयोक्ताओं की सूची प्रदान करने का संबंध है, प्राधिकारी मानते हैं कि जांच की शुरुआत, सुनवाई के लिए सार्वजनिक सूचना राजपत्र में है और डीजीटीआर की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं तथा इस प्रकार सार्वजनिक पटल पर हैं। अतः प्राधिकारी ने जांच में भाग लेने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों तक पहुँचने का सर्वोत्तम प्रयास किया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कई प्रयोक्ता एवं आयातक मौखिक सुनवाई के दौरान उपस्थित थे और उन्हें संगत सूचना दायर करने का समय दिया गया था। तथापि, इनमें से किसी भी पक्षकार ने डीजीटीआर की वेबसाइट पर उपलब्ध निर्मित प्रश्नावली के प्रपत्र में सूचना नहीं दी है।

घरेलू उद्योग को अनुचित संरक्षण

- vi. प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को नोट करते हैं और उन्होंने विद्यमान पाटनरोधी नियमावली के अनुसार अपेक्षित सीमा तक ही पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटी के कारण क्षति के समाधान पर विचार किया।

एकाधिकारिक स्थितियां

- vii. जहां तक एकाधिकार के मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय केवल उचित व्यापार सुनिश्चित करने और घरेलू उद्योग को एक व्यापारिक क्षेत्र प्रदान करने के लिए लागू किए जाते हैं। यह किसी विशिष्ट उत्पादक के एकाधिकार को सुदृढ़ करने के लिए जैनरिक संरक्षण प्रदान करने हेतु नहीं है। अतः यह न तो आयात को प्रतिबंधित करने का उपाय है और न ही घरेलू बाजार में कीमतों में अब औचित्यपूर्ण वृद्धि करने के लिए है। संबद्ध देश के आपूर्तिकर्ताओं सहित अन्य आपूर्तिकर्ताओं से आयात भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्द्धा करने से रोके नहीं जाते हैं।

मांग-आपूर्ति अंतराल

- viii. जहां तक मांग और आपूर्ति के अंतराल का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, क्षति की अवधि में मांग में अंतराल है, तथापि, घरेलू उद्योग की अनुपयुक्त क्षमता भी है। मांग और आपूर्ति का अंतराल उचित कीमतों पर इस देश के लिए आयातों द्वारा भी पूरा किया जा सकता है।

सार्वजनिक हित

- ix. जहां तक सार्वजनिक हित का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क उचित व्यापार सुनिश्चित करने और घरेलू उद्योग को एक व्यापारिक क्षेत्र प्रदान करने के लिए है। वे आयातों को प्रतिबंधित करने अथवा उत्पादन की लागत में अनौचित्यपूर्ण वृद्धि करने के उपाय नहीं हैं। प्राधिकारी ने जांच के सभी पहलुओं का बारीकी से मूल्यांकन किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटनरोधी के संरक्षण तभी सिफारिश की जाए जब वह घरेलू उद्योग के लिए नियमों के अनुसार आवश्यक हो।

अन्य

- x. जहां तक इस आरोप का संबंध है कि जांच की शुरुआत गलत परिसर में है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए प्रथम दृष्टया साक्ष्यों/तथ्यों के आधार पर की जाती है। बाद में, जांच में कार्यवाही करने के लिए सत्यापित सूचना पर विचार किया जाता है और अंतिम निष्कर्ष सत्यापन के आधार पर होते हैं।
- xi. प्राधिकारी के अनुरोधों को नोट करते हैं कि भारी संख्या में सर्वोत्तम विनिर्माता एमएसएमई में आते हैं और यह कि एसआरएफ के पास सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के रूप में संरक्षित बाजार है, बेल्टों के प्रयोक्ता एसआरएफ सामग्री का प्रयोग निर्धारित करते हैं, और यह कि यह मांग का 50 प्रतिशत है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी एमएसएमई बेल्ट विनिर्माता ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। फिर भी 50 प्रतिशत बाजार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा पूरा किया जाता है, शेष 50 प्रतिशत बाजार संबद्ध देश से संबद्ध सामानों की आयातों को स्वीकार करने के लिए खुला है।

प्रकटन पश्चात टिप्पणियां**हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात विवरण संबंधी अनुरोध****घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध**

72. घरेलू उद्योग ने अपने प्रकटन पश्चात अनुरोधों में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- पाटन मार्जिन से संबंधित कुछ अनिवार्य तथ्य निर्यातकों/उत्पादकों की सत्यापन रिपोर्ट और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ सभी पत्राचारों प्रति प्रकट नहीं की गई है। इसके कारण टिप्पणियां करने के लिए प्रभावी अवसर नहीं दिया गया है।
- प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को सही परिभाषित किया है और सभी ग्रेडों, किस्मों तथा रेटिंग को शामिल किया है क्योंकि घरेलू उद्योग ने केवल अपेक्षित किस्मों की ही आपूर्ति नहीं की है बल्कि संबद्ध उत्पाद की विभिन्न किस्मों की मांग को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक रूप से सक्षम किस्मों की भी आपूर्ति की है।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी शुल्क तालिका में कृपया उल्लेख करें कि उस संबंधित उत्पाद पर शुल्क वर्गीकरण पर ध्यान न देते हुए शुल्क लगाना चाहिए जो उसने आयात किया है।
- घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में क्षति की अवधि में गिरावट आई। यद्यपि वह गिरावट मांग एवं वृद्धि की गिरावट की उसी दर पर नहीं थी।
- औसत मालसूची स्तर में क्षति की अवधि में वृद्धि दिखाई दी है। घरेलू उद्योग का अप्रैल, 2013 में मालसूची का उच्च स्तर था। मालसूची में उसके बाद गिरावट आई। तथापि, मालसूची मार्च, 2015 के बाद एक बार फिर बढ़ी।
- लाभप्रदता, नकद लाभ, ब्याज तथा कर पूर्व लाभ और निवेश पर आय के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन में जांच की अवधि सहित क्षति की अवधि में गिरावट आई।
- घरेलू उद्योग की वृद्धि, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संदर्भ में उस समय भी नकारात्मक थी जब वृद्धि मात्रात्मक मानदंडों के संबंध में सकारात्मक थी। मात्रात्मक मानदंडों में सकारात्मक वृद्धि से सामान्य बाजार स्थितियों में कीमत मानदंडों में सकारात्मक वृद्धि होनी चाहिए थी।
- कानून और डीजीएडी द्वारा परिचालित दिशा-निर्देश के अनुसार पाटित आयातों का प्रभाव मात्रा की दिशा में अथवा कीमत के स्तर पर हो सकता है।
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है, जैसा कि लाभप्रदता, नकद लाभ और निवेश पर नकारात्मक आय के संदर्भ में ह्रास हुए निष्पादन से सिद्ध है।
- पहुँच मूल्य से अधिक बिक्री कीमत के संबंध में प्राधिकारी की चिंता के संबंध में यह अनुरोध है कि आयात कीमत, उत्पादन लागत और बिक्री कीमत की तुलना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि बिक्री कीमत आयात कीमतों की दिशा में गई जबकि आयात कीमतें लागतों की दिशा में नहीं गईं। वस्तुतः 2014-15 में जब लागत में गिरावट आई तो बिक्री कीमत में वृद्धि हुई, जब आयात कीमत बढ़ी। उसके बाद लागत एवं कीमतें समान दिशा में होने पर भी कीमतें आयात कीमतों के बीच में अधिक जा रही हैं।
- एआईआरआईए द्वारा प्रस्तुत सेल, एनटीपीसी और जेएसडब्ल्यू के निविदा दस्तावेज यह स्पष्ट करते हैं कि चीनी उत्पादकों को अलग-अलग किया गया है क्योंकि कुछ चीनी कंपनियां स्पष्ट रूप से शामिल की गई हैं। साथ ही, बेल्ट निर्माताओं को अपेक्षित मानदंड पूरा करके भी चीनी फैब्रिक सहित किसी अन्य स्रोत का प्रयोग करने की अनुमति दी गई है।
- मांग एवं आपूर्ति में कोई अंतराल नहीं है क्योंकि याचिकाकर्ता की क्षमता (***) मी. टन) समर्थकों (एमआईटी का ***) मी. टन और सनरेहा की ***) मी. टन) सहित भारतीय मांग (प्राधिकारी द्वारा परिकल्पित ***) मी. टन) से अधिक है। इसके अतिरिक्त, तीन और उत्पादक हैं जिनके पास ***) मी. टन, ***) मी. टन और ***) मी. टन की क्षमता है (बाजार सूचना के अनुसार अनुमानित) और इस प्रकार कुल भारतीय उत्पादन क्षमता ***) मी. टन है जो भारतीय मांग से ***) प्रतिशत अधिक है।
- पाटनरोधी शुल्क अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा. में व्यक्त पाटनरोधी शुल्क की निर्धारित मात्रा (शुल्क का निर्धारित स्वरूप) के रूप में लगाया गया।

73. वुहु एस. एच. जेड. इंडस्ट्रियल फैब्रिक कं. लि., चीन जन. गण., जियांग्सू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि., चीन जन. गण., ऑरियंटल टेक्सटाइल (होलिडिंग) लिमिटेड, ऑरियंटल इंडस्ट्रीज (सुझोऊ) लि., चीन जन. गण. और

झेजियांग युनिफुल हाईटेक इंडस्ट्री कं. लि., चीन जन. गण., ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और चाइना चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स ऑफ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ टेक्सटाइल एंड एपेरल का प्रतिनिधित्व करने वाली मैसर्स वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधी सामान्य करार, 1994 ("पाटनरोधी करार") के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन करार के अनुच्छेद 3.1 में यह प्रावधान है कि जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद VI के प्रयोजन के लिए क्षति का निर्धारण सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर होगा और उसमें (क) **पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव, दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल होगी।**

हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से वस्तुपरक रूप से जांच करने तथा साक्ष्य एकत्रित करने और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 के अनुसार वस्तुपरक जांच करने का अनुरोध करते हैं।

- यह अनुरोध है कि वर्तमान मामले में पाटन मार्जिन कानून के अनुसार परिकलित नहीं किया गया है क्योंकि संबद्ध सामानों की वास्तविक उत्पादन लागत नहीं लगाई गई है और इसकी बजाए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत चीन में उत्पादकों का सामान्य मूल्य निर्मित करने के लिए प्रयुक्त की गई है। संभवतः यह कानून में इस अवधारणा पर किया गया है कि चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था है। इस संबंध में यह अनुरोध है कि यह अवधारणा अब मौजूद नहीं है।
- यह अनुरोध है कि डब्ल्यूटीओ में चीन अभिगम संबंधी नयाचार के संगत प्रावधानों के अनुसार चीन को 11 दिसंबर, 2016 के बाद बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान किया जाना चाहिए। डब्ल्यूटीओ में चीन के अभिगम संबंधी नयाचार का अनुच्छेद 15 यह स्पष्ट करता है कि चीन जन. गण. ने बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्राप्त कर लिया है।

उपर्युक्त प्रावधान में यह व्यवस्था है कि डब्ल्यूटीओ में उसके अभिगम से 15 वर्षों के बाद चीन को पाटनरोधी जांचों के प्रयोजन के लिए किसी अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्य की तरह समान रूप से माना जाना चाहिए।

- "चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों से सख्त तुलना पर अनाधारित सिद्धांत" का प्रयोग करने के लिए आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्यों के अधिकार पैरा (घ) की दृष्टि से समाप्त हो गए। अतः यह प्रश्न कि क्या चीन जन. गण. अभी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था है अथवा आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के तहत नहीं आता है, असंगत हो जाता है। दूसरे शब्दों में, 11 दिसंबर, 2016 तक ही यह व्यवस्था थी कि आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर चीन को प्रदान करना व्यावहारिक महत्व का था।
- इस संबंध में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय ने भी ईसी – फासनर्स के मामले में उसी तरीके से अनुच्छेद 15 बनाया है जिसमें निम्नलिखित उल्लेख है:

"चीनी अभिगम नयाचार का पैरा 15(घ) सिद्ध करता है कि पैरा 15(क) के प्रावधान चीनी अभिगम की तारीख (अर्थात् 11 दिसंबर, 2016) के बाद के 15 वर्षों में समाप्त हो जाते हैं। इसमें यह भी प्रावधान है कि अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्य चीन की पूर्ण अर्थव्यवस्था अथवा विशिष्ट क्षेत्रों अथवा उद्योगों के संबंध में पैरा 15(क) को उस तारीख से पूर्व पहले ही समाप्त करने की स्वीकृति देंगे, यदि चीन आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य कानून के तहत यह दर्शाता है "कि वह एक बाजार अर्थव्यवस्था है" यह कि "बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां किसी उद्योग विशेष अथवा क्षेत्र में विद्यमान हैं।"

- निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपने प्रकटन विवरण में यह भी उल्लेख किया गया है कि चीन से संबद्ध सामानों के निर्यातकों ने डेस्क सत्यापन के दौरान बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर का दावा नहीं किया है। तथापि, इस संबंध में यह अनुरोध है कि उन्हें ही 11 दिसंबर, 2016 के बाद बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं करना था। अतः यह अनुरोध है कि वास्तविक उत्पादन लागत पर सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए विश्वास किए जाने की आवश्यकता है।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने बेल्टिंग फैब्रिक की विभिन्न श्रेणियों के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त यार्न की विभिन्न किस्मों को पहले ही नोट कर लिया है, यथा – (i) एनएन बेल्टिंग फैब्रिक, (ii) ईपी बेल्टिंग फैब्रिक, (iii) ईई बेल्टिंग फैब्रिक और (iv) पीपी बेल्टिंग फैब्रिक। यह भी एक निर्विवाद तथ्य है कि ईई बेल्टिंग फैब्रिक और ईपी बेल्टिंग फैब्रिक के विनिर्माण में दो तरह के पॉलिस्टर औद्योगिक यार्न (पीआईवाई) का प्रयोग किया जाता है, यथा – एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न और नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न। यह एक स्वीकृत तथ्य है कि जबकि घरेलू उद्योग एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न का प्रयोग करता है तो चीनी विनिर्माता नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न का प्रयोग करते हैं। यह भी एक निर्विवाद तथ्य है कि नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न, एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न से सस्ता है।

- इस संबंध में घरेलू उद्योग की जानकारी में यह भी पहले ही लाया गया है कि "एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न", "नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न" से लगभग 20 प्रतिशत महंगा है। वित्तीय वर्ष 2012-13, 2013-2014, 2015-2016 और 2016-2017 के दौरान संगत कीमतें उत्तरदाता को उसके अनुरोध दिनांक 01 मई, 2018 के दौरान दे दी गई हैं। अकेले इस कारक के कारण चीनी विनिर्माताओं द्वारा आपूर्ति किया गया टाइप ईई फैब्रिक मैसर्स एसआरएफ लि. से अधिक लागत प्रतिस्पर्द्धी और सस्ता है।
- यह भी अनुरोध किया गया था कि एसआरएफ की विनिर्माण प्रक्रिया जैसे दिवस्टिंग, वीविंग और डिपिंग में पुरानी पीढ़ी के उपस्करों तथा पुरानी प्रौद्योगिकी, जिनके परिणामस्वरूप बर्बादी और लागत आती है, के कारण गंभीर तकनीकी कमियां हैं। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की यार्न से फैब्रिक में **परिवर्तन लागत** पुरानी प्रौद्योगिकी, कम गति पर प्रचालित होने वाली पुरानी मशीनों के कारण काफी अधिक है जिनके परिणामस्वरूप कम "थोरो पुट" होता है। इन सभी कारकों के एक साथ होने के कारण यह अनुरोध है कि मैसर्स एसआरएफ लि. बहुत अधिक परिवर्तन लागत **1.2 अमेरिकी डॉलर से 1.4 अमेरिकी डॉलर/कि. ग्रा.** लगा रहा था।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में कार्रवाई करते हुए निम्नलिखित को ध्यान में रखकर उपर्युक्त अनुरोध के समाधान की मांग की।

"13. लागत में अंतर देने वाली उत्पादन प्रक्रिया में अंतर के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन और भारत ने उत्पादकों द्वारा अपनाई गई विनिर्माण प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप बाजार स्थल में उन्हें उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले समान विशिष्टि के उत्पाद बनते हैं। अतः यह माने जाने के लिए प्रस्तावित है कि उत्पादन प्रक्रिया में भेद इस जांच में समान वस्तु के प्रयोजन के लिए संगत नहीं है।"

- इस संबंध में यह अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उत्तरदाता के अनुरोध को सही-सही नहीं माना है। उत्तरदाता का यह तर्क कभी नहीं था कि उत्पादन प्रक्रिया में अंतर के परिणामस्वरूप भिन्न उत्पाद होता है। इसकी बजाए उत्तरदाता का यह अनुरोध था कि प्रक्रिया एवं कच्ची सामग्रियों में अंतर के परिणामस्वरूप चीनी उत्पादकों के लिए कम उत्पादन लागत आई और इसीलिए आयात सस्ते हुए। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात की जांच करने की आवश्यकता नहीं थी कि क्या जो संबद्ध सामान आयात किए गए, वे घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामानों से भिन्न थे। इसकी बजाए, सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उत्पादन लागत में आवश्यक समायोजन करना अपेक्षित था।
- इस अनुरोध के प्रति पूर्वाग्रह के बिना कि चीन को बाजार अर्थव्यवस्था देश माना जाना है, यह अनुरोध है कि यदि चीन की परिवर्तन लागतों पर वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए उसे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने जाने के कारण विचार नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी चीन में उत्पादन लागत के निर्धारण के लिए कच्ची सामग्री की लागत के रूप में नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न की लागत में कारक बनाने के लिए बाध्य थे। चूंकि, स्वीकार्य रूप से चीनी विनिर्माता एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न के बजाए उपर्युक्त सामग्री का प्रयोग करते हैं, अतः चीन में संबद्ध सामानों के उत्पादन की लागत निर्मित करने के लिए उसकी लागत को मानना उपयुक्त नहीं होगा जहां उसका कोई अनुप्रयोग नहीं है।
- चूंकि नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न चीन में प्रयुक्त किया जाता है, जो कि एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न की लागत से लगभग 20 प्रतिशत तक कम है, उत्तरदाता द्वारा अपने 01 मई, 2018 के अनुरोध में दिए गए साक्ष्य से भी यह तथ्य पुष्ट है, चीन ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उत्पादन लागत निर्मित करने हेतु कच्ची सामग्री की लागत पर विचार करने के लिए उसका प्रयोग किया जा रहा है। अतः घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री लागत चीन के लिए प्रयुक्त की जाने वाली कच्ची सामग्री कीमत पर विचार करने हेतु 20 प्रतिशत तक कम की जानी है और सामान्य मूल्य को तदनुसार समायोजित किया जाना है। परिणामस्वरूप चीन के लिए पाटन मार्जिन सामान्य मूल्य में उपयुक्त समायोजन करने के बाद पुनः परिकलित किए जाने की आवश्यकता है।
- उत्तरदाता ने अनुरोध किया था कि घरेलू उद्योग किफायतों और अन्य वाणिज्यिक कारकों के कारण संकीर्ण चौड़ाई वाले फैब्रिक तथा कुछ हल्के ग्रेड की सामग्री की आपूर्ति नहीं करता और इसीलिए ऐसे फैब्रिक की आवश्यकता वाले बेल्टिंग विनिर्माताओं के पास आयात करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह भी अनुरोध किया गया था कि घरेलू उद्योग 315 रेटिंग से अधिक की ईई बेल्टिंग फैब्रिक नहीं देता।
- उपर्युक्त अनुरोध के उत्तर में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में निम्नलिखित अनुरोध किया है:
"प्राधिकारी 315 रेटिंग से अधिक की ईई बेल्टिंग फैब्रिक, आयातों में ऑफ स्पेक्ट उत्पादों को हटाने तथा कम चौड़ाई वाले फैब्रिक की आपूर्ति करने में घरेलू उद्योग की असमर्थता के संबंध में अनुरोधों को नोट करते हैं और यह मानने का प्रस्ताव करते हैं कि चूंकि, घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पाद शृंखला के संबंध में नमूने साक्ष्य दिए हैं, अतः विचाराधीन उत्पाद को संबद्ध सामानों के सभी ग्रेडों, किस्मों और रेटिंग में मिलाए जाने का प्रस्ताव है।"

- स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग ने इस तथ्य को सिद्ध करने के लिए नमूने एवं साक्ष्य दिए हैं कि वे वास्तव में उसकी आपूर्ति करते हैं। इस संबंध में सार्वजनिक फाइल में कोई साक्ष्य नहीं रखा गया है और इसीलिए उत्तरादाता अपनी सुरक्षा के अधिकार को कार्यान्वित करने और साक्ष्य की पर्याप्तता और सत्यता को सत्यापित करने में असमर्थ रहा है जिसके आधार पर उसके अनुरोध को रद्द किया गया है। कम से कम विधिवत तैयार किया गया बीजक इस तथ्य को सिद्ध कर रहा है कि उपर्युक्त सामग्री की वाणिज्यिक मात्रा ग्राहकों को दी गई थी।
- घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि पाटित आयातों से उसे वास्तविक क्षति हुई है। इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह निर्धारित करने की आवश्यकता है कि क्या घरेलू उद्योग को पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के अनुसार उसकी स्थापना में वास्तविक मंदी हो रही है।
- पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-II में उस तरीके का प्रावधान है जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा है कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। अनुबंध-II का पैरा (1) इस संबंध में महत्व रखता है क्योंकि इसमें प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में केवल (i) घरेलू बाजार में पाटित आयातों की मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव की वस्तुपरक जांच ही शामिल नहीं होगी, अपितु यह भी शामिल होगा कि (ii) क्या उसका घरेलू उद्योग पर परिणामी प्रभाव पड़ा है।
- पैरा (ii) में स्पष्ट है कि उसमें निहित मानदंड आर्थिक मानदंडों (पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निर्धारित) के ह्रास से पूर्व की स्थितियों से पाटन हुआ है।
- पैरा (ii) में निहित मानदंड, आर्थिक मानदंडों (पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निर्धारित) से पूर्व की स्थितियां ह्रास का कारण हो सकती हैं। पैरा (ii) में मानदंडों की मौजूदगी के बिना घरेलू उद्योग को हुई क्षति आयातों के कारण नहीं हो सकती। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस पर विचार करना है कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में पूर्ण दृष्टि से अथवा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में "महत्वपूर्ण" वृद्धि हुई है। पैरा (ii) में प्रयुक्त "महत्वपूर्ण" शब्द यह दर्शाता है कि पूर्ण दृष्टि से और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि ही इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए पर्याप्त नहीं है कि पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव मौजूद है। इसी प्रकार, कीमत मानदंडों के संबंध में भी कीमत कटौती महत्वपूर्ण अथवा वैकल्पिक रूप में होने की आवश्यकता है। यह दर्शाया जाना चाहिए कि आयातों की कीमतों का घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों पर न्यूनीकरण अथवा ह्रासमान प्रभाव पड़ा है।
- इसके अतिरिक्त, जिस तरीके से निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि क्या पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव पड़ा है, वह अनुबंध-II के पैरा (iv) में निर्धारित है।

"उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले, जिनमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता के उपयोग में प्राकृतिक एवं संभावित गिरावट, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता सम्मिलित हैं।"

उपर्युक्त प्रावधानों के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह मूल्यांकन कर लेना चाहिए कि क्या 15 आर्थिक कारक वास्तविक एवं संभावित गिरावट दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त पैरा (ii) की स्थितियां मौजूद होने के बिना पैरा (iv) में आर्थिक मानदंडों में गिरावट से ही क्षति का निष्कर्ष नहीं निकल सकता। पैरा (iv) में निर्धारित घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंडों में तदनुसूची गिरावट के बिना पैरा (ii) निर्धारित स्थितियों की मौजूदगी मात्र से भी क्षति का निष्कर्ष नहीं निकल सकता।

- अनुबंध-II के पैरा (v) में इस मार्गदर्शन के लिए प्रावधान है कि घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा लिया जाना चाहिए:

यह अनुरोध है कि वर्तमान मामले में न तो पैरा (ii) निर्धारित स्थितियां और न तो पैरा (iv) में निर्धारित स्थितियां पूरी की गई हैं।

क. पाटित आयात की मात्रा और घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव

मात्रात्मक प्रभाव

- चीन से आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रकटन विवरण में निम्नलिखित आंकड़ों को रिकार्ड किया है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
भारत में मांग/खपत					
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
चीन जन. गण. से आयात	मी. टन	1,878	2,168	2,428	2,490
अन्य देशों से आयात	मी. टन	92	179	127	211
भारत में कुल मांग	मी. टन	12,194	13,443	12,758	14,265
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों का हिस्सा	%	***	***	***	***
भारतीय उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
चीन जन. गण. का हिस्सा	%	15.40	16.13	19.03	17.45
अन्य देशों का हिस्सा	%	0.75	1.33	1.00	1.48
मांग में कुल हिस्सा	%	100.00	100.00	100.00	100.00
की तुलना में संबद्ध देश से आयात -					
भारतीय उत्पादन	%	18.34	19.51	23.76	21.42

- मात्रात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करते समय यह देखा जा सकता है कि जबकि किसी हद तक पूर्ण दृष्टि से मात्रा में वृद्धि हुई है, भारत में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में आयात में वृद्धि नगण्य रही है। यद्यपि, चार वर्षों की अवधि में खपत के संबंध में आयातों की वृद्धि केवल 0.25 प्रतिशत है। तथापि, भारत में उसी अवधि के दौरान उत्पादन के संबंध में वृद्धि 3.08 प्रतिशत थी। इस वृद्धि को मुश्किल से ही "महत्वपूर्ण" माना जा सकता है और इसीलिए यह अनुरोध है कि यह अनुबंध-II के पैरा (ii) परिकल्पित आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता। वस्तुतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मात्रात्मक प्रभाव का विश्लेषण करते समय इस वृद्धि को महत्वपूर्ण नहीं माना है और इस प्रकार यह सिद्ध है कि वर्तमान मामले में कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं है।

कीमत प्रभाव

- यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों का ह्रास हुआ है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव न्यूनीकरण के लिए था अर्थात् कीमतों की वृद्धि रोकने के लिए था जो अन्यथा काफी मात्रा में हुई होती, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। प्रकटन विवरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रकट किए गए आंकड़ों को सुविधा के लिए पुनः नीचे दिया जा रहा है:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन, सूचीबद्ध	100	98	97	87
बिक्री कीमत	रु./मी. टन, सूचीबद्ध	100	102	95	87
पहुँच कीमत	रु./मी. टन	211,868	215,805	192,533	169,469
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	91	80

- उपर्युक्त आंकड़ों के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह पाया है कि *बिक्री कीमत में गिरावट लागत में गिरावट से अधिक है* और यह कि *"आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास हो रहा था"*। यह अनुरोध है कि उपर्युक्त टिप्पणी त्रुटिपूर्ण है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चूंकि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत तथा बिक्री कीमत दोनों को प्रत्येक को ठीक एक सूचकांक में कम किया है। अतः, यह सिद्ध है कि बिक्री कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट के ठीक अनुरूप रही है। ऐसी स्थिति में यदि कीमत ह्रास चीन से आयातों के कारण है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आयातों के पहुँच मूल्य में गिरावट होने तथा बिक्री लागत में गिरावट न होने से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट कैसे आई।
- कीमत कटौती के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निम्नलिखित आंकड़े रिकार्ड किए हैं

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
समग्र					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	211,868	215,805	192,533	169,469
कीमत कटौती	%	15-25	15-25	20-30	25-35
ईई ग्रेड/किस्म					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	207,015	203,190	186,455	164,580
कीमत कटौती	%	1-10	1-10	1-10	10-20
ईपी ग्रेड/किस्म					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	237,495	225,531	205,599	180,024
कीमत कटौती	%	1-10	5-15	10-20	15-25
एनएन ग्रेड/किस्म					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	233,718	243,771	207,005	188,048
कीमत कटौती	%	20-30	15-25	25-35	20-30
अन्य ग्रेड/किस्म					
पहुँच कीमत	रु. प्रति मी. टन	202,965	237,358	235,119	148,350
कीमत कटौती	%	20-30	5-15	0-10	65-75

- शुरूआत में ही यह अनुरोध है कि कीमत कटौती का विश्लेषण गलत है क्योंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी अग्रिम प्राधिकार के विरुद्ध किए गए आयातों के पहुँच मूल्य पर विचार किया है जहां कोई सीमा शुल्क और अन्य शुल्क नहीं दिए गए हैं। इस संबंध में, उत्तरदाता ने अपने क्षति संबंधी अनुरोध और लिखित अनुरोधों, दोनों में निर्दिष्ट प्राधिकारी को उल्लेख किया है कि "टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट" ये निम्नलिखित मात्राएं डीजीसीआईएंडएस से लिए गए आंकड़ों के अनुसार 2013-14 से 2016-17 के बीच विभिन्न देशों को भारतीय विनिर्माता द्वारा निर्यात की गई थी।

क्रम सं.	वित्तीय वर्ष	मात्रा	यूओएम
1	2013-14	21822	मी. टन/वार्षिक
2	2014-15	25366	मी. टन/वार्षिक
3	2015-16	21971	मी. टन/वार्षिक
4	2016-17	23010	मी. टन/वार्षिक

इस पर कोई विवाद नहीं किया गया है कि "कनवेयर बेल्ट" के भार का लगभग 17 प्रतिशत "बेल्टिंग फैब्रिक" द्वारा दिया जाता है। तदनुसार, यदि वर्ष 2015-16 में कनवेयर बेल्ट के लिए निर्यात की मात्रा अर्थात् 21971 मी. टन पर विचार किया जाता है तो निर्यातित मात्रा में उपयुक्त "बेल्टिंग फैब्रिक" का कुल भार लगभग 3735 मी. टन/वार्षिक अथवा 311 मी. टन/वार्षिक निकलता है।

- उपर्युक्त आंकड़ों के विरुद्ध निर्दिष्ट प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि चीन से आयातों की मात्रा जांच की अवधि अर्थात् 2016-17 में 2409 मी. टन रही है जो लगभग 208 मी. टन/मासिक है। "टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट" के निर्यात आंकड़ों के मद्देनजर अपेक्षित "बेल्टिंग फैब्रिक" की मात्रा लगभग 311 मी. टन/मासिक है जिसके विरुद्ध चीन से फैब्रिक का आयात केवल 208 मी. टन/मासिक है। अनुरोध है कि कनवेयर बेल्ट के निर्यातकों की 311 मी. टन/मासिक की निःशुल्क आयात हकदारी है जिसके विरुद्ध केवल लगभग 208 मी. टन/मासिक का ही आयात किया जा रहा था।
- अतः जब "टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट" के विनिर्माण में संबद्ध सामानों के शुल्क मुक्त आयातों का प्रयोग किया जा रहा था, जिनका कि उस समय निर्यात किया गया था, शुल्क मुक्त आयातों को चीन से आयातित संबद्ध सामानों बराबर नहीं माना जा सकता जहां सीमा शुल्क और अन्य सीमा शुल्क तथा प्रभार का भुगतान किया गया था। उस सीमा तक ऐसे आयातों को इस कारण चीन से संबद्ध सामानों के भारित औसत, पहुँच मूल्य पर विचार करते समय मानने से अलग किया जाना चाहिए कि उनसे आयातों का पहुँच मूल्य नीचे गया है और परिणामस्वरूप गलत निष्कर्ष निकले हैं जिनमें कटौती का मार्जिन 25-35 प्रतिशत की श्रृंखला में पाया गया है।
- अतः यह अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को अग्रिम प्राधिकार के विरुद्ध किए गए आयातों की मात्रा का निर्धारण करना चाहिए तथा या तो उसे कीमत कटौती एवं क्षति मार्जिन की मात्रा की जांच के प्रयोजन के लिए पहुँच मूल्य का परिकलन करते समय अलग करना चाहिए अथवा वैकल्पिक रूप से भारत के घरेलू बाजार में बिक्री के इरादे वाले "टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट" के विनिर्माण के लिए लगाए गए आयातों के बराबर उन्हें लाने के लिए शुल्क के लिए समायोजन करने चाहिए।

ख. पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव

बिक्री, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और मालसूची

- निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपने प्रकटन विवरण में दिए गए आंकड़ों से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री सभी पूरे क्षति विश्लेषण की अवधि में काफी तथा प्रगामी रूप से बढ़ी है। उपर्युक्त मानदंडों के संबंध में आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
क्षमता	मी. टन, सूचीबद्ध	100	100	100	108
उत्पादन	मी. टन, सूचीबद्ध	100	106	100	115
क्षमता उपयोग	%, सूचीबद्ध	100	106	100	107
घरेलू बिक्री	मी. टन, सूचीबद्ध	100	107	104	115
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों का हिस्सा	%	***	***	***	***
भारतीय उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन, सूचीबद्ध	100	27	62	127

- यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग जांच की अवधि में अपनी क्षमता 8 प्रतिशत तक बढ़ाने में सक्षम था। क्षमता में 8 प्रतिशत की वृद्धि होने पर भी घरेलू उद्योग उसी अवधि में अपना क्षमता उपयोग 7 प्रतिशत तक बढ़ाने में भी सक्षम रहा। घरेलू उद्योग के सकल उत्पादन आंकड़े भी 15 प्रतिशत तक बढ़े। बिक्री में वृद्धि उत्पादन में वृद्धि अर्थात् 15 प्रतिशत के अनुरूप थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि मालसूची में वृद्धि केवल आंशिक रही है, अतः यह सिद्ध है कि संबद्ध सामानों के उत्पादन एवं बिक्री के लिए आयातों का घरेलू उद्योग की क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

- रोजगार एवं उत्पादकता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दायर साक्ष्य निम्नलिखित तालिका में दिए जा रहे हैं:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
वेतन एवं मजदूरी	लाख रुपए	100	116	125	134
रोजगार	सं.	100	98	96	95
प्रति दिन उत्पादकता	मी. टन/दिन	100	106	100	115
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन/सं.	100	108	104	121

- आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में कोई क्षति नहीं हुई है। यह नोट करना व्यावहारिक है कि घरेलू उद्योग की मजदूरी 34 प्रतिशत तक काफी बढ़ी है। इस संबंध में यदि घरेलू उद्योग को वास्तविक रूप से हानियां हो रही होतीं तो वह अपने कर्मचारियों को दी गई मजदूरी बढ़ाने में सक्षम नहीं होता। इसके अतिरिक्त, प्रति दिन एवं प्रति कर्मचारी उत्पादकता, दोनों क्रमशः 15 प्रतिशत और 21 प्रतिशत तक बढ़े। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों की संख्या आंशिक रूप से कम हुई जो कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सही पाया।

वृद्धि

- निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण में प्रकट किए गए आंकड़ों का अवलोकन स्पष्ट रूप से बताता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन, घरेलू बिक्री, प्रति दिन लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर आय जैसे सभी संगत मानदंडों में अच्छी वृद्धि हुई है। प्रकटन विवरण में दिए गए अनुसार, वृद्धि के संबंध में संगत आंकड़े सुविधा के लिए नीचे दिए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि					
उत्पादन	%	-	5.94	(5.39)	14.86
घरेलू बिक्री मात्रा	%	-	7.29	(2.62)	10.14
प्रति दिन लाभप्रदता	%	-	5.94	(5.39)	14.86
आरओसीई	%	-	***	***	***
घरेलू बिक्री कीमत	%	-	1.75	(6.42)	(9.05)
घरेलू बिक्री की लागत	%	-	(1.91)	(1.05)	(9.97)
औसत स्टॉक	%	-	(72.64)	128.05	103.53

- यह अनुरोध है जबकि उत्पादन, बिक्री और प्रति दिन लाभप्रदता जैसे वृद्धि के संगत मानदंडों सभी में सुधार हुआ है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सही स्वीकार किया है, निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया यह भी देखें और स्पष्ट करें जैसा कि

आंकड़ों से सिद्ध है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कमी बिक्री लागत में कमी के अनुरूप रही है और इस प्रकार, कोई मानदंड वृद्धि में गिरावट नहीं दर्शाता।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह पाया है कि "पूंजी निवेश जुटाना के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता के संबंध में किसी भी हितवद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं या है।"

इस संबंध में यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता चीन से आयातों के कारण प्रभावित नहीं हुई है, जो कि इस तथ्य से सिद्ध है कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में 8 प्रतिशत की क्षमता अभिवृद्धि की है। अतः यह अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस तथ्य को नोट करें और इसमें रिकार्ड भी करें, घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

- जैसा कि कीमत प्रभाव के विश्लेषण में पहले ही अनुरोध किया गया है, घरेलू उद्योग को चीन से आयातों के कारण कोई कीमत न्यूनीकरण अथवा ह्रास का सामना नहीं करना पड़ा है और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कमी बिक्री लागत में कमी के कारण थी। यह घरेलू उद्योग की लाभप्रदता स्थिति में भी दर्शाया गया था जिसमें जांच की अवधि में सुधार आया।

लाभप्रदता, नकद प्रवाह और निवेश पर आय

- निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण में घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन के संबंध में निम्नलिखित आंकड़े रिकार्ड किए गए हैं

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
समग्र					
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	100	98	97	87
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	100	102	95	87
लाभ/(हानि)	रु./मी. टन	-100	-180	-56	-70
लाभ/(हानि)	लाख रु.	-100	-193	-58	-80
ब्याज और कर पूर्व लाभ	लाख रु.	-100	-181	-71	-82
नकद लाभ	लाख रु.	-100	-177	-65	-87
आरओसीई-एनएफए	%	-100	-156	-45	-70

- यद्यपि घरेलू उद्योग ने अपनी याचिका में यह दावा नहीं किया कि उन्हें नकारात्मक लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर आय का सामना करना पड़ा रहा है, तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने रिकार्ड किया है कि घरेलू उद्योग को हानियां हो रही थीं और पूरी क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान होती रहीं। निर्दिष्ट प्राधिकारी से इस संबंध में स्पष्ट करने का अनुरोध है कि क्या वह प्रकटन विवरण में गलत रिकार्ड किया गया है और उस मामले में टिप्पणी देने के लिए उत्तरदाता को दूसरा अवसर दिया जाए।
- उपर्युक्त अनुरोध होने पर भी यदि घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन के संबंध में आंकड़े सही हैं, जैसा कि प्रकटन विवरण में दिया गया है तो उस स्थिति में यह अनुरोध है कि ये मानदंड घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं दर्शाते तथा घरेलू उद्योग की हानियां क्षति विश्लेषण की अवधि में कम हुई हैं, अर्थात् लाभप्रदता, नकद प्रवाह और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ। इस प्रकार, यह मानदंड भी कोई गिरावट नहीं दर्शाता और घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं दर्शाता।

पाटन मार्जिन की मात्रा

- यह अनुरोध है, जैसा कि उपर्युक्त पैराओं में पहले ही अनुरोध किया गया है, पाटन का मार्जिन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा गलत परिकलित किया गया है और यह बात दोहराई जाती है कि नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न की कच्ची

सामग्री की लागत चीनी आयातों के सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए प्रयुक्त की जाए। अतः यह अनुरोध है कि जब तक वह समायोजन किया जाता है तब तक पाटन मार्जिन की मात्रा जो कि प्रकटन विवरण में दी गई है, पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

बाजार हिस्सा

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के संबंध में सूचना प्रकट नहीं की है। यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के संबंध में सूचना गोपनीय नहीं हो सकती क्योंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने स्वयं ही कई जांचों में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से को प्रकट किया है। यह अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा समान मानदंड विभिन्न जांचों में गोपनीय और अगोपनीय, दोनों नहीं माने जा सकते। चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी एक अर्ध न्यायिक कार्य करते हैं, अतः यह निर्दिष्ट प्राधिकारी पर है कि वे सभी जांचों के विरुद्ध समान रूप से अपना विवेक लागू करें। अलग-अलग जांचों में समान आंकड़ों को गोपनीय और अगोपनीय मानना विवेक का गलत प्रयोग माना जाएगा और इसीलिए यह अनुरोध है कि उपर्युक्त आंकड़े प्रकट किए जाएं ताकि उत्तरदाता अपने रक्षा के अधिकार को प्रभावी रूप से कार्यान्वित कर सकें।
- इसके अतिरिक्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध सामानों के घरेलू उद्योग और घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में आंशिक रूप से गिरावट आई है। तथापि, यह घरेलू उद्योग की अपनी स्वीकार्यता के विपरीत है जिसमें उन्होंने वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में निम्नलिखित उल्लेख किया है जो कि जांच की अवधि के अनुरूप है:

"बेल्टिंग फैब्रिक्स में हमने टियर-2 व्यापारियों में गहराई से जाकर अपने बाजार हिस्से को सफलतापूर्वक बढ़ाया है।"

वर्तमान वैश्विक आर्थिक स्थिति में कंपनी ने घरेलू बाजार में अपने ग्राहक आधार का विस्तार किया है।"

- बाजार हिस्से के आंकड़ों को प्रकट करने और वार्षिक रिपोर्ट में निहित विरोधाभासों के संबंध में उपर्युक्त अनुरोध के पूर्वाग्रह के बिना यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग चीन से आयातों के बाजार हिस्से में 2.05 प्रतिशत बाजार हिस्से से अधिक नहीं खो सकता था जो कि इस तथ्य पर विचार करते हुए नगण्य है कि यह चार वर्षों की अवधि में था।
- वस्तुतः अनुबंध-II पैरा (iv) में निर्धारित आर्थिक मानदंडों का समग्र विश्लेषण स्पष्ट रूप से यह बताता है कि घरेलू उद्योग की स्थिति में पर्याप्त रूप से सुधार आया और संबद्ध देशों से आयातों का उसके निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। संदर्भ की सरलता के लिए घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंडों में संचलन संक्षेप में निम्नलिखित हैं:
 - घरेलू उद्योग की संस्थापित क्षमता 8 प्रतिशत तक बढ़ी।
 - घरेलू उद्योग का उत्पादन 15 प्रतिशत तक बढ़ा।
 - घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री 15 प्रतिशत तक बढ़ी।
 - क्षमता उपयोग भी पर्याप्त रूप से 7 प्रतिशत तक बढ़ा।
 - घरेलू उद्योग की प्रति दिन उत्पादकता और प्रति कर्मचारी उत्पादकता क्रमशः 15 प्रतिशत और 21 प्रतिशत तक बढ़ी।
 - घरेलू उद्योग की प्रदत्त मजदूरी 34 प्रतिशत तक बढ़ी।
 - घरेलू उद्योग ने उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ के संबंध में वर्ष दर वर्ष अच्छी वृद्धि दर्शाई।
 - और निवेश करने के लिए पूंजी जुटाने की क्षमता भी प्रभावित नहीं हुई क्योंकि घरेलू उद्योग अपनी मौजूदा क्षमता को बढ़ाने में सक्षम था।
 - घरेलू कीमतें आयातों से भी प्रभावित नहीं हुई क्योंकि बिक्री में कमी, बिक्री लागत में कमी के परिणामस्वरूप आई।
 - घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, नकद लाभ और निवेश पर आय में आधार वर्ष की अपेक्षा सुधार हुआ।
 - चीन से आयातों के कारण 2.05 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सा प्रभावित नहीं हुआ और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया कि बाजार हिस्से में हानि केवल आंशिक थी।
 - घरेलू उद्योग द्वारा सृजित रोजगार केवल आंशिक रूप से कम हुआ।
 - मालसूची आंशिक रूप से बढ़ी।

- दूसरे शब्दों में, पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-II पैरा (iv) के अंतर्गत अनिवार्य आर्थिक मानदंडों का मूल्यांकन यह दर्शाता है कि अधिकतर तथ्य सुधार दर्शाते हैं अथवा आयातों का कोई प्रभाव नहीं दर्शाते। केवल तीन मानदंडों ने प्रकटन विवरण में आंकड़ों के अनुसार गिरावट दर्शाई है जो निर्दिष्ट प्राधिकारी की अपनी टिप्पणी के अनुसार "आंशिक" थी। दूसरी ओर, सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9(ख) के तहत अपेक्षित क्षति का मानक "आंशिक" क्षति का है। अतः घरेलू उद्योग के मानदंडों में कोई गिरावट महत्वपूर्ण होनी होती है और तीन मानदंडों में आंशिक गिरावट से वास्तविक क्षति का निष्कर्ष नहीं बन सकता।
- अतः प्रकटन विवरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी के निष्कर्ष के मद्देनजर यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है। यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह मत है कि उपर्युक्त मानदंड घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाते हैं तो निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस संबंध में स्पष्ट कारण देने चाहिए कि तीन मानदंडों में आंशिक गिरावट सकारात्मक कैसे बन सकती है जो कि अन्य 12 मानदंडों में रही है।
- इस संबंध में हम थाइलैंड – एच – बीन्स (डब्ल्यूटी/डीएस122/एवी/आर) में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करते हैं जिसमें अपीलीय निकाय दृढ़तापूर्वक कहा है कि पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 में सूचीबद्ध सभी कारकों का अनिवार्य मूल्यांकन होना चाहिए। अपीलीय निकाय की रिपोर्ट की संगत टिप्पणियां संदर्भ की सरलता के लिए नीचे दी गई हैं:

"121. पैनल ने अगोपनीय दस्तावेजों में प्रकट किए गए अथवा प्रत्यक्ष साक्ष्य के आधार पर यह पाया कि थाइलैंड ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 का उल्लंघन किया था। अपने निष्कर्ष में पहुँचने में पैनल ने निष्कर्ष निकाला कि यह अनिवार्य है कि जांचकर्ता प्राधिकारी द्वारा अनुच्छेद 3.4 में सभी सूचीबद्ध कारकों पर विचार किया जाए।

122. थाइलैंड इस नियम से विशेष रूप से अपील करता है। थाइलैंड के अनुसार पैनल अनुच्छेद 17.6(ii) निर्वचन के नियम को लागू करने में विफल रहा जो पैनल को निर्देश देता है कि यदि वह "अनुमति योग्य" निर्वचन है तो सदस्य के निर्वचन को स्वीकार करें। थाइलैंड के लिए अनुच्छेद 3 का उसका निर्वचन अनुमति योग्य निर्वचन था।

123. पाटनरोधी करार का अनुच्छेद 3.4 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए जांच किए जाने वाले कारकों की सूची निर्धारित करता है। इस प्रावधान में उल्लेख है: संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर बाधा डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और तत्वों का मूल्यांकन करना शामिल होगा जिनमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता का उपयोग; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक; पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी अथवा निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल है। यह सूची अंतिम नहीं है और न ही एक अथवा कई कारक आवश्यक रूप से निणायक मार्गदर्शन दे सकते हैं।

124. अनुच्छेद 17.6(ii) में उल्लेख है कि पाटनरोधी करार के तहत लाए गए विवाद की जांच में पैनल सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून के निर्वचन के पारंपरिक नियमों के अनुसार करार के संगत प्रावधानों का निर्वचन करेगा। जहां पैनल यह पाता है कि करार का संगत प्रावधान एक से अधिक अनुमति योग्य निर्वचन को स्वीकार करता है, वहां पैनल प्राधिकारी के उपाय को करार के अनुरूप होना पाएगा, यदि वह उनमें से एक अनुमतियोग्य निर्वचनों पर है।

125. यह निर्धारित करने में कि क्या अनुच्छेद 3.4 में उल्लिखित सभी कारकों पर प्रत्येक मामले में विचार किया जाना है, पैनल ने अनुच्छेद 3.4 के शब्दों के अर्थ और संदर्भ की दीर्घता की जांच कर और अनुच्छेद 3.5 के शब्दों के साथ उसका व्यतिरेक कर अनुच्छेद 17.6(ii), प्रथम वाक्य, द्वारा अपेक्षित सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून के निर्वचन के पारंपरिक नियमों के अनुसार अपना निर्वचन शुरू किया। पैनल ने इस मुद्दे के संबंध में अनुच्छेद 3.4 के पूर्व पैनल द्वारा दिए गए निर्वचन तथा सुरक्षा संबंधी करार के अनुच्छेद 4.2(क) के समान प्रावधान के हमारे द्वारा दिए गए पूर्व निर्वचन की भी जांच की। पैनल ने यह कहते हुए अपने व्यापक विश्लेषण का निष्कर्ष निकाला कि "अनुच्छेद 3.4 में कारकों की अनिवार्य सूची में सूचीबद्ध 15 अलग कारकों में से प्रत्येक कारक का जांचकर्ता प्राधिकारी द्वारा मूल्यांकन किया जाना चाहिए।" हम पूरी तरह से पैनल के विश्लेषण और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 में उल्लिखित कारकों की अनिवार्य प्रकृति के पैनल के निर्वचन से सहमत हैं।

126. तथापि, थाइलैंड का दावा है कि ... पैनल ने कभी भी अनुच्छेद 17.6(ii) के तहत समीक्षा के मानक अथवा मानक के किसी पहलू का संदर्भ नहीं दिया और न ही कोई जिक्र किया। उसने सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून के निर्वचन के पारंपरिक नियमों का संदर्भ नहीं दिया अथवा उन पर विश्वास नहीं किया। उसने यह निर्धारित नहीं किया कि अनुच्छेद 3.4 एक से अधिक अनुवर्ती योग्य निर्वचन स्वीकार करता है। उसने यह निर्धारित नहीं कि क्या थाइलैंड

के उपाय अनुमतियोग्य निर्वचनों पर हैं। इसकी बजाए पैनल ने अपने अनुसार यह पाया कि अनुच्छेद 3.4 का पाठ अनिवार्य था और उसमें 15 कारक थे।

127. हम नोट करते हैं कि थाइलैंड ने जो तर्क दिया है, उसके विपरीत पैनल ने कहा कि "अनुच्छेद 17.6(ii) में समीक्षा का मानक स्मरणीय था।", यद्यपि यह विवरण पैनल की रिपोर्ट के भाग में दिया गया था जिसमें पैनल ने अनुच्छेद 17.6 के अंतर्गत समीक्षा के मानक पर चर्चा की। हम यह भी नोट करते हैं कि पैनल ने पूरे पाठगत और संदर्भगत विश्लेषण से स्पष्ट रूप से सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून के निर्वचन के पारंपरिक नियमों को लागू किया। इसके अतिरिक्त, पैनल का यह निर्वचन कि अनुच्छेद 3.4 उस अनुच्छेद में सूचीबद्ध सभी अलग-अलग कारकों के अनिवार्य मूल्यांकन यह अपेक्षा रखता है, स्पष्ट रूप से "अनुमतियोग्य" निर्वचन के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता कि सभी अलग-अलग कारकों पर विचार किए जाने की आवश्यकता नहीं है।

128. हम निष्कर्ष निकालते हैं कि पैनल अपने निर्वचन में सही था कि अनुच्छेद 3.4 में उस प्रावधान में सूचीबद्ध सभी कारकों का अनिवार्य मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है और यह कि इसीलिए पैनल ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 17.6(ii) के तहत समीक्षा के मानक लागू करने में कोई गलती नहीं की।"

- हम आपका ध्यान उपर्युक्त मामले (थाइलैंड – एच – वीन्स – (डब्ल्यूटी/डीएस122 /आर)) में पैनल की रिपोर्ट की ओर भी आकर्षित करते हैं जिसमें डब्ल्यूटीओ पैनल ने माना कि जब कई कारकों में सकारात्मक संचरण हो तो क्षति संबंधी निष्कर्ष के लिए जांचकर्ता प्राधिकारियों से एक विवशकारी स्पष्टीकरण लिए जाने की आवश्यकता होगी। संदर्भ की सफलता के लिए संगत पैराग्राफ नीचे दिया गया है:

"7.249 यद्यपि हम नहीं मानते कि आईपी के दौरान कई कारकों ने ऐसी सकारात्मक प्रवृत्तियां जांचकर्ता प्राधिकारियों को क्षति के अनुकूल निर्धारण करने से आवश्यक रूप से बाधित करेंगी, हमारा यह मत है कि कई कारकों में ऐसे सकारात्मक संचरणों के लिए स्पष्ट सकारात्मक प्रवृत्तियों के आलोक में क्यों और कैसे का मंजूरन स्पष्टीकरण की आवश्यकता होगी, घरेलू उद्योग करार के अभिप्राय से क्षतिग्रस्त था अथवा रहा। विशेष रूप से हम मानते हैं कि ऐसी स्थिति के लिए पूरा और समझाने वाले स्पष्टीकरण की आवश्यकता होगी कि ऐसे सकारात्मक संचरणों को कैसे किसी अन्य कारक अथवा तत्व द्वारा उपेक्षित किया गया जो आईपी के दौरान नकारात्मक दिशा में जा सकता थी।"

- यह अनुरोध है कि अनुबंध-II के संदर्भ में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर आयात के प्रभाव की वस्तुपरक जांच की आवश्यकता होती है। इस पर विवाद नहीं किया गया कि चीन से आयातों की मात्रा पूर्ण रूप में बढ़ी है। तथापि, यह वृद्धि घरेलू उत्पादन और खपत के संबंध में केवल आंशिक है। कोई प्रभाव नहीं है क्योंकि आयातों के कारण कोई कीमत न्यूनीकरण अथवा ह्रास नहीं है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के अधिकतर संगत आर्थिक मानदंड सकारात्मक हैं और गिरावट की बजाए सुधार दर्शाते हैं। केवल तीन मानदंडों ने "आंशिक" गिरावट दर्शाई है, अतः यह अनुरोध है कि वर्तमान मामले में कोई क्षति नहीं है और इसीलिए जांच को रद्द किए जाने की आवश्यकता है।
- उत्तरदाता ने अनुरोध किया था कि कुल भारतीय "टेक्सटाइल रिडिफोर्ड कनवेयर बेल्ट" बाजार में से लगभग 45 से 50 प्रतिशत मांग सार्वजनिक क्षेत्र की यूनिट (पीएसयू) तथा अन्य शीर्ष निजी क्षेत्र की कंपनियों से आती है और यह तथ्य कि ये संगठन निविदाओं के माध्यम से कनवेयर बेल्ट लेते हैं क्योंकि मात्रा अधिक होती है। इस संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी की जानकारी में यह लाया गया था कि "टेंडर" की एक शर्त में कनवेयर बेल्ट के आपूर्तिकर्ताओं के लिए एसआरएफ/मदुरा/निलोन/ एनआरसी से अथवा डुपोंट यूएसए से, परफॉर्मेंस फाइबर (पूर्व में हनीवेल) तथा ओलबो (जर्मनी) से फैब्रिक खरीदना अपेक्षित है जो कनवेयर बेल्ट के विनिर्माताओं को इस प्रयोजन के लिए चीन से "बेल्टिंग फैब्रिक" लेने से बाधित करता है। यद्यपि यह अनुरोध निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा रिकार्ड भी किया गया था, तथापि इसका समाधान नहीं किया गया है। अतः यह अनुरोध है कि अंतिम जांच परिणाम जारी करते समय इस पहलू की जांच की जाए।

कच्ची सामग्री लागत

- पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए अनुरोधों के अनुसार अर्थात् कच्ची सामग्री की कम लागत में कारक देकर घरेलू उद्योग की एनआईपी नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न की कच्ची सामग्री की लागत दर्शाने के लिए समायोजित की जानी है ताकि क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजन से एक समुचित रूप से एक-एक करके तुलना की जा सके।
- इस संबंध में यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग ने इस तथ्य का विरोध नहीं किया है कि नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न, जो कि चीनी विनिर्माताओं द्वारा लगाई गई कच्ची सामग्री है, घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त कच्ची सामग्री से सस्ती है। वस्तुतः निर्दिष्ट प्राधिकारी उत्तरदाताओं के इस अनुरोध से असहमत नहीं हुए, अतः जब घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत कच्ची सामग्री की लागत के कारण अधिक है तो चीनी आयातों को उस आधार पर दंडित नहीं किया

जा सकता। इस प्रकार, 20 प्रतिशत तक के समायोजन घरेलू उद्योग की एनआईपी का परिकलन करते समय उसकी कच्ची सामग्री की लागत में किए जाने की आवश्यकता है।

अग्रिम प्राधिकार के विरुद्ध तथा निर्यातोन्मुख (ईओयू) यूनिटों द्वारा आयात

- इसके अतिरिक्त, जैसा कि कीमत कटौती विश्लेषण में पूर्व में उल्लेख किया गया, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अग्रिम प्राधिकार और ईओयू के विरुद्ध किए गए आयातों के पहुँच मूल्य पर भी विचार किया है जिसमें कोई सीमा शुल्क तथा अन्य संबद्ध शुल्क नहीं दिए गए हैं। निर्यात के लिए टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट के विनिर्माण में प्रयुक्त शुल्क मुक्त आयातों को कनवेयर बेल्ट के विनिर्माण के लिए बने आयातों के समान नहीं माना जा सकता जो कि घरेलू बाजार में वहां बेचे जाते हैं जहां सीमा शुल्क और अन्य प्रभार दिए जाते हैं। उस सीमा तक अग्रिम प्राधिकार और ईओयू के माध्यम से किए गए आयातों को चीन से संबद्ध सामानों के भारित औसत पहुँच मूल्य पर विचार करते समय अलग किया जाना चाहिए अथवा वैकल्पिक रूप से शुल्कों के लिए समायोजन आयात प्राधिकार के विरुद्ध किए गए आयातों के लिए उन्हें भारत के घरेलू बाजार में बेचे गए कनवेयर बेल्टों के विनिर्माण के लिए निर्मित आयातों के समान लाने के लिए शुल्कों का समायोजन किए जाने की आवश्यकता है।

नियोजित पूंजी पर आय

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के अनुबंध-IV में दर्शाया है कि घरेलू उद्योग की एनआईपी का परिकलन नियोजित पूंजी पर आय (आरओसीई) 22 प्रतिशत पर विचार करते हुए किया है। यह अनुरोध है कि यह अत्यधिक बढ़ा हुआ आरओसीई है जिसका सहारा नहीं लिया जाना चाहिए और उस अवधि से संबंधित ऐतिहासिक आंकड़ों पर आधारित अधिक उपयुक्त आय को लिया जाना चाहिए जब घरेलू उद्योग ने आयातों के कारण क्षति होने का दावा नहीं किया था।
- ब्रिज स्टोन टायर मैनुफैक्चरिंग और अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी [2011 (270) ई.एल.टी. 696 (ट्रि. - डेल.)] माननीय सेसटेट ने यह पाया कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई 22 प्रतिशत आरओसीई की परिपाटी सही नहीं थी क्योंकि इतनी अधिक आय दर को लेकर एनआईपी का परिकलन करना कम कीमत पर बिक्री की बढ़ी हुई तस्वीर देता है।
- इस संबंध में आरओसीई के निर्धारण में ईयू द्वारा अपनाई गई परिपाटी भी उपर्युक्त अनुरोध को समर्थन देती है। टी-210/95 यूरोपियन फर्टिलाइजर्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन (ईएफएमए) बनाम परिषद [1999] ईसीआर II-3291 के मामले में न्यायालय ने माना कि:

"यह मानता है कि लक्ष्य कीमत, जो प्रश्रुत क्षति को समाप्त करेगी, का परिकलन करते समय परिषद द्वारा प्रयुक्त किया जाने वाला लाभ मार्जिन उस लाभ मार्जिन तक सीमित होना चाहिए जिसे समुदाय उद्योग पाटित आयातों के अभाव में प्रतिस्पर्द्धा की सामान्य स्थितियों में उपयुक्त रूप से ले सकें। यह पाटन न होने की स्थिति में उम्मीद किया जा सकने वाला लाभ मार्जिन समुदाय उद्योग को देने के लिए मूल विनियम के अनुच्छेद 4(1) और 13(3) के अनुरूप नहीं होगा।"

- उपर्युक्त परिपाटी सिद्ध करती है कि उपयुक्त आय निकालने के लिए लाभ मार्जिन जब कोई पाटन नहीं था तो उस समय के लाभ के विश्लेषण पर आधारित होना चाहिए।

जैसा कि एनसीवी प्रकटन विवरण में दर्शाया गया है, चीन से आयात जांच की अवधि में भारत में कुल संबद्ध आयातों का 92.18 प्रतिशत है जो स्पष्ट रूप से भारतीय बाजार की अधिकतर मांग को पूरा करता है। यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाएगा तो इससे याचिकाकर्ता को अनुचित संरक्षण मिलेगा जो आसानी से तब तक घरेलू बाजार पर जांच के अधीन उत्पाद की कीमत में आसानी से हेराफेरी कर पाएगा और कीमतों को एकाधिकारिक लाभ अर्जित करने के लिए संभवतः ऊपर लाएगा जिससे लागत में वृद्धि होगी तथा निचले उद्योगों की प्रतिस्पर्द्धा कम होगी और निचले प्रयोक्ताओं से बेल्डिंग फैब्रिक के लिए मांग में काफी कमी भी आएगी। टेक्सटाइल के निर्यात सहित निचले टेक्सटाइल उद्योग का निष्पादन प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा जो भारत के समग्र सार्वजनिक हित के विरुद्ध जाता है।

इस मामले में, पाटनरोधी उपाय लागू करना भारतीय घरेलू उद्योग और उसके निचले उद्योगों के समग्र हित के लिए असंगत है।

एआईआरआईए का विश्वास है कि पाटनरोधी जांच का उद्देश्य उचित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ऑर्डर की सुरक्षा करना है। व्यापार संरक्षण के साधन के रूप में पाटनरोधी उपायों का अनुचित कार्यान्वयन उद्योग की सुरक्षा नहीं कर सकता और इसकी बजाए इससे अनुचित प्रतिस्पर्द्धात्मक वातावरण बनेगा तथा आगे के लिए घरेलू उद्योग के मौलिक हितों की क्षति होगी।

74. मैसर्स एआरबी कनवेयर्स ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- भारत में बेल्टिंग फैब्रिक के केवल कुछ ही विनिर्माता हैं, एसआरएफ लि. विश्व में "बेल्टिंग फैब्रिक" का दूसरा सबसे बड़ा विनिर्माता है (एसआरएफ की वेबसाइट देखें)। एसआरएफ लि. के अतिरिक्त, भारत में बेल्टिंग फैब्रिक के चार अन्य विनिर्माता हैं, यथा – (क) मैसर्स एनआरएस लि., (ख) मैसर्स मधुरा लि. और (ग) मैसर्स निलोन लि. तथा मैसर्स सनरेहा।
- इस प्रकार, कनवेयर बेल्ट के अन्य विनिर्माताओं के हितों का टकराव है। "रिपोर्ट" के अनुसार भारत में टेक्सटाइल रिइंफोर्सड कनवेयर बेल्ट के लगभग 43 विनिर्माता हैं जिनमें से शीर्ष पांच विनिर्माताओं का लगभग 80 प्रतिशत बाजार हिस्सा है। संक्षेप में, बेल्टिंग फैब्रिक के उपर्युक्त तीन विनिर्माताओं को छोड़कर कनवेयर बेल्ट के शेष विनिर्माताओं के पास एसआरएफ लि. से भी बेल्टिंग फैब्रिक की खरीद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है जो उन्हें एकाधिकारिक स्थिति में रखता है।
- प्रयोक्ताओं को भारतीय बेल्टिंग फैब्रिक विनिर्माताओं की कम उत्पादन क्षमता के कारण विलंब से सुपुर्दगी की समस्याओं का सामना करना होगा। फैब्रिक पहले से ही ज्यादा बुक है।
- बेहतर प्रौद्योगिकी और मशीनरी के कारण चीनी विनिर्माता नॉन एडेसिव एक्टिवेटेड पॉलिस्टर यार्न का प्रयोग करते हैं जो कि टाइप ईई बेल्टिंग फैब्रिक के विनिर्माण के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री है।
- भारतीय फैब्रिक विनिर्माताओं ने लागत कम करने के लिए फैब्रिक के पुनः डिजाइन करने पर जोर दिया। यह कथन स्वीकार करता है कि उनकी वर्तमान फैब्रिक की डिजाइन के परिणामस्वरूप अधिक लागत आ रही है।
- उद्योग को तत्काल बेल्टिंग फैब्रिक की 100 से अधिक शैलियों की आवश्यकता है ताकि वे भारतीय बाजार की पूर्ति कर सकें और यह तब तक संभव नहीं है जब तक वे चीन से फैब्रिक का आयात न करें क्योंकि घरेलू उद्योग उनकी मांग को पूरा करने में असमर्थ है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

75. प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के उत्तर में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच निम्नलिखित रूप में की है। प्रकटीकरण विवरण में किसी भी प्रकार की मामूली टंकण संबंधी त्रुटियों को उचित रूप से संशोधित किया गया है।

- (i) प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध नोट करते हैं। प्राधिकारी दोहराते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए नमूना साक्ष्य के आधार पर यह सिद्ध है कि घरेलू उद्योग ने निर्यातक तथा ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा हटाए जाने के लिए अनुरोध किए गए ग्रेडों का उत्पादन करने की क्षमता है। घरेलू उद्योग ने इन ग्रेडों की बिक्री भी की है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि प्रयोक्ता उद्योग एसोसिएशन ने यद्यपि विभिन्न मुद्दों के संबंध में अनुरोध किए हैं, तथापि, ऐसे किसी साक्ष्य के साथ उनके किसी सदस्य ने विस्तृत प्रश्नावली दायर नहीं की है जिसमें घरेलू उद्योग हटाए जाने के लिए उनके द्वारा प्रस्तावित ग्रेडों की आपूर्ति नहीं कर सकता। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि बेल्टिंग फैब्रिक के सभी ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत हैं, जैसा कि जांच की शुरुआत की अधिसूचना में उल्लिखित है तथा किसी भी ग्रेड को हटाने की आवश्यकता नहीं है।
- (ii) जहां तक चीन के विभिन्न उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान किए जाने का संबंध है, प्राधिकारी मानते हैं कि डब्ल्यूटीओ ने चीन के अभिगम नयाचार के अनुसार उपयुक्त औचित्य तथा तथ्यों के साथ बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर सिद्ध करने का दायित्व चीन के भागीदार उत्पादकों/निर्यातकों का है। उपर्युक्त के मद्देनजर एक उत्पादक/निर्यातक अर्थात् मैसर्स जियांगसू तैजी इंडस्ट्री न्यू मैटेरियल्स कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया, परंतु बाद में उसे वापस ले लिया। अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना अपनाने की अपनी सतत परिपाटी के अनुसार चीन के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निर्मित किया है। इस प्रयोजन के लिए उन्होंने अन्य बातों के साथ-साथ प्रमुख कच्ची सामग्री तथा यूटिलिटियों, अंतर खरीदी गई कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, कैप्टिव रूप से खरीदी गई कच्ची सामग्री की कीमतों, जिनमें उपयुक्त परिवर्तन लागत, ब्याज, एसजीए और उपयुक्त लाभ आदि शामिल हैं, के लिए इष्टतम खपत मानदंडों पर विचार किया है।
- (iii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने निर्यातक सत्यापन रिपोर्ट की प्रति का दावा किया है। प्राधिकारी ने प्रकटन में उल्लेख किया था कि कारखानागत निर्यात कीमत और पहुँच मूल्य को डेस्क अध्ययन संबंधी संगत निर्यात दस्तावेजों के साथ उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत तथा समायोजनों के संबंध में नमूना साक्ष्य के आधार पर वैध किया गया है। प्राधिकारी ने डेस्क अध्ययन के बाद अपनी सतत परिपाटी के अनुसार सहयोगी

उत्पादकों/निर्यातकों को गोपनीय आधार पर उन्हें सत्यापित कारखानागत निर्यात कीमत और सीआईएफ प्रकट किया है। घरेलू उद्योग को गोपनीय आधार पर एनआईपी प्रकट किया गया है। पहुँच मूल्य का "एनसीवी" विवरण कारखानागत निर्यात कीमत और एनआईपी जांच परिणाम के संगत भाग में उल्लिखित की गई है, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा सतत रूप से किया जाता है।

- (iv) जहां तक पहुँच मूल्य की गणना करते समय संबद्ध सामानों के शुल्क मुक्त आयातों को शामिल करने का संबंध है, प्राधिकारी मानते हैं कि किसी भी प्रयोक्ता ने जांच में प्रभावली का उत्तर नहीं दिया। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग को एफटीपी के प्रावधानों के अनुसार उसके अवैध होने के बाद अग्रिम लाइसेंस के विरुद्ध भी आपूर्ति करने का अवसर है। अतः क्षति के विश्लेषण के लिए शुल्क मुक्त आयातों को शामिल करना उपयुक्त है जिस पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
- (v) प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि अर्थात् 2013-14 से 2015-16 तथा जांच की अवधि अर्थात् 2016-17 के दौरान घरेलू उद्योग के विभिन्न मानदंड अर्थात् उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग पूर्णतः स्थिर रहे हैं। वस्तुतः जांच की अवधि में घरेलू उद्योग ने उच्चतम क्षमता उपयोग प्राप्त करते हुए क्षति की अवधि की तुलना में अपनी क्षमता बढ़ाई है। फिर भी, जांच की अवधि में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष और पूर्व वर्ष की तुलना में थोड़ा-सा कम था, और घरेलू उद्योग का उत्पादन एवं घरेलू बिक्री पूर्ण संख्या में जांच की अवधि में उच्चतम थी।
- (vi) प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की अवधि (2013-14 से 2015-16) और जांच की अवधि में कीमत कटौती जांच की अवधि में उच्चतम रहते हुए सकारात्मक रही। आयातों का पहुँच मूल्य 2014-15 में 2013-14 की अपेक्षा बढ़ गया, परंतु जांच की अवधि में न्यूनतम था। बिक्री की लागत क्षति की अवधि में निरंतर कम हुई और इसके बाद जांच की अवधि अर्थात् 2013-14 से 2016-17 तक घटती रही। प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि आपातकालीन आवश्यकताओं के लिए प्रयोक्ता उद्योग विचाराधीन उत्पाद को लेने के लिए घरेलू उद्योग पर निर्भर रहता है, परंतु अंतिम उत्पादों अर्थात् कनवेयर बेल्टों, जो आयात के लिए पर्याप्त समय देते हैं, के नियमित रख-रखाव के लिए बाजार प्रयोक्ता उद्योग से पाटित आयात लेने के लिए बदल रहा है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के संबद्ध सामानों की घरेलू बिक्री कीमत में क्षति की अवधि और जांच की अवधि में उस अवधि में बिक्री लागत के बीच व्यापक रूप से गिरावट आई है।
- (vii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मानदंडों अर्थात् उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्से में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किसी भी नकल के प्रयास के लिए उसके विभिन्न मानदंडों अर्थात् एनएसआर, लाभप्रदता, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय पर उस समय प्रतिकूल प्रभाव डालकर व्यापार करने की आवश्यकता होगी जब वह उसके बाजार हिस्से की सुरक्षा करे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की नियोजित पूंजी पर आय (आरओसीई) यद्यपि जांच की अवधि में कम हुई, तथापि वह हानियों में नहीं गई और इसकी बजाए सकारात्मक लाभप्रदता अर्थात् व्याज एवं कर पूर्व लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर सकारात्मक आय बनाए रखने में सक्षम रहा जिसमें क्षति की अवधि और जांच की अवधि में उसका "एनएसआर" आयातों के पहुँच मूल्य से अधिक बना रहा। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि कीमत मानदंडों में प्रवृत्ति निष्कर्ष रूप से यह सिद्ध नहीं करती कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

निष्कर्ष एवं सिफारिशें

76. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच करने पर और उपर्युक्त तथ्यों, परिस्थितियों और विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं:

- (i) संबद्ध सामानों के लिए घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त "निवल बिक्री वसूली" क्षति की अवधि और जांच की अवधि में संबद्ध सामानों के आयातों के पहुँच मूल्य से निरंतर संगत रूप से अधिक रही।
- (ii) यद्यपि, जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए परिकलित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन काफी है, तथापि, कीमत मानदंडों में प्रवृत्ति निष्कर्ष रूप से यह सिद्ध नहीं करती कि घरेलू उद्योग के लाभप्रदता निष्पादन पर पाटित आयातों के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- (iii) चूंकि, क्षति से नियोजित पूंजी पर आय कम हुई तथा घरेलू उद्योग की लाभप्रदता संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के पाटन के कारण निष्कर्ष रूप से नहीं हो सकी, अतः प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(ख) के तहत जांच को रद्द करते हैं तथा कोई पाटनरोधी उपाय लगाए जाने की सिफारिश नहीं करते।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30 June, 2018

FINAL FINDINGS

Subject : Anti-dumping duty investigation on the imports of Belting Fabric originating in or exported from People's Republic of China

1. **F. No. 14/35/2016-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “**the Act**”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “**the Rules**”) thereof.
2. And whereas, M/s SRF Limited (hereinafter also referred to as “**Petitioner**” or “**Applicant**” or “**domestic industry**” or “**SRF**”) filed an application in the present case before the Designated Authority (hereinafter also referred to as “**the Authority**”), Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties in accordance with the Act and the Rules for initiation of anti-dumping investigation and imposition of appropriate duty thereof on dumped imports of “**Belting Fabric**” (hereinafter referred to as “**the subject goods**” or “**the product under consideration**”) originating in or exported from People's Republic of China (hereinafter also referred to as “**the subject country**”).
3. And whereas, the Authority on the basis of prima facie evidence submitted by the Applicant justifying initiation of anti-dumping investigation, issued a public notice vide Notification No. 14/35/2016-DGAD dated 23rd August, 2017 in accordance with the Rule 5 of the Rules to examine and determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject country, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry

A. PROCEDURE

4. Procedure described herein below has been followed with regard to this investigation, after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority:
 - i. The Authority notified the Embassy/Representatives of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification to the embassy of the subject country in India, known producers/exporters from the subject country, known importers/users in India, other Indian producers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of the subject country and Importers/users in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - iv. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to the Embassy along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject country.
 - v. The Authority sent Exporter's Questionnaire and Market Economy Treatment Questionnaire to the following known producers/exporters to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. Zhangjiangang City East Ocean Technical Fabric Co. Ltd, China PR
 - b. Foshan Nanhai Jiarunliang Industrial Belt Co., Ltd., China PR
 - c. Zhejiang Hongbang Industry Ltd., China PR
 - d. Feicheng Taishan Plastic-Coated Canvas Co., Ltd., China PR
 - e. Hebei Lanyu Rubber & Plastic Products Co., Ltd., China PR
 - f. Hengshui Jintaiyang Conveying Machinery & Eng. Co., Ltd., China PR

- g. Zhejiang Unifull Industrial Fibre Co., Ltd., China PR
 - h. Shandong Helon Polytex Chemical Fibre Co. Ltd., China PR
 - i. Wuhu S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR
 - j. Oriental Industries (Suzhou) Limited, China PR
- vi. In response to the above notification, the following exporters/ producers responded and submitted questionnaire responses.
- a. Shandong Helon Polytex Chemical Fibre Co., Ltd., China PR
 - b. WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR
 - c. Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR
 - d. Oriental Textile (Holding) Limited "OTTI")
 - e. Oriental Industries (Suzhou) Ltd. OTZI, China PR
 - f. Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., China PR
- vii. Further, Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR filed the Market Economy Treatment Questionnaire response but withdrew it later.
- viii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- a. Filatech Enterprises Private Limited, Haryana
 - b. Rachna Textiles India Private Limited, MP
 - c. Arvind Limited, Gujarat
 - d. Marc Industries, Tamil Nadu
 - e. Sanrhea Technical Textiles Limited, Gujarat
 - f. Madhura Industrial Textiles Limited, Maharashtra
- ix. In response to the initiation notification, none of the importers filed importer questionnaire response. However, M/s ARB conveyers has filed submissions with certain data. M/s Sanrhea Technical Textiles Limited has filed post hearing submissions.
- x. M/s Oxford Rubbers Private Ltd. filed data/submissions at quite a belated stage through letter dated 5th June, 2018. In this letter they have submitted that Designated Authority may consider submissions filed by their Advocate i.e. M/s World Trade Consultants. The Authority has appropriately considered various submissions filed by M/s World Trade Consultants as also narrated in the disclosure. Further post disclosure comments filed by M/s World Trade Consultants have also been appropriately considered. The Authority however does not consider it appropriate to consider specific data filed by M/s Oxford Rubbers Private Ltd. at a belated stage keeping in view the sanctity of timelines and principles of natural justice.
- xi. Further, All India Rubber Industries Association filed objections to the petition and initiation thereof within the time line prescribed by the Authority. During oral hearing All India Rubber Industries Association and its members desired to file importer/user questionnaire response. The submissions were filed at belated stage only by All India Rubber Industries Association on 1st May, 2018 which have been considered in this final findings. No other user present in the oral hearing filed any questionnaire response/submissions.
- xii. China Chamber of Commerce of Import and Export of Textile and Apparel also filed objections to the petition and initiation thereof but the same were filed after the prescribed time line.
- xiii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiv. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions.
- xv. The Non-Injurious Price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to

ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.

- xvi. The Authority held an oral hearing on 12th March, 2018 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance with Rule 6 (6), which was attended by the representatives of domestic industry and other interested parties. All the parties who presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions of their views expressed orally. The parties were also advised to collect written submissions made by the opposing parties and submit their rejoinders thereafter.
- xvii. The verification of the information provided by the domestic industry was carried out to the extent considered necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon.
- xviii. Desk verification was carried out of data filed by the following producers/ exporters in the subject countries:
M/s WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR; M/s Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR; M/s Oriental Textile (Holding) Limited “OTTI”, China PR and M/s Oriental Industries (Suzhou) Ltd. OTZI, China PR; M/s Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., China PR; M/s Shandong Helon Polytex Chemical Fiber Co., Ltd., China PR.
- xix. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review investigation is April 2016 – March 2017 (12 months). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period- 2013-14, 2014-15, 2015-16 and the POI.
- xx. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this final findings.
- xxi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xxii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the views/observations on the basis of the facts available.
- xxiii. The Authority issued a disclosure statement under Rule 16 on 28th May, 2018 and provided an opportunity to give comments to the disclosure statement till 6th June, 2018.
- xxiv. ‘***’ in this document represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules. () bracket in this final findings indicates negative number/range.
- xxv. Exchange rate for POI has been taken by the Authority as Rs.67.95 = 1 US\$.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

B.1. Views of the Domestic industry

5. The views of the domestic industry are as follows:

- i. The product under consideration in the present petition is “Belting Fabric” which is usually made of either nylon or polyester or a combination thereof. It is a Rubberized Textile Fabric (RTF) or Conveyor Belt Fabric (CBF) produced from various industrial yarns like Nylon 6 (N6), Nylon 66 (N66) and Polyester Industrial Yarn (PIY). It is being produced and sold either as grey fabric or as dipped fabric. In case of sale of grey fabric, the consumers may do dipping of the fabric in-house before consumption of the product.
- ii. The Applicant’s strength lies in customization of the subject goods for its customers and offering a wide range of designs to them. The product line up of the applicant constitutes dipped belting fabrics in both ply belting as well as solid woven variety. The solid woven fabrics are suitable for heavy-duty use, where strength and dynamic strain resistance are required. Besides added strength, the solid woven construction allows for more acute roller angles of monopoly-belt. The most common use of the fabric is in Conveyor Belts.
- iii. It is a woven fabric having length wise threads called “WARP” and width wise threads called “WEFT”. It is reinforcement material for manufacturing of Conveyor Belts. Prominent mines and/or industries which use conveyor belts are in the fields of Coal, Steel, Cement, Power etc.
- iv. Model-match criteria or PCN system- Based on raw material consumed and resultant end usage requirement in a conveyor belt, various yarn varieties are used in the following combinations. Accordingly, the product under

consideration has been categorized into these product types for the purpose of determination of dumping margin, price undercutting and injury margin for the proposed POI.

<u>Conveyer Belt Fabric Name</u>	<u>Type of yarn</u>	
	WARP	WEFT
a. NN(<i>Nylon 6 and Nylon 6</i>)	N6	N6
b. EP(<i>Polyester Industrial Yarn and Nylon 66</i>)	PIY	N66
c. EE(<i>Polyester Industrial Yarn and Polyester Industrial Yarn</i>)	PIY	PIY
d. PP(<i>Nylon 66 and Nylon 66</i>)	N66	N66

- v. The product under consideration can be divided into four types based on type of yarn. If the interested parties consider that the product under consideration is required to be further categorized in different types, the petitioner has no reservation against the same. The Designated Authority may decide an appropriate PCN. The petitioner shall provide the data accordingly.
- vi. There is no known difference in the PUC exported from China PR and that produced by the Indian industry. In the present case, both the imported and the domestic product have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. Consumers can use and are using the two interchangeably. The two are technically and commercially substitutable.
- vii. Belting Fabric is classified under subheading 59069990, Chapter 59 of the Customs Tariff. However, the Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
- viii. The domestic industry has the capability of supplying all types of width & light fabrics which is evident from their website having the description of product categories such as EE 80/ NN 80/ PP 80 /EP80. Based on customer requirement domestic industry can manufacture both wide as well as narrow range of width which goes as low as 52 cm. The petitioner has manufactured and supplied products beyond 315 rating. Relevant evidences have been put on record.
- ix. The domestic industry is commercially capable to cater the demand of the industry. The petitioner is in a position to produce and supply different styles of the product.
- x. Regarding the difference in technology employed for type EE and that employed by Chinese producers, the petitioner submitted that the polyester Yarns does not bond with Resorcinol Formaldehyde Latex (RFL) Brown Dipping Solution naturally. Polyester needs to be activated to bond it with RFL Dipping solution unlike Nylons. If this activation is not provided the fabric/yarns will not stick to RFL solutions. Generally, industry uses activated yarns. The process of activating fabric is more inefficient way of providing needed bonding of yarns with dipping solution. The technology of activating is readily available in India and elsewhere also and is rather considered as obsolete way of making these fabrics. Also fabric activation being inefficient way, generally Industry takes activated yarns. Further, there has been no demand or even query about non-activated adhesive yarn used belting fabric. The petitioner has the technology to manufacture the product following the process. The cost of activating the yarn is 5% of total cost of dipped fabrics. However, that of activating the fabric is 9-10%.
- xi. The claims regarding longer supply cycle, rising capital costs, lack of flexibility and difficulties to meet some customers because of main raw material relied on imports are unsubstantiated, without evidence, irrelevant and uncalled for in an anti-dumping investigation.
- xii. Regarding price of different categories of products, the petitioner has submitted that the petitioner has not adopted weighted average basis approach for the purpose of determining dumping margin and injury margin. Different categories of product have led to the formation of product control number system. Accordingly, the petitioner has provided category wise information.
- xiii. Regarding consideration of products mix instead of average price of all types and the detailed classification of product price information, the petitioner has submitted that the Authority may decide as it deems fit.

B.2. Views of the other interested parties

6. The following interested parties have made submissions as follows:

- i. The product has been categorized into 4 product types in the write up part and while calculating price undercutting, there is a separate category “other grade/type” category also. DI needs to provide basis for same. If other grades are not part of PUC, they must be excluded.
- ii. SRF doesn’t supply narrow width fabric and certain light grade material due to economies of scale and other commercial factors. SRF doesn’t offer EE belting fabric beyond 315 rating. Petitioner has not described scope of PUC clearly and has considered whole range as subject goods.
- iii. Neither the petition nor the initiation notification is clear on scope of PUC. The DA may specify the scope the PUC clearly specifying the range of same.
- iv. The industry requires more than 100 styles of belting fabric at once so that they are able to cater to the Indian market, and this is not possible until and unless they import the fabric from China because the domestic industry is unable to cater to their demands
- v. There is difference in technology employed for type EE and that employed by Chinese producers. This results in substantial reduction of cost, by 20%. Chinese manufacturers use “Non-Adhesive Activated -Polyester Yarn” whereas “Adhesive Activated - Polyester Yarn” is used by DI.
- vi. The main raw materials relied on imports may also lead to longer supply cycle, rising capital costs, lack of flexibility and difficulties to meet some customers who have tight lead time requirements.
- vii. Price of different categories of products have huge difference as the cost and price of PP or NN are higher than EP, and that of EP are higher than EE, while the processing costs remains similar. Chinese products exported to India are more of the categories of lower costs and prices, mostly EE (lowest one) and some EP (the second lowest type). Thus, it is inappropriate to calculate the price of belting fabric with high price in the range of the products involved.
- viii. If the products mix (variety of combination of weights of each category of goods) is not considered by the Authority instead of average price of all types, objective judgment would be difficult. The Authority should conduct detailed classification of product price information.

B.3. Examination by the Authority

7. The Authority notes that the product under consideration has been comprehensively defined in the Initiation Notification dated August 23, 2017. The product under consideration in the present investigation is “Belting Fabric” which is classified under Chapter 59, heading 5906 i.e. Rubberized Textile Fabrics, other than those of heading 5902. Point 4 in the Notes of the Chapter 59 clarifies the meaning of expression “rubberised textile fabrics” for the purpose of heading 5906 as:

“(a) Textile fabrics impregnated, coated, covered or laminated with rubber:

 - i. *Weighing not more than 1,500 gram square meter*
 - ii. *Weighing more than 1,500 gram square meter and contains more than 50% by weight of textile material.”*
8. Belting Fabric is normally made of either nylon or polyester or a combination thereof. It is a Rubberized Textile Fabric (RTF) or Conveyor Belt Fabric (CBF), produced from various industrial yarns like Nylon 6 (N6), Nylon 66 (N66) and Polyester Industrial Yarn (PIY). It is being produced and sold either as grey fabric or as dipped fabric. In case of sale of grey fabric, the consumers may do dipping of the fabric in-house before consumption of the product.
9. The Authority notes the submissions regarding exclusion of EE belting fabric beyond 315 rating, off spec products in imports and inability of Domestic Industry to supply low width fabric and holds that since DI has provided sample evidences on their product range, the PUC is inclusive of all grades, variants and ratings of subject goods. As regards off specs material and other grades, the Authority notes that the imports of subject goods logged under DGCI&S data and that filed by the cooperating producers/exporters almost correlate. The PCN’s mentioned by cooperating producers/exporters have been considered appropriately on an apple to apple basis for evaluating dumping and related injury.
10. Since specific exclusions of PUC as submitted have been addressed, the other grades reported in small quantities in imports are variants of the 4 types of PCN’s and since no other specific exclusion of any PCN has been sought by any cooperating Producer/Exporter, the Authority does not considered any exclusion under the scope of subject goods and has evaluated weighted average Dumping Margin and Injury Margin taking into account the PCN’s reported by the cooperating producers/exporters in their response.
11. It is noted that belting fabric is produced in a large combination of raw material and construction, using different combination of nylon & polyester yarn of different deniers. The product under consideration is a woven fabric having length wise threads called “WARP” and width wise threads called “WEFT”. The product

under consideration is reinforcement material for manufacturing of Conveyor Belts. Prominent mines and/or industries which use conveyor belts are in the fields of Coal, Steel, Cement, Power etc.

12. It is further noted that based on raw material consumed and resultant end usage requirement in a Conveyor Belt, various yarn varieties are used in the various combinations. Accordingly, the product under consideration has been categorized into these product types and considered in this investigation.

<u>Conveyer Belt Fabric Name</u>	<u>Type of yarn</u>	
	WARP	WEFT
a. NN(<i>Nylon 6 and Nylon 6</i>)	N6	N6
b. EP(<i>Polyester Industrial Yarn and Nylon 66</i>)	PIY	N66
c. EE(<i>Polyester Industrial Yarn and Polyester Industrial Yarn</i>)	PIY	PIY
d. PP(<i>Nylon 66 and Nylon 66</i>)	N66	N66

13. As regards difference in the production process resulting in cost difference, the Authority notes that the manufacturing processes followed by the producers in China and India are resulting in products with same specification meeting the requirements of the same consumers in the market place. Therefore, it is held that the distinction of production process is not relevant for the purpose of like article in this investigation.
14. It is further noted that industry uses activated yarns generally as the process of activating fabric is more inefficient way of providing needed bonding of yarns with dipping solution as the cost of activating the yarn is 5% of total cost of dipped fabrics. However, that of activating the fabric is 9-10%. Further, the respondents have failed to provide any evidence regarding demand of non-activated adhesive yarn used belting fabric.
15. The Authority notes from the aforesaid aspects and information available on record that the product under consideration produced by the domestic industry is like article to the goods imported from the subject country. Product under consideration produced by the domestic industry and imported from the subject country are comparable in terms of physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The goods produced by the domestic industry and imported from the subject country are like articles in terms of the Rules. The two are technically and commercially substitutable. The Authority therefore holds that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from subject country within the scope and meaning of Rule 2(d) of antidumping Rules.
16. The Customs classification of the product under consideration is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

C.1. Views of the Domestic industry

17. Following submissions have been made by the domestic industry:
- The petition has been filed by M/s SRF Limited. SRF accounts for substantial share (around 61.69%) in production of the product concerned in India.
 - The petitioner has neither imported subject goods from any country nor is related to a producer-exporter of the subject goods in China or an importer in India.
 - There are five other producers of subject goods in the country i.e Madhura Industrial Textiles, Sanrhea Technical Textiles, NRC Limited, Johnson Rubber Industries Limited and Brij Textiles.
 - The petitioner has sufficient standing and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.
 - MIT has put on record its support for the imposition of duty and its data for the product concerned. Brij Textiles has also conveyed its position to the DGAD with regard to the present investigation.
 - If NRC and Johnson Rubber are manufacturing textile reinforced conveyor belt, the same does not mean that they are not the producers of Belting Fabric. Both these manufacturers supported the imposition of duty during public hearing.

- vii. Just because Sanrhea manufactures a host of industrial textiles, the same do not mean that it is not a producer of belting fabric.

C.2. Views of the other interested parties

18. None of the interested parties has raised any issues with respect to the standing of the applicant in the present investigation. However, following issues were raised regarding the name of other producers:
- i. MIT-MOL and Brij Textiles are not manufacturers of Belting fabric as mentioned in the petition.
 - ii. NRC and Johnson Rubber are manufacturers of “textile reinforced conveyor belt” and their small capacities of belting fabric are mostly for their captive consumption.
 - iii. Sanrhea manufactures a host of industrial textiles and belting fabric is only 25-30% of their total capacity. Their range is also limited.

C.3. Examination by the Authority

19. The Authority notes that the petition has been filed by M/s SRF Limited which accounts for a substantial share i.e. ***% in production of the product concerned in India. It is further noted that they have neither imported the product under consideration, nor they are related to any importer or exporter of the product under consideration. The production by the Petitioner constitutes ‘a major proportion’ of Indian production of the like product. The application is therefore considered to have been made by and on behalf of the domestic industry and the application satisfies the requirements of ‘standing’ under Rule 5 of the AD Rules. Thus, Authority holds the Petitioner constitutes ‘Domestic Industry’ in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.
20. It is further noted that two other producers i.e. Madura Industrial Textiles Ltd. and Sanrhea Technical Textiles Limited have also supported and requested for imposition of Anti-Dumping Duty. Share of Domestic Industry and the 2 supporters becomes ***%.
21. The Authority further notes that NRC, Johnson and Sanrhea cannot be excluded from the scope of Domestic Industry on the grounds that they are in production of other products including the downstream product.

E Determination of Normal Value, Export Price and Dumping Margin

E.1. Views of the Domestic Industry

22. The following are the submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
- i. Market economy status cannot be granted to the respondents unless the responding exporters satisfy that none of their major shareholders is a state owned/controlled entity, that the prices of major inputs substantially reflect market values; unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules and that the responding company has participated in the present investigation along with its related parties involved with PUC.
 - ii. Market economy treatment cannot be given where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS).
 - iii. It is for the responding Chinese exporters and not for the Authority to establish that they are operating under market economy conditions.
 - iv. In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
 - v. The normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules in view of the aforementioned facts and circumstances.
 - vi. While Art. 15(a)(ii) of China’s Accession Protocol expired on December 11, 2016, the Authority must treat China PR as a non-market economy (NME) in the present investigation for the reason that a major part of the POI was prior to December 11, 2016 as the situation prevailing during the POI becomes the relevant consideration.
 - vii. Normal value in China of the product under consideration could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available.

- viii. Applicant has determined Normal Value in China on the basis of cost of production in India, by taking the import price into India of the major raw materials and duly adjusted with selling, general and administrative expenses and considering the consumption norms of the applicant. 5% profit has been considered.
- ix. The export price is constructed based on the information available from the import data after making due adjustment based on the best available information with the industry to make it comparable with normal value.
- x. The dumping margin in positive and substantial.
- xi. The response of the respondents should not be accepted given the fact that they have failed to disclose vital information, such as name of their related parties, details of their related party producing product under consideration, suppression of facts regarding benefits & incentives received by them.
- xii. The petitioner has made submissions and claims on normal value as per the best available information available to it. The Authority may appropriately adopt the methodology to determine normal value.
- xiii. None of the parties barring one i.e. Jiangsu Taiji have claimed MET. For the reasons mentioned above, none of the Chinese producers/exporters including Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR should be given the market economy treatment. Also, almost each and every information was claimed confidential in the MET QR which hampers our right to make effective comments. Further, Wuxi Taiji Industry Company Ltd., a listed, state holding company and Wuxi government (State owned bureau-Wuxi State Owned Assets Administration) holds significant shares in it, is 100% shareholder of Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd. and this fact has not been disclosed in the MET QR which raises apprehension regarding involvement of government in the management of the company.
- xiv. The very fact that the exporters have resorted to dumping gets established by their tacit admission in not denying existence of dumping.
- xv. Regarding the claims of Shandong HelonPolytex, the petitioner submitted that the respondent has made a blank statement without any evidence or support. Hence, the petitioner is not in a position to comment. The Designated Authority may decide as it deems fit in accordance with law and facts of the present investigation.

E.2. Views of other interested parties

- 23. The submissions made by the opposing interested parties are as follows:
 - i. The methodology of determination of the export price and dumping margin is not correct in accordance with the law and that the authority is deviating from the same.
 - ii. DA should grant MET to China based on the development of market economy of China, conduct any normal value calculation in accordance with Article 2 of ADA and apply the data and prices provided by the Company in this response for the determination of the normal value rather than applying analogue country data.
 - iii. Shandong HelonPolytex Chemical Fibre Co. Ltd. is not engaged in dumping of subject goods and the Authority is requested to determine individual dumping margin in terms of Section 9A of Customs Tariff Act, 1975.
 - iv. As regards the claim of Domestic industry regarding receiving benefits under various incentive schemes in China, it is submitted that the Domestic industry has not furnished any evidence in this regard; question A.4 of exporter questionnaire does not talk about the incentives, subsidies etc. and that the present is an anti-dumping investigation. Thus, such issues are not relevant here.
 - v. Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd. has submitted that anti-dumping duty is imposed on prospective basis and hence, imposition of anti-dumping duty after December, 2016 shall be based on the treatment of China PR as market economy.

E.3. Examination by the Authority

Normal Value

- 24. Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:
 - (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
 - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under subsection (6); or*

- (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

25. The Authority notes that Article 15 (a) (i) of the China's Accession Protocol in WTO requires the producers/exporters of China to establish their claim for market economy treatment. Para 7 and Para 8 of the AD Rules also stipulates requirements for such claims.
26. Only M/s Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd. (producer/exporter) from China PR has claimed market economy treatment which was later withdrawn. In view of this, as none of the producers/exporters have claimed market economy treatment, the Authority has therefore adopted the constructed normal value approach in view of the AD Rules. The normal value for all producers/exporters has been evaluated keeping in view Rule 6 (8) i.e. best available information of the AD Rules which reads as *"In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances."*
27. In view of the foregoing para, the normal value for the subject goods has been constructed considering optimum consumption norms for the major raw materials and utilities, international prices of purchased raw materials, prices of captively produced raw material, including reasonable conversion cost, interest, SGA, and reasonable profit etc.
28. The weighted average normal value for different grades in US\$/MT is as under:

S. No.	Grades	Value in US\$/MT
1.	EE	***
2.	EP	***
3.	NN	***
4.	PP	***

The constructed normal value is applied for all cooperating and non-cooperating producers/exporters.

Export Price

29. The Authority notes that five exporters from China PR have provided exports data in the questionnaire response which has been verified on a sample basis on desk study. The Net Export Price for the five cooperating exporters has been determined as follows:

i. Shandong Helon Polytex Chemical Fibre Co., Ltd., China PR

30. The Authority notes that M/s Shandong Helon Polytex Chemical Fibre Co., Ltd. ("SHP") as a producer and exporter of subject goods has exported only NN grade and has filed questionnaire response containing data on domestic selling price, export price to India, export price to other countries and cost of production. However, no market economy treatment questionnaire claiming market economy has been filed. During the desk verification of response, the representative of the producer/exporter further confirmed that they are not claiming market economy treatment. The documents related to export price to India including invoices, payments and adjustments have been provided by the producer/exporter on a sample basis. The Authority notes that producer/exporter has exported *** MT of NN type of subject goods at a CIF value of *** US\$ at per unit CIF of *** US\$/MT.

31. The producer/exporter has claimed adjustments on inland freight, handling charges, credit expense, ocean freight, ocean insurance and bank charges to an extent of *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT respectively and provided sample evidences. The Authority after considering the above adjustments referenced exfactory export price as *** US\$/MT.

ii. WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR

32. The Authority notes that M/s WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., as a producer and exporter of subject goods has exported EE, EP and NN grade and has filed questionnaire response containing data on domestic selling price, export price to India, export price to other countries and cost of production. However, no market economy treatment

questionnaire claiming market economy has been filed. During the desk verification of response, the representative of the producer/exporter further confirmed that they are not claiming market economy treatment. The documents related to export price to India including invoices, payments and adjustments have been provided by the producer/exporter on a sample basis. The Authority notes that producer/exporter has exported *** MT, *** MT and *** MT of EE, EP and NN grade of subject goods respectively at per unit CIF of *** US\$/MT, *** US\$/MT and *** US\$/MT of EE, EP and NN grades respectively.

33. The producer/exporter has claimed adjustments for EE grade on Inland Transportation, Handling, Overseas Transportation, Insurance, Credit, Foreign Bank Charge, Domestic Bank Charge to an extent of *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT respectively; *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT respectively for EP grade; *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT respectively for NN grade and provided sample evidences. The Authority after considering the above adjustments referenced exfactory export price as *** US\$/MT, *** US\$/MT and *** US\$/MT of EE, EP and NN grades respectively.

iii. Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR

34. The Authority notes that M/s Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., as a producer and exporter of subject goods has exported EE, EP and NN grade and has filed questionnaire response containing data on domestic selling price, export price to India, export price to other countries and cost of production. However, market economy treatment questionnaire claiming market economy has been withdrawn by the producer/exporter. During the desk verification of response, the representative of the producer/exporter further confirmed that they are not claiming market economy treatment. The documents related to export price to India including invoices, payments and adjustments have been provided by the producer/exporter on a sample basis. The Authority notes that producer/exporter has exported *** MT, *** MT and *** MT of EE, EP and NN grade of subject goods respectively at per unit CIF of *** US\$/MT, *** US\$/MT and *** US\$/MT of EE, EP and NN grades respectively.

35. The producer/exporter has claimed adjustments for Inland Freight, Handling Charge, Ocean Insurance, Overseas Freight, Bank Charges and Credit Cost to an extent of *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT respectively for EE grade; *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT respectively for EP grade and *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT respectively for NN grade and provided sample evidences. The Authority after considering the above adjustments referenced exfactory export price as *** US\$/MT, *** US\$/MT and *** US\$/MT of EE, EP and NN grades respectively.

iv. Oriental Textile (Holding) Limited "OTTI" and Oriental Industries (Suzhou) Ltd. OTZI, China PR

36. The Authority notes that Oriental Industries (Suzhou) Ltd. has exported the subject goods to India during the POI directly and also through M/s Oriental Textile (Holding) Ltd to an extent of *** MT and *** MT respectively. M/s Oriental Industries (Suzhou) Ltd. and M/s Oriental Textile (Holding) Ltd has filed questionnaire response containing data on domestic selling price, export price to India, export price to other countries and cost of production. However, no market economy treatment questionnaire claiming market economy has been filed. During the desk verification of response, the representative of the producer/exporter further confirmed that they are not claiming market economy treatment. The documents related to export price to India including invoices, payments and adjustments have been provided by the producer/exporter on a sample basis. The Authority has allowed adjustments on Inland Transportation, Handling, Overseas Transportation, Insurance, Credit, Bank Charge. Accordingly the weighted average net export price has been determined as *** US\$/MT.

v. Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., China PR

37. The Authority notes that M/s Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., as a producer and exporter of subject goods has exported EE and EP grade and has filed questionnaire response containing data on domestic selling price, export price to India, export price to other countries and cost of production. However, no market economy treatment questionnaire claiming market economy has been filed. During the desk verification of response, the representative of the producer/exporter further confirmed that they are not claiming market economy treatment. The documents related to export price to India including invoices, payments and adjustments have been provided by the producer/exporter on a sample basis. The Authority notes that producer/exporter has exported *** MT, *** MT of EE and EP grades of subject goods respectively at per unit CIF of *** US\$/MT and *** US\$/MT of EE and EP grades respectively.

38. The producer/exporter has claimed adjustments for EE grade on Credit Expense, Inland Transportation (including Handling fee), Overseas Freight, Overseas Insurance and Bank Charges to an extent of *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT for EE grade; *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT, *** US\$/MT respectively for EP grade and provided sample evidences. The Authority after considering the above adjustments referenced exfactory export price as *** US\$/MT and *** US\$/MT of EE and EP grades respectively.

Determination of Dumping Margin

39. Based on normal value and export price determined as above, the dumping margin for producers/exporters from subject countries has been determined by the Authority and the same is as follows:

S. No.	Country	Producer	Exporter	Normal Value – US\$/MT	Export price – US\$/MT	Dumping Margin – US\$/MT	Dumping Margin – %	Dumping Margin Range- %
1	China PR	Shandong Helon Polytex Chemical Fibre Co., Ltd., China PR	Shandong Helon Polytex Chemical Fibre Co., Ltd., China PR	***	***	***	***	30 - 40
2	China PR	WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR	WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR	***	***	***	***	30 – 40
3	China PR	Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR	Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR	***	***	***	***	50 – 60
4	China PR	Oriental Industries (Suzhou) Ltd. OTZI, China PR	Oriental Industries (Suzhou) Ltd. OTZI, China PR	***	***	***	***	20 – 30
			Oriental Textile (Holding) Limited "OTTI", China PR					
5	China PR	Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., China PR	Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., China PR	***	***	***	***	20 – 30
6	China PR	Any other than the producers at Sl. No. 1-5	Any other than the exporters at Sl. No. 1 -5	-	***	***	***	i. - 60

F. DETERMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**F.1 Views of the Domestic industry**

40. Following are the material injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:

- The domestic demand of the product under consideration has increased over the injury period and has been significant.
- Imports from the subject country have increased throughout the injury period and are significant in relation to total production and consumption in India also.
- The increase in subject imports is more than the increase in demand in India. The increase in market share of dumped imports is higher, in fact more than twice, than the increase in the demand.
- The imports from other countries are 8% of the total imports entering India. The subject imports are 2279 MT more than what it is entering from the other countries. Though the volume from other countries has increased over the injury period but the prices are higher as compared to the Chinese prices and average CIF price and almost twice to that of China.
- Market share of the domestic industry as well as other Indian producers has declined over the proposed injury period; whereas that of subject country imports has increased during the same period.
- Subject imports are significantly undercutting the domestic sales price.
- Subject imports have had significant depressing effect on the prices of the domestic industry.
- The domestic industry has enhanced its capacities in view of increased demand in India and resultantly the production and capacity utilization has increased over the injury period.

- ix. Inventories with the domestic industry have increased significantly since base year. Despite demand being more than what domestic industry can produce and sell, the domestic industry is unable to dispose of its accumulated inventories.
- x. Performance of the domestic industry has been adverse in respect of parameters such as profits, profit before interest, cash profits and return on capital employed. The same shows deterioration throughout the injury period and the same is due to the dumped imports.
- xi. Employment and wages are not reflective of the adverse effects of the dumping on the domestic industry, as these factors are governed by overall operations of the company and the economy.
- xii. Productivity per day and per employee has increased over the injury period.
- xiii. Growth of the domestic industry has been adverse.
- xiv. Because of the adverse impact on profitability due the dumping resorted by Chinese exporters, the applicant does not find it prudent to make any further investments.
- xv. The benchmark for the Indian producer's prices is the import prices from subject countries. There is no viable substitute to this product. The demand for the product has increased. It is thus evident that the only factors responsible for the domestic industry prices are the import prices of the product from subject country and the cost of production of the domestic industry.
- xvi. The injury margin is significant and positive.
- xvii. Various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.
- xviii. The respondent has failed to point out what material facts have been suppressed by the petitioner or what has been manipulated/fabricated. The domestic industry has suffered material injury and the same has been demonstrated by the petitioner.
- xix. Regarding capacity utilization being 100% as claimed by other interested parties, the petitioner submitted that the respondent is reading the indexed figures as actual figures. The actual capacity utilization was ***% in the POI
- xx. Regarding the comparison of decline in selling price in domestic and exports market, the petitioner submitted that in an anti-dumping investigation, only the information regarding the domestic market is relevant.
- xxi. Regarding difference in profit claimed and the decrease in cost & sale, the petitioner submitted that while the fall in selling price is more than the fall in cost of sales, the fall in profits is steeper. The Authority may take verified data.
- xxii. Regarding the data given in annual report, the petitioner submitted that the information in the petition and data related to PUC filed for the purpose of present anti-dumping investigation only needs to be seen. Nonetheless, tyre Cord fabric is the major contributor in the textile division (around 90% revenue).
- xxiii. Regarding the unsubstantiated allegation that belting fabric business in India is doing well and that the South African business not doing well, the petitioner vehemently denied these unsubstantiated allegations. The Petitioner further stated that the performance of the business in some other country is not relevant for the present investigation.
- xxiv. Re-designing is a regular exercise in any business to meet the changing end market requirement. This in no way is linked to higher or lower cost. Despite this re-designing, the domestic industry suffered decline in profits.
- xxv. Regarding cost audit report for TTB, the petitioner submitted that the information related to only belting fabric is relevant here.
- xxvi. Regarding comparison of data with the official website of MOC, the petitioner submitted that it has relied upon DGCI&S T/T Listing data. It appears that the respondent is relying on the aggregate data published by DGCI&S.
- xxvii. Regarding 22% ROCE, the petitioner submitted that the Authority may provide ROCE as per its consistent practice, even though the domestic industry has sought higher ROCE. The DA has a practice to allow 22% return in all situations and, therefore, principles of equity demand that the same is applied to all situations.
- xxviii. Regarding self-infliction of injury, the petitioner submitted that the respondent has made a blank statement without any evidence or support or even explaining the term "self-infliction". Hence, the petitioner is not in a position to comment.

- xxix. Regarding the competitiveness of Indian prices, the petitioner submitted that approximately ***% of raw materials are imported and rest is domestically procured. The domestic industry has suffered injury despite captive yarn. The respondents are themselves accepting the fact that the Chinese producers have cost advantage which results in low cost and thus, are able to dump the goods in India.
41. The domestic industry submitted as follows as regard to the causal link
- i. The imports from countries other than the subject country are either not significant in volume or not at dumped prices and hence, not causing injury to the domestic industry.
 - ii. Demand for the product under consideration during period of investigation is quite significant and hence, is not a cause of the injury to the domestic industry.
 - iii. The other known factors viz. export performance, technology, performance of the other products of the company, trade restrictive practices listed in the anti-dumping agreement or in the Rules have not caused injury to the domestic industry.
 - iv. Imports are undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the volume of imports has increased significantly; which forced the domestic industry to reduce the prices, thus, resulting in deterioration of financial performance of the domestic industry.
 - v. The deciding factors for the domestic industry to price its product are – cost of inputs and price offered by foreign producers. Thus, if price offers by the foreign producers are too low compared to the price that the domestic industry works out based on its cost changes, the only option with the domestic industry is to offer a sub-optimal price.
 - vi. Because of increase in subject imports, sales volumes of the domestic industry have been adverse and market share of the domestic industry has declined.
 - vii. The respondents have failed to show the presence of other factors that had caused or are causing injury to the domestic industry.
 - viii. The delivery/requirement types of conveyor belts which are medium to long term (general belt order constituting 18-20%), immediate need for maintenance (15-18%) and generic or scheduled belt replacement (62-65%) determine pricing. The Chinese producers are aggressively pricing to reduce barriers to encourage domestic users in India to shift to them. SRF has idle capacity of 16% in POI. Imports from China have increased throughout injury period. Subject imports are 2279 MT above the imports from other countries. The per unit CIF prices from other countries are much above than prices from China.

F. 2 Views of other interested parties

42. Submissions made by the other interested parties are as under:
- i. Petitioner has suppressed the material facts and exaggerated the increased imports of subject product and deliberately invented material injury. The claims are concocted, manipulated and fabricated in order to show injury.
 - ii. Subject imports have increased from 1878 MT in base year to 2490 in POI which is 19% share in Indian demand in POI against the increase in imports from other countries which have gone up by 229%.
 - iii. Indian demand has increased by 16% whereas subject imports in comparison to total demand have increased from 16% during base year to 19% in POI.
 - iv. Capacity, production and capacity utilization have been at the highest level during POI. The capacity utilization was 100%
 - v. Sales volume in domestic market has increased from base year to POI. While cost has decreased by 12% in domestic and exports market both, correspondingly their selling prices have also decreased. In fact decline in export selling price is much more than decline in domestic selling price.
 - vi. Cost has decreased by 12% whereas selling price has decreased by 13%. However, profit is claimed to be reduced by 49% & which is quite huge when compared with reduction in cost of sales and selling price. Petitioner has exhausted profits under some other heads of expenses within the organization.
 - vii. Wages have increased.
 - viii. As per the Annual report of SRF which is consolidated for three divisions- technical textile, chemicals and packing film demonstrates as: Textile Business which included belting fabric has fared better than the overall business on parameters like - asset turnover ratio, capital employed to turnover ratio, EBITA on sales% and EBITA on capital

employed % ever after getting the lowest capital employed. Belting fabric is an integral part of TTB segment and plays a substantial role in performance of this division. If the product belting fabric would not have been doing well, it would have showed up in the performance of this division. Capital commitment to TTB segment is not the highest but ROCE, among others, is.

- ix. Audit categorically reports that belting fabric business in India is doing well and that in South Africa is adversely affected due to aggressive Chinese competition.
- x. The overall performance of the domestic industry is robust, with no injury being reflected from their audit reports and annual reports.
- xi. SRF Ltd focused on redesigning of fabric for lowering the cost which means their current design of fabric is resulting in higher cost.
- xii. SRF is required to provide cost audit report for TTB to ascertain injury to belting fabric as claimed in the petition
- xiii. Import volume and price in the petition doesn't tally with the official website of MOC.
- xiv. Petitioner has claimed 26% return on gross fixed assets and calculations has been done for 22%. Such claim is inflated and not in accordance with law.
- xv. The DA determines NIP on the basis of cost of production of DI, such determination is highly inflated and is not based on real situation as per para-4 of the Annexure III of the Rules.
- xvi. Adoption of 22% ROCE to arrive at NIP is not reasonable. Adoption of a practice cannot be a ground for reasonability. Basis of 22% ROCE designed by GOI in Drugs (Prices Control) Order, 1987 (DPCO, 1987) cannot be termed reasonable after 30 years when parameters like interest rate and corporate tax were different. DA should adopt ROCE earned by the industry when there was no allegation of dumping as reasonable profit margin and not 22% ROCE. Providing 22% is incorrect because (i) debt portion of capital employed which attracts about 10-12% interest rate is provided 22%, (ii) this in turn result in providing more than 22% return on net worth portion of capital employed, (iii) during an era of global recession allowing such a high return to DI is totally incorrect and is unheard of.
- xvii. Calculation of return by adopting 22% uniformly on both the components of capacity employed is incorrect. As per the sample calculation provided below, 22% ROCE gives undue advantage and protection of 41% profit margin on equity to the DI.

Debt equity ratio	2:1	1:1	1:2
Capital employed	100	100	100
Net worth (equity + reserves)	66	50	34
Debt	34	50	66
ROCE @ 22% (as per the DGAD practice)	22.00	22.00	22.00
Actual interest paid (12%)	4.08	6	7.92
Actual return considered	17.92	16.00	14.08
Effective profit on net worth considered (%)	27.15	32.00	41.41

- xviii. As per the decision in Bridge Stone Tyre vs DA, 22% ROCE has colored the injury determination and has inflated the price underselling and injury margin. DA should adopt the actual profit earned by the DI during the period when there was no allegation of dumping as a basis for calculating reasonable return. European Union also follows the same practice.
- xix. The overall performance of domestic industry is positive. There is no volume or price injury to domestic industry on account of subject imports.
- xx. The injury to domestic industry is self-inflicted. Therefore, the investigation should be terminated forthwith.
- xxi. Indian prices are not competitive as the main raw materials(industrial yarn) are imported from foreign countries which cause increase in cost significantly while the same is self-produced or domestically procured by Chinese producers which results in low cost. The Indian domestic industry does not have such cost advantage.
- xxii. Any injury allegedly suffered by the DI is due to factors other than imports from subject countries.
- xxiii. In terms of pricing, following is the situation:

N 66 > N 6 > PIY

Thus, PP > NN > EP > EE

The share of EE in imports is 61.34% and the main reason for Chinese EE belting fabric being cheaper than EE belting fabric manufactured by SRF is technology difference and use of adhesive activated polyester yarn by SRF which results in higher cost. The conversion cost of SRF from yarn to fabric is USD 1.2 to USD 1.4/kg due to old technology and machinery whereas that of Chinese producers is USD 0.60 to USD 0.70/kg due to ultra-modern new generation technology. Thus, the conveyor belt fabric produced by China is cheaper than the fabric made by SRF.

- xxiv. If conversion cost of USE 0.70/kg is added to the price of PIY during 2015-16 and 2016-17 i.e USD 1.34/kg, the resultant fabric should not cost more than USD 2.10/kg to USD 2.2./Kg at the relevant period. However, the imports during the same period are around USD 2.54/kg and USD 2.17/kg respectively. Thus, there is no price undercutting as being claimed by SRF.
- xxv. The quantities of import reflected in year 2016-17 may also contain quantities of "off spec fabric" for which no data is provided. It must be clearly verified that volume and price of only prime fabric be considered while deciding the merit of the application.
- xxvi. SRF has closed their South African manufacturing unit and the machinery are being shifted to India for increasing their production capacities by 300-400 MT/per month i.e for conveyor belt fabric which will result in a substantial hike in their monthly capacity by 40-50%. This exercise is expected to be completed shortly and in next 6-9 months, regular production is expected to commence. If a unit if already suffering injury, why will it add further capacity? SRF is enjoying monopoly and in case they succeed, the additional capacity will be utilized without any challenges.
- xxvii. M/s ARB conveyers has submitted that there are 6-7 manufacturers of subject goods in India i.e Madura, Sanrhea, NRC, Deepak, Brij Textile, Jonson. SRF cannot cater to 38 to 40 conveyer belt manufacturers. Also there are limitations on part of others i.e Madura and NRC consumes fabric captively, Sanrhea and Deepak have low capacity, Brij Textile manufactures for sunshine conveyors. The China imports are competitive due to price, buyer credit availability and are with less delivery time. SRF made huge profits in past and have only lowered prices due to imports from China but are still higher than import prices.

F. 3 Examination by the Authority

43. The Authority taking note of the submissions made by various interested parties and domestic industry with regard to the injury in accordance with the Anti-dumping Rules. The Authority herein below has examined the injury in accordance with Annexure II(iv) of the Rules:

F.3.1 Volume Effect of dumped imports and impact on domestic industry

a) Demand and Market Share

44. The demand or consumption of the product in India is computed by summing of domestic sales of all the Indian producers and imports from all sources.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Demand/Consumption in India					
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Sales of Other Indian Producers	MT	***	***	***	***
Imports from Subject country – China PR	MT	1,878	2,168	2,428	2,490
Imports from other countries	MT	92	179	127	211
Total Demand in India	MT	12,194	13,443	12,758	14,265
Market share in demand					
Share of Domestic Industry	%	***	***	***	***
Share of Other Indian Producers	%	***	***	***	***
Share of Indian Industry	%	***	***	***	***
Share of Subject country - China PR	%	15.40	16.13	19.03	17.45
Share of Other Countries	%	0.75	1.33	1.00	1.48
Total Share in Demand	%	100.00	100.00	100.00	100.00

45. The Authority notes that the demand for the product under consideration has increased throughout the injury period. The share of imports from the subject country in domestic demand/consumption has also increased. Market share of imports from other countries have remained at the same level and is less than 2% throughout the injury period. The share of the domestic industry in demand remained more or less stable.

b) Import volumes and share of subject country

46. With regard to this parameter, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject goods from the subject country have been analyzed as under:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Import Volume					
China PR	MT	1,878	2,168	2,428	2,490
Other Countries	MT	92	179	127	211
Total Imports	MT	1,970	2,347	2,555	2,701
Market Share in Imports					
Subject country	%	95.33	92.37	95.03	92.18
Others	%	4.67	7.63	4.97	7.82
Total Imports	%	100.00	100.00	100.00	100.00
Imports from the subject country in relation to-					
Indian Production	%	18.34	19.51	23.76	21.42

47. The import volume from the subject country has increased throughout the injury period in absolute terms. Imports from other countries have also increased over the same period. The subject country imports are 92.18% of the total subject imports in India.
48. It is further noted that the volume of imports from the subject country as a proportion of India production has also increased in the injury period, except for a decline in the POI as compared to the preceding year.

F. 3.2 Price Effect of dumped imports

49. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

a) Price suppression and depression effects of the dumped imports

50. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Cost of Sales	Rs./MT, Indexed	100	98	97	87
Selling Price	Rs./MT, Indexed	100	102	95	87
Landed Price	Rs/MT	211,868	215,805	192,533	169,469
Trend	Indexed	100	102	91	80

51. It is noted that both cost and selling price of the domestic industry has decreased in the injury period. However, the decline in selling price is more than the decline in cost. Further, the landed value of imports from the subject country has also declined in the injury period and the decline is more than the decline in cost and selling price of the domestic industry. The exporters from the subject country are selling the subject goods below the cost and selling price of the domestic industry throughout the injury period. The imports were depressing the prices of the domestic industry in the market.

b) **Price Undercutting**

52. Price undercutting has been determined by comparing the landed price of imports from the subject countries with the net sales realisation of the domestic industry in India which is positive and significant:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Overall					
Landed Price	Rs. Per MT	211,868	215,805	192,533	169,469
Net Sales Realization	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	15-25	15-25	20-30	25-35
EE Grade/Type					
Landed Price	Rs. Per MT	207,015	203,190	186,455	164,580
Net Sales Realization	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	1-10	1-10	1-10	10-20
EP Grade/Type					
Landed Price	Rs. Per MT	237,495	225,531	205,599	180,024
Net Sales Realization	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	1-10	5-15	10-20	15-25
NN Grade/Type					
Landed Price	Rs. Per MT	233,718	243,771	207,005	188,048
Net Sales Realization	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	20-30	15-25	25-35	20-30
Others Grade/Type					
Landed Price	Rs. Per MT	202,965	237,358	235,119	148,350
Net Sales Realization	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	20-30	5-15	0-10	65-75

Month-wise Price undercutting for the period of investigation

a. **Overall**

Month	Import Volume (MT)	Landed (Rs/MT)	Net Sales Realization (Rs/MT)	Price Undercutting (Rs/MT)	Price Undercutting %
Apr/16	178.92	162,239	***	***	***
May/16	143.33	173,719	***	***	***

Month	Import Volume (MT)	Landed (Rs/MT)	Net Sales Realization (Rs/MT)	Price Undercutting (Rs/MT)	Price Undercutting %
Jun/16	234.90	172,416	***	***	***
Jul/16	264.54	179,848	***	***	***
Aug/16	364.50	175,268	***	***	***
Sep/16	227.96	175,651	***	***	***
Oct/16	158.29	174,000	***	***	***
Nov/16	127.69	169,484	***	***	***
Dec/16	187.95	166,887	***	***	***
Jan/17	174.82	172,926	***	***	***
Feb/17	235.25	155,059	***	***	***
Mar/17	191.38	150,000	***	***	***
Grand Total	2,489.53	169,469	***	***	25-35

b. EE Type/Grade

Month	Import Volume (MT)	Landed (Rs/MT)	Net Sales Realization (Rs/MT)	Price Undercutting (Rs/MT)	Price Undercutting %
Apr/16	87.63	160,419	***	***	***
May/16	90.65	166,051	***	***	***
Jun/16	111.56	163,134	***	***	***
Jul/16	134.50	166,275	***	***	***
Aug/16	210.51	166,525	***	***	***
Sep/16	145.03	167,460	***	***	***
Oct/16	53.05	160,715	***	***	***
Nov/16	103.12	164,408	***	***	***
Dec/16	144.55	159,779	***	***	***
Jan/17	149.84	171,088	***	***	***
Feb/17	181.06	162,227	***	***	***
Mar/17	149.03	162,601	***	***	***
Grand Total	1,560.53	164,580	***	***	10-20

c. EP Type/Grade

Month	Import Volume (MT)	Landed (Rs/MT)	Net Sales Realization (Rs/MT)	Price Undercutting (Rs/MT)	Price Undercutting %
Apr/16	40.41	161,074	***	***	***
May/16	-	-	-	-	-
Jun/16	-	-	-	-	-
Jul/16	15.73	197,395	***	***	***
Aug/16	36.34	169,493	***	***	***
Sep/16	39.13	186,514	***	***	***
Oct/16	32.08	181,000	***	***	***
Nov/16	-	-	-	-	-

Month	Import Volume (MT)	Landed (Rs/MT)	Net Sales Realization (Rs/MT)	Price Undercutting (Rs/MT)	Price Undercutting %
Dec/16	17.44	201,016	***	***	***
Jan/17	-	-	-	-	-
Feb/17	10.00	202,412	***	***	***
Mar/17	-	-	-	-	-
Grand Total	191.13	180,024	***	***	15-25

d. NN Type/Grade

Month	Import Volume (MT)	Landed (Rs/MT)	Net Sales Realization (Rs/MT)	Price Undercutting (Rs/MT)	Price Undercutting %
Apr/16	50.88	166,301	***	***	***
May/16	52.68	186,914	***	***	***
Jun/16	99.76	191,529	***	***	***
Jul/16	114.31	193,403	***	***	***
Aug/16	73.96	194,850	***	***	***
Sep/16	25.80	181,143	***	***	***
Oct/16	51.96	185,405	***	***	***
Nov/16	13.60	205,584	***	***	***
Dec/16	25.96	183,548	***	***	***
Jan/17	24.98	183,951	***	***	***
Feb/17	-	-	-	-	-
Mar/17	-	-	-	-	-
Grand Total	533.88	188,048	***	***	20-30

e. Others Type/Grade

Month	Import Volume (MT)	Landed (Rs/MT)	Net Sales Realization (Rs/MT)	Price Undercutting (Rs/MT)	Price Undercutting %
Apr/16	-	-	-	-	-
May/16	-	-	-	-	-
Jun/16	23.59	135,473	***	***	***
Jul/16	-	-	-	-	-
Aug/16	43.68	189,051	***	***	***
Sep/16	18.00	210,163	***	***	***
Oct/16	21.20	168,704	***	***	***
Nov/16	10.97	172,452	***	***	***
Dec/16	-	-	-	-	-
Jan/17	-	-	-	-	-

Month	Import Volume (MT)	Landed (Rs/MT)	Net Sales Realization (Rs/MT)	Price Undercutting (Rs/MT)	Price Undercutting %
Feb/17	44.20	114,980	***	***	***
Mar/17	42.35	105,661	***	***	***
Grand Total	203.99	148,350	***	***	65-75

c) Price Underselling (during POI)

53. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country.

Particulars	Unit	Total	EE	EP	NN
Import Volume	MT	2,490	1,561	191	534
Non Injurious Price	US\$ per MT	***	***	***	***
Non Injurious Price	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	US\$/MT	2,494	2,422	2,649	2,767
Landed Price	Rs./MT	169,469	164,580	180,024	188,048
Price Underselling	US\$/MT	***	***	***	***
Price Underselling	Rs./MT	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***
Price Underselling	% Range	40-55	35-55	35-55	35-55

F. 3.3. Examination of Economic Parameters relating to Domestic Industry

54. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

55. Accordingly, various economic parameters of the domestic industry are analyzed herein below:

a) Volumetric Parameter

56. The quantity (volume) parameters viz production, domestic sales, capacity, capacity utilization, and market share have been stable and progressive. The performance of the domestic industry with regard to production, capacity, capacity utilization, sales, market share in demand and inventories are as follows:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Capacity	MT, Indexed	100	100	100	108
Production	MT, Indexed	100	106	100	115
Capacity Utilization	%, Indexed	100	106	100	107
Domestic Sales	MT, Indexed	100	107	104	115
Share of Domestic Industry	%	***	***	***	***
Share of Other Indian Producers	%	***	***	***	***
Share of Indian Industry	%	***	***	***	***
Average Stock	MT, Indexed	100	27	62	127

57. The Authority notes that:

- (i) Domestic industry has increased its capacity over the injury period
- (ii) Production, capacity utilization and domestic sales volume of the PUC have also increased over the injury period.
- (iii) The market share of the domestic industry and other Indian producers has marginally declined over the injury period.
- (iv) The average inventory level has shown marginal increase over the injury period.

b) Financial Performance

58. Performance of the domestic industry with regard to domestic profitability, PBIT, return on investment and cash profit is as follows:

	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Overall					
Cost of sales	Rs./MT	100	98	97	87
Selling Price	Rs./MT	100	102	95	87
Profit/(Loss)	Rs./MT	100	180	56	70
Profit/(Loss)	Rs./Lacs	100	193	58	80
Profit before Interest and Taxes	Rs.Lacs	100	181	71	82
Cash Profit	Rs.Lacs	100	177	65	87
Return on Capital Employed-NFA	%	100	156	45	70

Grade-wise profitability for the period of investigation

Particulars	Unit	EE	EP	NN	Others
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Profit / (Loss)	Rs./MT	***	***	***	***

59. After an increase from the base year to the subsequent year, the domestic industry's economic performance based on the above parameters has shown down trend including in the POI. The profits have declined over the injury period. The domestic industry is also earning lowered ROI.

c) Other Economic Parameters

60. Performance of the domestic industry with regard to employment, wages, productivity and growth as compared to previous year is as follows:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Salary & Wages	Rs.Lacs	100	116	125	134
Employment	Nos.	100	98	96	95
Productivity per day	MT/day	100	106	100	115
Productivity per Employee	MT/Nos	100	108	104	121
Growth as compared to previous year					
Domestic Sales Volume	%	-	7.29	(2.62)	10.14
Production	%	-	5.94	(5.39)	14.86

Return on Capital Employed	%	-	***	***	***
Selling price domestic	%	-	1.75	(6.42)	(9.05)
Cost of sales domestic	%	-	(1.91)	(1.05)	(9.97)
Average stock	%	-	(72.64)	128.05	103.53

61. It is noted from the table above that:

- (i) The wages paid by the domestic industry have shown increase,
- (ii) The employment level has marginally declined over the injury period,
- (iii) Productivity per day and per employee has increased over the period.
- (iv) The domestic industry has registered positive growth in the POI for with respect to production, sales, profitability per day and return on capital employed after a negative growth trend in 2015-16.

d) Ability to raise Capital Investment

62. No submissions have been made by any of the interested parties concerning the domestic industry's ability to raise capital investments.

e) Level of dumping & dumping margin (DM)

63. The Authority has evaluated specific DM's for cooperating producers/exporters. For the residual category highest dumping margin and injury margin is referenced.

f) Factors affecting domestic Prices

64. The Authority has evaluated domestic prices levels due to imports from subject country and non-subject country along with the cost of inputs.

g) Magnitude of Injury and Injury Margin

65. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the imports from the subject country for determination of injury margin during the POI as under:

S. No	Producer	Exporter	Landed Value in US\$/MT	NIP in US\$/MT	IM US\$/MT	IM %	IM % Range
1	Shandong Helon Polytex Chemical Fibre Co., Ltd., China PR	Shandong Helon Polytex Chemical Fibre Co., Ltd., China PR	***	***	***	***	30 - 40
2	WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR	WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR	***	***	***	***	30 - 40
3	Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR	Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR	***	***	***	***	50 - 60
4	Oriental Industries (Suzhou) Ltd. OTZI, China PR	Oriental Industries (Suzhou) Ltd. OTZI, China PR	***	***	***	***	20 - 30
		Oriental Textile (Holding) Limited "OTTI", China PR					
5	Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., China PR	Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., China PR	***	***	***	***	10 - 20

6	Any other than the producers at Sl. No. 1-5	Any other than the exporters at Sl. No. 1 -5	-	-	***	***	50 – 60
---	---	--	---	---	-----	-----	---------

F. 3.4. Other Known Factors & Causal Link

66. The Authority with regard to various injury parameters and causal link aspects notes the following:

- (i) The production in POI is increased as compared to the base year though in 2015 – 16 it decreased as compared to 2014 – 15.
- (ii) The domestic sales of subject goods by domestic industry increased in POI over the base year i.e. 2013-14 of injury period and also preceding year though it declined slightly in 2014-15 as compared to base year.
- (iii) The demand of subject goods have increased since the base year of the injury period.
- (iv) Imports from China increased continuously over the Injury period and thereafter in POI.
- (v) The Authority in this regard also notes that there is a Demand-Supply gap which thereby requires unserved demand to be met by imports.
- (vi) The price undercutting over the entire Injury period has been positive and has increased significantly during POI. The Price underselling computed with regard to NIP is positive during POI.
- (vii) The selling price of Domestic Industry has been consistently above the landed value over the Injury Period and POI.
- (viii) The Authority notes the submissions of interested parties regarding SRF lowering its price in response to imports from China and also SRF's submissions on different market segments which determines its selling price. The Authority in this regard notes that despite landed values being low, the Domestic Industry is able to realise selling prices above the Landed Value consistently though the intensified price undercutting has impacted profitability of Domestic Industry. While examining the quantum of injury, the Authority proposes to factor in this aspect in its conclusions.

67. Having examined the volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting and price suppression and depression effects, other indicative parameters listed under AD Rules have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry, as follows

- a) **Volume and prices of imports from third countries:** As noted above, the imports from other countries though have increased but the same is negligible as compared to the subject imports. The volume of imports from the other countries as a share of the overall demand in India has remained at the same level throughout the injury period and is less than 2%. Further; the prices of imports from other countries are higher as compared to the Chinese prices and average CIF price.

Particulars of Other Countries	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Market Share of other countries in Indian demand	%	0.75	1.33	1.00	1.48
Import Volume from other countries	MT	92	179	127	211
Market Share of other countries in total Imports	%	4.67	7.63	4.97	7.82
Import Price- China PR	Rs/MT	190,181	193,716	172,825	152,122
Import Price- Other Countries	Rs/MT	473,233	388,982	364,694	281,694
Average CIF Import Price	Rs/MT	203,388	208,605	182,361	162,260

- b) **Change in demand:** As noted above, the demand of the product concerned is stable and progressive over the injury period. Thus, possible decline in demand cannot be a reason for injury to the domestic industry.
- c) **Developments in technology:** Technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor causing injury to the domestic injury.
- d) **Conditions of competition and trade restrictive practices:** There is no trade restrictive practice, which

could have contributed to the injury to the Domestic Industry. The Authority notes that the subject goods are not subjected to any trade restrictive practices in India. Moreover, apart from the competition that is obvious in any market economy, no inter se competition or competition between supplies from various domestic and international sources exhibit any such impact that could be construed as injurious to the domestic industry.

- e) **Export performance of the domestic industry:** The Authority notes performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. The information related to domestic market is only relevant for present purpose.
- f) **Performance of other products produced and sold by the domestic industry:** The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.
- g) **Productivity of the domestic industry:** No submissions have been made by any of the interested parties concerning the productivity of the domestic industry. It is noted that productivity per day and per employee of the petitioner has increased over the period. Thus, possible decline in productivity is not a reason for the injury to the domestic industry.

68. The following factors establishing causal link are relevant for examination:

- a) The subject imports are undercutting the prices of the domestic industry over the entire injury period.
- b) There is decline in profitability of the domestic industry.
- c) There is deterioration in return on capital employed and cash profits.
- d) Selling prices have continued to be above landed values.

G. MISCELLANEOUS ISSUES

G.1 Views of the Domestic Industry

69. Following miscellaneous submissions have been made by Domestic industry:

Confidentiality

- i. The petitioner has claimed only such information as confidential which is neither in public domain nor mandated by law to disclose. The confidentiality of which has been permitted under the rules and as per consistent practice of the Authority. Costing information by nature is highly confidential.
- ii. Regarding answering various questions of part 6 of petition as “as per annual report”, the petitioner submits that the relevant details for PUC were provided to the Authority in pursuance to the various discussions held on confidential basis. The Designated Authority has since conducted verification and all relevant information has been provided to the Designated Authority.
- iii. The respondents have claimed excessive confidentiality in the exporter questionnaire response and the same curtails our right to comment. The submissions of all the exporters and producers from the subject countries should be disregarded and deny them the individual treatment.

Import data

- iv. The petitioner has received the DGCI&S data which is third party information whose confidentiality is protected. Nonetheless the petitioner has provided a summary of the T/T data with the petition.
- v. In view of the trade notice 7/2018 dated 15th March; the petitioner has filed sorted DGCI&S NCV data.

Communication to the importers/users

- vi. The petitioner has given the name of known importers as the law does not require the petitioner has to identify all the importers. The petition identifies NRC Limited and Johnson Rubber Industries as the interested parties who produce belting fabric and Textile Reinforced Conveyor Belts both. Regarding list of users, the petitioner submits that via the initiation notification; the Designated Authority had invited the interested parties other than those separately addressed to make its submissions relevant to the investigation via the initiation notification which is a Gazette Notification. Ignorance of law is no excuse. The notice of hearing was sent to only those interested parties who participated at the stage of initiation. It is quite evident that these parties were aware of the initiation, but ignored the same at their own will.
- vii. Regarding asking the known users/importers in India to file their questionnaire response and offer comments on the application, the petitioner submits that the same has already been done and the DA cannot be waiting for such responses wherein the parties are not concerned about the notice of initiation.

Undue protection to the domestic industry

- viii. Regarding captive yarn production, it is submitted that the yarn consumed by belting fabric is being transferred at cost and hence, there is no question of making profit on earlier stages.
- ix. Also, the rate customs duty at 10% is irrelevant as the subject goods are being dumped in India.

Monopolistic situations

- x. The petitioner is not the sole producer of subject goods in India. Also, DGAD is not the right platform to raise the issue of monopolistic situation.

Demand-Supply Gap

- xi. There is no demand-supply gap. The total capacity with the Indian producers is more than the demand in India.

Issues regarding other products and industries

- xii. Regarding contention of the other parties that the industry is deteriorating and facing a lot of grave issues because of the anti-dumping duty on various other products like carbon black, various rubber compounds, etc, the petitioner submits that that the anti-dumping duty on other products doesn't have any relevance here. The information related to product under consideration in present investigation is only relevant.
- xiii. The respondents have not furnished any evidence to show that MSME sectors will close down. The domestic industry is seeking relief under the law for the injury suffered by domestic industry due to dumped imports.
- xiv. About understanding the market size of conveyor belt, the petitioner submits that the information related to PUC is only relevant for the present purpose and not that of downstream products.
- xv. Regarding SRF putting pressure of Chinese manufacturers to protect their South African business, the petitioner submits that the same is mere allegation without any proof and should be rejected out rightly.

Rejection of late submissions by other parties

- xvi. The objections raised by other parties during and post public hearing should not be accepted as they failed to file any response within 40 days of the initiation notification as mentioned in the Initiation notification.

Public interest

- xvii. Imposition of ADD will not block the imports. The consumers would still maintain multiple sources of supply. The imposition might affect the price levels of the product in India in short term but the same would promote fair competition.

Others

- xviii. The respondents have failed to specify about specific short of legal or factual basis or any discrepancy in the data submitted by the petitioner. The Authority had initiated the investigation on the basis of prima facie evidence and thus, the same cannot be terminated on the basis of such unsubstantiated claims.
- xix. Petitioner is unaware of which international recession the interested parties are referring. The demand for the product in the Indian domestic market is showing a positive trend. Also, the domestic industry cannot be left in lurch when the exporters are resorting to dumping causing material injury.
- xx. The petitioner consumes the yarn manufactured from its own facilities and accordingly treating them as captive consumption. Captive valuation has been done having regard to Annexure-III to the Rules.
- xxi. The volume of belting fabric consumed in the manufacture of conveyer Belt is only 15-18% of its total production.
- xxii. ADD does not impact imports by EOU or against Advance Authorization. The import of subject goods from China is not made only by conveyor belt manufacturers but by other users also. The domestic industry is materially injured due to the dumped imports.
- xxiii. EE Belting Fabric is being used by Indian conveyer belt industries specially cement and construction sector. A perusal of import summary provided with the petition would show that imports of NN type has also increased over the period.

G. 2 Views of other interested parties

- 70. The following miscellaneous submissions have been made by other interested parties in this regard:

Confidentiality

- i. The petitioner has claimed excessive confidentiality and thus, the right of defense cannot be fully exercised. The petition fails to meet the standards laid down in Rule-7 of the Rules and Trade Notice No. 01/2013 dated Dec 09, 2013.
- ii. In response to Section VI, the petitioner has not furnished any information at all.
- iii. Market share in demand, productivity has been claimed confidential.
- iv. Various question of Part 6 is answered as - “as per annual report” and SRF being a multi-product company, this answer is misleading.
- v. The respondents have provided all the information in accordance with law and the claim of DI is irrelevant. The respondents are willing to provide any further information which the Authority may require in this regard.

Import data

- vi. Petitioner has knowingly not provided import data (T/T) so that the manipulation did while forming the PCNs and for the injury analysis cannot be caught.
- vii. The import data, on the basis of which the investigation is based, is incomplete and manipulated.

Communication to the importers/users

- viii. Petitioner has neither given the complete list of importers of belting fabric nor enclosed Annexure 1.6 list of known users and may be asked to provide the same. Neither the petition nor the initiation notification lists any of the manufacturers of “Textile Reinforced Conveyor Belts” who are the main users and importers of the product in India.
- ix. List of known users/importers in India identified by respondents should be asked to intimate their interest and file their questionnaire response and offer comments on the application.

Undue Protection

- x. SRF is already enjoying undue protection in the Indian market as due to their captive yarn production, they have economies of backward integration which allows the opportunity to transfer the profit of belting fabric division to yarn division in order to justify injury to belting fabric division.
- xi. They are already enjoying the peak rate of customs duty of 10% on imports of PUC and that they have huge capacity.

Monopolistic situations

- xii. Apart from the petitioner, there are four other manufacturers of PUC in India and out of those, three are themselves manufacturing textile reinforced conveyor belt. There is a conflict of interest with other manufacturer of conveyor belts. As per the “Report” there are about 43 manufacturers of “Textile reinforced Conveyor Belt” in India out of which top 5 manufacturer account for about 80% market share. Thus, rest of the manufacturer of conveyor belt has no option but to purchase the “Belting fabric” from SRF Limited only which positions them into a monopolistic situation.

Demand Supply Gap

- xiii. There is demand supply gap- there still remains a gap of about 268 MT/ Month as per the current statistics.

Issues regarding other products and industries

- xiv. Industry is deteriorating and facing a lot of grave issues because of the anti-dumping duty on various other products like carbon black, various rubber compounds, etc.
- xv. Bulk of the belting manufacturers fall in MSME sectors and would have to close their units if ADD is imposed.
- xvi. In order to understand the market size of belting fabric, it is relevant to understand market size of “textile reinforced conveyor belts” in India.
- xvii. SRF intend to put pressure on Chinese manufacturers, to bring them on negotiation table, to protect their South African business.

Public interest

- xviii. Levy of will not be in public interest as it would block Chinese imports which is around 92% of total imports of subject goods entering India and catering the Indian demand. Further, the petitioner could easily manipulate the prices which will result in costs of the downstream industries beyond control and even a significant decrease in

demand of belting fabric from downstream users. Also, Performance of the downstream textile industry will be adversely affected.

Others

- xix. Initiation of the investigation in the subject matter is short of factual and legal basis is baseless and thus, the same should be terminated.
- xx. In view of current international economic recession, trade remedies would not be in favor of interest of India, including downstream industries, especially for the bilateral trade relation between China and India.
- xxi. Details of transfer pricing at which the raw material was transferred for the captive consumption for the production of belting fabric must be given by the petitioner as it itself produces Nylon and Polyester.
- xxii. As per report “Tata Strategic Management Group” (“Report”), the “synthetic fabric reinforced conveyor belt i.e. belting fabric” commanded a market share of about 64%. Indian conveyor market is about 1500 Crores and 77000 MT. However, the petition mentions the demand to be 13210 MT per year.
- xxiii. Petition doesn’t show as to whether the quantities of import from China and other countries are against import entitlement of manufacturers of “Textile reinforced Conveyor belt” i.e. against their exports (duty free against advance authorization or by EOU). Exporters of conveyor belt have a duty free import entitlement of 311MT/month against which only about 212MT/month is being imported. Thus, there is no causal link in imports and alleged injury to SRF.
- xxiv. There is hardly any demand of Type EE as reinforcing material by domestic consumers of textile reinforced conveyor belt when 62% of total imports of belting fabric from China is of type EE. Indian market including PSUs and larger private sector companies seek for type NN and EP and that the belting fabric is to be procured from named companies including SRF (evident by their tender documents). Approx. 45-50% of the total domestic demand of textile reinforced conveyor belts comes from PSUs and large private companies as can be verified from their tender documents which works out to be about Rs.650 to 750 Crores out of 1500 Crores market.

G. 3 Examination by the Authority

71. The aforesaid general issues raised by various interested parties have been examined and addressed to the extent considered relevant in the following paras:

Confidentiality

- i. The Authority placed and made available non confidential versions of the information provided by various interested parties through the public file to all concerned interested parties as per Rule 6(7).
- ii. Information provided by the domestic industry as well as other interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim as per Authority’s consistent practice and AD Rules. The Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has not been disclosed to other interested parties.

Import data

- iii. As regards manipulation in import data, the Authority notes that petitioner has put on record DGCI&S transaction wise import data in compliance with the recent trade notice no. 07/2018 dated 15th March, 2018 which is available in the public file. Various interested parties have also collected the same after following the prescribed procedure. The Authority has also directly obtained confidential version of import data from DGCI&S and DG Systems and correlated the same with the claim of the Domestic Industry and the Exporters Questionnaire Response.

Communication to the importers/users

- iv. As regards the incomplete list of importers, the Authority notes that the petitioner is obligated to provide list of importers as per the information best available with it and the same is in consonance with practice and AD Rules.
- v. As regards not providing the list of users, the Authority holds that the initiation, public notice for hearing are gazetted and also available on DGTR’s website and are thus in the public domain. The Authority therefore has done its best effort to reach out to all interested parties to participate in the investigation. The Authority further notes that a number of users and importers were present during the oral hearing and they were given time to file the relevant information. However, none of these parties have provided information in the structured questionnaire format available on DGTR’s website.

Undue protection to the domestic industry

- vi. The Authority notes the submissions of the interested parties and considered redressal of the injury due to unfair trade practice of Dumping only to the extent warranted as per prevalent Anti-Dumping Rules.

Monopolistic situations

- vii. As regards the monopoly issues, the Authority notes that Anti-dumping measures are applied only to ensure fair trade and to provide a level-playing field to the domestic industry. It is not to provide generic protection to strengthen monopoly of any individual producer. It is also therefore neither a measure to restrict import nor to cause an unjustified increase in prices in the domestic market. The imports from other suppliers including those from the subject country are not prevented from competing in the Indian market.

Demand-Supply Gap

- viii. As regards demand and supply gap, the Authority notes that though there is a gap in demand during the injury period, there is also unutilised capacity of Domestic Industry. The demand-supply gap can be filled even by imports for any country at fair prices.

Public interest

- ix. As regards the public interest, the Authority notes that anti-dumping duty is to ensure fair trade and provide a level-playing field to the domestic industry. They are not a measure to restrict import or cause an unjustified increase in cost of products. The Authority evaluated all aspects of investigation closely so as to ensure that protection of anti-dumping is recommended only if warranted to Domestic Industry as per Rules.

Others

- x. As regards the allegation that initiation is on wrong premise, the Authority notes that the initiation is done on the basis of prima facie evidences/facts provided by the Domestic Industry. Subsequently, the verified information is considered for proceeding in the investigation and final conclusions are based on verification.
- xi. The Authority notes the submissions that bulk of the best manufacturers fall in MSME and that SRF has protected market as PSU's, the users of belts stipulate usage of SRF material, and that this constitutes 50% of demand. The Authority notes that none of the MSME belt manufacturers have provided questionnaire response. Even though 50% of the market is catered by PSU's, the remaining 50% market is open to accept imports of subject goods from the subject country.

Post disclosure comments**Post Disclosure Statement Submissions by the Interested Parties****Submissions by Domestic Industry**

72 . The domestic industry, in its post disclosure submissions has submitted as follows:

- Certain essential facts, relating to dumping margin, verification report of exporters/producers and copy of all communications with the other interested parties have not been disclosed, due to which an effective opportunity to make comments has been denied.
- The Authority has rightly defined the product under consideration and included all grades, variants and ratings as the domestic industry has not only supplied all the required variants but also commercially capable to cater the demands of different variants of the subject product.
- The Designated Authority may kindly specify in duty table that the product concerned should attract duty regardless of the customs classification under which it is imported.
- The market share of the domestic industry and other Indian producers has declined over the injury period, though not at the same rate that of increase in demand.
- The average inventory level has shown increase over the injury period. The domestic industry had high level of inventories in April, 2013. The inventories have declined thereafter. The inventories have however once again increased after March, 2015.
- The performance of the domestic industry in terms of profitability, cash profits, profit before interest and taxes and ROI has significantly declined over the injury period including in the period of investigation.
- Growth of the domestic industry was negative in terms of profits, cash profits and ROI, even when the growth was positive in respect of volume parameters. Positive growth in the volume parameters should have led to positive growth in price parameters in normal market situations.

- As per the law and guide circulated by DGAD, the effect of dumped imports may be either on volume front or on price front.
- The Domestic Industry is suffering material injury, as evidenced by the deteriorated performance in terms of profitability, cash profits and negative return on investments.
- Regarding the concern of the Authority of selling price above the landed value, it is submitted that comparison of the import price, cost of production and selling price clearly shows that the selling prices have moved in the direction of import prices while the import prices have not moved in the direction of costs. In fact, in 2014-15, when costs declined, selling price increased, when the import price increased. Thereafter, movement in costs and prices, even when in the same direction, the prices are more moving in tandem with the import prices.
- The tender documents of SAIL, NTPC and JSW submitted by AIRIA makes it clear that Chinese producers are not excluded as certain Chinese companies are expressly included. Also, belt makers are permitted to use any other source including Chinese fabric by fulfilling the required criteria, as also.
- There is no demand and supply gap as the capacity of petitioner (***) along with supporters (***) of MIT and ***) of Sanrhea is more than the Indian demand (***) computed by the Authority). Further, there are three more producers having capacity of ***) MT, ***) MT and ***) MT (estimated as per the market information) and thus, the total Indian production capacity is ***) MT which is ****% more than the Indian demand.
- Anti-dumping duty may be imposed as fixed quantum of anti-dumping duty (fixed form of duty), expressed in US\$/kg.

73. M/s World Trade Consultants representing WUHU S.H.Z Industrial Fabric Co. Ltd., China PR, Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd., China PR, Oriental Textile (Holding) Limited, Oriental Industries (Suzhou) Ltd., China PR and Zhejiang Unifull Hi-Tech Industry Co. Ltd., China PR, All India Rubber Industries Association and China Chamber of Commerce of Import and Export of Textile and Apparel has submitted the following:

- Article 3.1 of Agreement on Implementation of Article VI of The General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("the Anti-dumping Agreement") provides that a determination of injury for purposes of Article VI of GATT 1994 shall be based on positive evidence and involve an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like products, and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

We request the Designated Authority to objectively investigate and collect evidence and conduct objective examination in accordance with Article 3.1 of the Anti-dumping Agreement.

- It is submitted that the dumping margin in the present case has not been calculated in accordance with law as the actual cost of production of the subject goods has not been employed and instead, the cost of production of the Domestic Industry has been used to construct the Normal Value of the producers in China. This has been done palpably on a presumption in law that China was a non-market economy. In this regard, it is submitted that this presumption no longer exists.
- It is submitted that in accordance with the relevant provisions of the Protocol on China's accession to the WTO, the China should be accorded Market Economy Status post 11th Dec, 2016. Article 15 of the Protocol on China's accession to the WTO makes it clear that China PR has obtained market economy status.

The above provision provides that after 15 years from its accession to WTO, China must be treated in the same way as to any other WTO Member for the purpose of anti-dumping investigations.

- The power of an importing WTO Members to use "a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China" expired by virtue of paragraph (d). Therefore, the question of whether China PR is still a NME or not under the national law of an importing WTO Member becomes irrelevant. In other words, it was only till 11th December 2016 that the grant to China of market economy status by an importing WTO Member had practical significance.
- In this regard, the WTO Appellate Body has also construed Article 15 in the same manner in the case of EC – Fasteners wherein it stated as under:

"Paragraph 15(d) of China's Accession Protocol establishes that the provisions of paragraph 15(a) expire 15 years after the date of China's accession (that is, 11 December 2016). It also provides that other WTO Members shall grant before that date the early termination of paragraph 15(a) with respect to China's entire economy or specific sectors or industries if China demonstrates under the law of the importing WTO Member "that it is a market economy" or that "market economy conditions prevail in a particular industry or sector"

- It has also been stated by the Designated Authority in its Disclosure Statement that the exporters of the subject goods from China have not claimed Market Economy Status during the desk verification. However, it is submitted in this regard that it was not incumbent on them to claim MET post the 11th of December, 2016. Therefore, it is submitted that the actual cost of production needs to be relied upon for the purpose of calculation of Normal Value.
- The DA has already noted the various types of yarn used to manufacture the different categories of belting fabric viz. (i) NN Belting Fabric, (ii) EP Belting Fabric, (iii) EE Belting Fabric and (iv) PP Belting Fabric. It is also an undisputed fact that in the manufacture of EE Belting Fabric and EP Belting Fabric, two types of Polyester Industrial Yarn (PIY) are used viz. Adhesive Activated Polyester Yarn and Non-adhesive activated Polyester Yarn. It is an admitted fact that whereas the Domestic Industry uses Adhesive Activated Polyester Yarn, the Chinese manufacturers use Non-adhesive activated Polyester Yarn. It is further an undisputed fact that Non-adhesive activated Polyester Yarn is cheaper than Adhesive Activated Polyester Yarn.
- In this regard, it has already been brought to the notice of the Domestic Industry that “Adhesive Activated Polyester Yarn” is costlier by around 20% than the “Non-Adhesive Activated Polyester Yarn”. The relevant prices during the FY 2012-13, 2013-2014, 2015-2016 and 2016-2017 have been provided by the Respondent during its submission dated 1st May, 2018. Due to this factor alone Type EE Fabric supplied by Chinese Manufacturers is more cost competitive and cheaper than M/S SRF Limited.
- It was also submitted that the manufacturing process of SRF such as twisting, weaving and dipping has serious technical shortcomings due to old generation equipment as well as outdated technology resulting in wastage and cost. As a result, the conversion costs of the Domestic Industry from Yarn to Fabric is fairly high due to old technology, old machineries operating at lower speed, resulting into lower “thorough put”. Due to all these factors combined together, it was submitted that M/s SRF Ltd. was charging a very high conversion cost of USD 1.2 to USD 1.4 /Kg.
- The DA sought to address the abovesaid submission by observing the following while dealing with the scope of the product under consideration:

“13. As regards difference in the production process resulting in cost difference, the Authority notes that the manufacturing processes followed by the producers in China and India are resulting in products with same specification meeting the requirements of the same consumers in the market place. Therefore, it is proposed to be held that the distinction of production process is not relevant for the purpose of like article in this investigation.”

- In this regard, it is submitted that the DA has not correctly appreciated the submission of the Respondent. It was never the contention of the Respondent that the difference in the production process results in a different product. Rather, it was the submission of the Respondent that the difference in procedure and raw material resulted in lower production costs for Chinese producers and hence, resulted in cheaper imports. Therefore, the DA was not required to examine whether the subject goods that were imported were different from that of the subject goods produced by the Domestic Industry. Rather, it was required to make the necessary adjustments in the cost of production for the purpose of determining Normal Value.
- Without prejudice to the submission that China is now to be treated as a market economy country, it is submitted that even if the conversion costs of China cannot be considered due to it being considered a non-market economy country for the purposes of the present investigation, the DA was bound to factor in the cost of non-adhesive activated yarn polyester yarn as the cost of raw material for the purpose of determining the cost of production in China. As admittedly Chinese manufacturers use the aforesaid material instead of adhesive activated yarn polyester yarn, it would be inappropriate to consider the cost thereof for the purpose of constructing the cost of production of the subject goods in China where the same has no application.
- As non-adhesive activated yarn polyester yarn is used in China which is lower than the cost of adhesive activated yarn polyester yarn by around 20%, a fact also evinced by the evidence tendered by the Respondent in its submission dated 1st May, 2018, the same has to be used for considering the cost of raw material for constructing the cost of production for the purpose of determining the Normal Value in China. Therefore, the raw material cost of the Domestic Industry has to be reduced by 20% for considering the raw material price to be used for China and thereby, the Normal Value has to be adjusted accordingly. Consequently, the dumping margin for China needs to be recalculated after making the appropriate adjustments in Normal Value.
- The Respondent had submitted that the Domestic Industry does not supply narrow width fabric as well as certain light grade material due to economies of scale and other commercial factors and therefore, Belting Manufacturers requiring such fabric have no choice but to import. It was also submitted that the Domestic Industry does not offer EE belting fabric beyond 315 rating.
- In response to the said submission, the DA has stated the following in the Disclosure Statement:

“The Authority notes the submissions regarding exclusion of EE belting fabric beyond 315 rating, off spec products in imports and inability of Domestic Industry to supply low width fabric and proposes to hold that since DI has provided sample evidences on their product range, the PUC is proposed to be inclusive of all grades, variants and ratings of subject goods...”

- Apparently, the Domestic Industry has furnished samples and evidence to substantiate the fact that they do indeed supply the same. In this regard, no evidence has been placed in the public file and therefore, the Respondent has been unable to exercise its right of defense and verify the adequacy and veracity of the evidence on the basis of which its submission has been rejected. At least a duly redacted invoice evidencing the fact that commercial quantities of the abovesaid material had been provided to customers.
- The Domestic Industry has claimed that dumped imports have caused material injury to it. In this regard, the DA is required to determine whether the Domestic Industry is suffering material retardation to its establishment in accordance with Rule 11 read with Annexure II of the AD Rules 1995.
- Annexure II of the AD Rules 1995 provides for the manner in which the DA is required to ascertain whether the Domestic Industry is suffering injury. Para I of Annexure II assumes significance in this regard as it provides that a determination of injury will not only involve (i) an objective examination of volume and price effect of dumped imports on the domestic market but also (ii) whether the same has had a consequent impact on the Domestic Industry.
- Para (ii) explains that the parameters contained therein are the conditions precedent before the deterioration of economic parameters [enumerated in Para (iv) of Annexure II of the AD Rules 1995] can be attributed to dumping.
- The parameters contained in Para (ii) are the conditions precedent before the deterioration of economic parameters (enumerated in Para (iv) of Annexure II of the AD Rules 1995) can be attributed to dumping. Without the presence of parameters in Para (ii), any injury suffered by the Domestic Industry cannot be attributed to imports. It is important to note that while assessing the volume effect of dumped imports, the DA is supposed to consider whether there has been a ‘significant’ increase in the volume of dumped imports, either in absolute terms or in relation to production and consumption in India. The word ‘significant’ used in Para (ii) indicates that a mere increase in the volume of dumped imports in absolute terms and in relation to production and consumption in India is not sufficient to arrive at a finding that volume effect of dumped imports exist. Similarly, with respect to the price parameters also, the price undercutting needs to be significant or in the alternative, it must be shown that the prices of imports have had a suppressing or depressing effects on the selling prices of the Domestic Industry.
- Further, the manner in which the DA is required to ascertain whether dumped imports have had any effect on the Domestic Industry, is prescribed in Para (iv) of Annexure II.

having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

In terms of the above provisions, the DA must assess whether the 15 economic factors show an actual or potential decline. Furthermore, mere decline of the economic parameters in Para (iv) without the conditions of Para (ii) being present cannot result in a finding of injury. Conversely, mere presence of the conditions enumerated in Para (ii) without a corresponding decline in the economic parameters of the Domestic industry enumerated in Para (iv) cannot also result in a finding of injury.

- Para (v) of Annexure II provides further guidance on how the causal link between dumping and injury to the Domestic Industry must be drawn by the DA.

It is submitted that in the present case, neither the conditions set forth in para (ii), nor the conditions prescribed in para (iv) are met.

a. Volume of dumped import and their effect on prices in the domestic market

Volume Effect

- While assessing the volume effect of imports from China, the DA has recorded the following data in the disclosure statement:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Demand/Consumption in India					
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Sales of Other Indian Producers	MT	***	***	***	***
Imports from China PR	MT	1,878	2,168	2,428	2,490
Imports from other countries	MT	92	179	127	211
Total Demand in India	MT	12,194	13,443	12,758	14,265
Market share in demand					
Share of Domestic Industry	%	***	***	***	***
Share of Other Indian Producers	%	***	***	***	***
Share of Indian Industry	%	***	***	***	***
Share of China PR	%	15.40	16.13	19.03	17.45
Share of Other Countries	%	0.75	1.33	1.00	1.48
Total Share in Demand	%	100.00	100.00	100.00	100.00
Imports from the subject country in relation to-					
Indian Production	%	18.34	19.51	23.76	21.42

- When assessing the volume effect, it can be seen that whereas there has been an increase in volume in absolute terms to some extent, the increase in imports in relation to production or consumption in India has been negligible. While the increase of imports in relation to consumption was only 2.05% over a span of 4 years, the increase in relation to production during the same period in India was 3.08%. Such an increase can hardly be termed as 'significant' and therefore, it is submitted that it does not meet the requirement envisaged in Para (ii) of Annexure II. In fact, neither has the DA termed the increase as significant while analysing the volume effect and as such, it is evident that there is no volume effect in the present case.

Price Effect

- In order to determine whether the dumped imports have depressed the domestic prices or whether the effect of such imports was to cause suppression i.e. prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the DA has considered the changes in the costs and prices over the injury period. The data disclosed by the DA in the Disclosure Statement is reproduced below for the sake of convenience:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Cost of Sales	Rs./MT, Indexed	100	98	97	87
Selling Price	Rs./MT, Indexed	100	102	95	87
Landed Price	Rs/MT	211,868	215,805	192,533	169,469
Trend	Indexed	100	102	91	80

- With respect to the abovesaid data, the DA has observed that “the decline in selling price is more than the decline in cost” and that “The imports were depressing the prices of the domestic industry in the market”. It is submitted that the abovesaid observation is erroneous and the DA as both the cost of sales as well as selling price of the Domestic Industry have decreased by exactly 1 indexed points each. Therefore, it is evident that the decrease in selling price has been exactly commensurate with the decline in cost of production. In such a situation, if price depression has to

be attributed to imports from China, the DA must explain how the decrease in the landed value of imports and not the decrease in the cost of sales has contributed to the decrease in selling price of the Domestic Industry.

- With respect to price undercutting, the DA has recorded the following data:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Overall					
Landed Price	Rs. Per MT	211,868	215,805	192,533	169,469
Price Undercutting	%	15-25	15-25	20-30	25-35
EE Grade/Type					
Landed Price	Rs. Per MT	207,015	203,190	186,455	164,580
Price Undercutting	%	1-10	1-10	1-10	10-20
EP Grade/Type					
Landed Price	Rs. Per MT	237,495	225,531	205,599	180,024
Price Undercutting	%	1-10	5-15	10-20	15-25
NN Grade/Type					
Landed Price	Rs. Per MT	233,718	243,771	207,005	188,048
Price Undercutting	%	20-30	15-25	25-35	20-30
Others Grade/Type					
Landed Price	Rs. Per MT	202,965	237,358	235,119	148,350
Price Undercutting	%	20-30	5-15	0-10	65-75

- At the very outset, it is submitted that the analysis of price undercutting is incorrect as the DA has also considered the landed value of imports made against advance authorization wherein no customs duty and other duties have been paid. In this regard, the Respondent has pointed out to the DA in both its Injury Submissions and Written Submissions that the following quantities of “Textile reinforced Conveyor Belts” were exported by Indian manufacturer to various countries between 2013-14 to 2016-17 as per the data sourced from DGCI&S.

S. No.	Financial Year	Qty	UOM
1	2013-14	21822	MT/annum
2	2014-15	25366	MT/annum
3	2015-16	21971	MT/annum
4	2016-17	23010	MT/annum

It has not been disputed that around 17% of the weight of the “Conveyor Belt” is contributed by “Belting Fabric”. Accordingly, if the quantity of export for conveyor belt in the year 2015-16 i.e. 21971 MT is considered, the total weight of “Belting fabric” used in the exported quantity works out to about 3735 MT/annum or 311 MT/ month.

- Against the above said figure, the DA has arrived at a finding that the volume of imports from China has been 2,490 MT in the POI i.e. 2016-17 which would be approximately 208 MT/month. In view of the export data of “Textile Reinforced Conveyor Belts”, the quantity of “Belting fabric” required is about 311 MT/ Month against which, imports of fabric from China is only around 208 MT/month. It is submitted that the exporters of conveyor belt have a duty free import entitlement of 311MT/ Month against which, only around 208MT/Month was being imported.
- Therefore, when the duty free imports of the subject goods were used in the manufacture of “Textile Reinforced Conveyor Belts” which was then exported, the duty free imports cannot be considered at par with the subject goods

imported from China wherein customs duty and other duties of customs and charges were paid. To that extent, such imports ought to have been excluded from consideration while considering the weighted average landed value of the subject goods from China for the reason that the same has dragged down the landed value of imports and has resulted in a warped finding wherein the margin of undercutting has been found in the range of 25-35%.

- Therefore, it is submitted that the DA ought to determine the volume of imports made against advance authorization and either exclude the same while calculating the landed value for the purpose of examining the extent of price undercutting as well as injury margin or in the alternative, make adjustments for duties to bring them at par with the imports employed for manufacture of “Textile Reinforced Conveyor Belts” intended for sale in the domestic market of India.

b. Volume of dumped import and their effect on prices in the domestic market

Sales, Capacity, Production, Capacity Utilization and Inventories

- As can be seen from the data furnished by the DA in its Disclosure Statement, the capacity, production, capacity utilization and sales of the Domestic Industry have all increased significantly as well as progressively throughout the entire injury analysis period. The table below reproduces the data regarding the aforesaid parameters:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Capacity	MT, Indexed	100	100	100	108
Production	MT, Indexed	100	106	100	115
Capacity Utilization	%, Indexed	100	106	100	107
Domestic Sales	MT, Indexed	100	107	104	115
Share of Domestic Industry	%	***	***	***	***
Share of Other Indian Producers	%	***	***	***	***
Share of Indian Industry	%	***	***	***	***
Average Stock	MT, Indexed	100	27	62	127

- It can be seen that the Domestic Industry was able to increase its capacity by 8% in the POI. Notwithstanding the increase in capacity by 8%, the Domestic Industry was also able to increase its capacity utilization in the same period by 7%. The gross production figures of the Domestic Industry also increased by 15%. The increase in sales was commensurate with the increase in production i.e. 15%. The DA has also observed that the increase in inventories has only been marginal. Therefore, it is evident that imports have had no impact on the Domestic Industry’s ability to produce and sell the subject goods.

Employment, Wages and Productivity

- The table below reproduces the evidence filed by the Domestic Industry regarding employment and productivity:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Salary & Wages	Rs.Lacs	100	116	125	134
Employment	Nos.	100	98	96	95
Productivity per day	MT/day	100	106	100	115
Productivity per Employee	MT/Nos	100	108	104	121

- The figures demonstrate that the Domestic Industry has not suffered any injury with respect to the employment, wages and productivity. It is pertinent to note that wages of the Domestic Industry increased significantly by 34%. In this regard, had the Domestic Industry been actually suffering losses, it would not have been able to increase the wages paid to its employees. Furthermore, both productivity per day and per employee increased by 15% and 21% respectively. Furthermore, the number of employees declined only marginally as rightly observed by the DA.

Growth

- A perusal of the data disclosed by the DA in the disclosure statement clearly reveals that the Domestic Industry has witnessed healthy growth in all relevant parameters such as production, domestic sales, profitability per day and return on capital employed. The relevant data with respect to growth as evinced in the Disclosure Statement is reproduced below for the sake of convenience:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Growth as compared to previous year					
Production	%	-	5.94	(5.39)	14.86
Domestic Sales Volume	%	-	7.29	(2.62)	10.14
Profitability per day	%	-	5.94	(5.39)	14.86
ROCE	%	-	***	***	***
Selling price domestic	%	-	1.75	(6.42)	(9.05)
Cost of sales domestic	%	-	(1.91)	(1.05)	(9.97)
Average stock	%	-	(72.64)	128.05	103.53

- It is submitted that whereas the relevant parameters for growth such as production, sales and profitability per day have all improved which the DA has correctly acknowledged, the DA may also be pleased to also observe and clarify, as evident from the data, that the reduction in selling price of the Domestic Industry has been commensurate to the reduction in cost of sales and as such, not a parameter showing decline in growth.

Ability to Raise Capital Investments

- The DA has observed that “No submissions have been made by any of the interested parties concerning the domestic industry’s ability to raise capital investments”.

In this regard, it is submitted that the Domestic Industry's ability to raise capital investments has not been impacted by imports from China which is evident from the fact that the Domestic Industry has made a capacity addition of 8% in the POI. Therefore, it is requested that the DA may note this fact and record that even on this count, the Domestic Industry has not faced any injury.

Factors Affecting Domestic Prices

- As already submitted in the price effect analysis, the Domestic Industry has not faced any price suppression or depression due to imports from China and the reduction in the selling price of the Domestic Industry was due to a reduction in the cost of sales. This was also reflected in the profitability situation of the Domestic Industry which improved in the POI.

Profitability, Cash Flow and Return on Investment

- The following figures with respect to the financial performance of the Domestic Industry has been recorded by the DA in the Disclosure Statement:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Overall					
Cost of sales	Rs./MT	100	98	97	87
Selling Price	Rs./MT	100	102	95	87
Profit/(Loss)	Rs./MT	-100	-180	-56	-70
Profit/(Loss)	Rs. Lacs	-100	-193	-58	-80
Profit before Interest and Taxes	Rs. Lacs	-100	-181	-71	-82
Cash Profit	Rs. Lacs	-100	-177	-65	-87
ROCE-NFA	%	-100	-156	-45	-70

- Though the Domestic Industry did not claim that they were facing negative profitability and return on capital employed in their petition, the DA has recorded that the Domestic Industry was in losses and remained so during the entire injury analysis period. The DA is requested to clarify this aspect if the same has wrongly been recorded in the Disclosure Statement and provide another opportunity to the answering respondent to comment in that case.
- Notwithstanding the abovesaid submission, in case the figures with respect to the financial performance of the Domestic Industry as given in the Disclosure Statement is correct, in that case it is submitted that these parameters do not show any injury to the Domestic Industry inasmuch as the losses of the Domestic Industry have reduced over the injury analysis period i.e. the situation of the Domestic Industry with respect to profitability, cash flow and return on investment has improved. As such, even this parameter does not show any decline and therefore, injury to the Domestic Industry.

Magnitude of Margin of Dumping

- It is submitted that as already submitted in the foregoing paras, the margin of dumping has been wrongly calculated by the DA and it is reiterated that the raw material cost of non-adhesive activated polyester yarn may be used for the purpose of constructing the normal value of Chinese imports. Therefore, it is submitted that till the said adjustment is made, the magnitude of margin of dumping as it stands in the Disclosure Statement cannot be relied upon.

Market Share

- The DA has not disclosed information with respect to market share of the Domestic Industry. It is submitted that information with respect to market share of the Domestic Industry cannot be confidential as the DA has itself disclosed the market share of the Domestic Industry in numerous investigations. It is submitted that the same parameter cannot be held to be both confidential and non-confidential in different investigations by the DA. As the DA performs a quasi-judicial function, it is incumbent on the DA to apply its discretion uniformly against all investigations. Considering the same data as confidential and non-confidential in separate investigations would amount to an abuse of discretion and therefore, it is requested that the said data may be disclosed so that the Respondent may exercise its right to defence effectively.
- Furthermore, the DA has observed that the market share of the Domestic Industry and the domestic producers of the subject goods has marginally declined. However, this is contrary to the Domestic Industry's own admission wherein they have stated as follows in their Annual Report for FY 2016-17 which corresponds with the POI:

“In Belting Fabrics, we have successfully increased our market share by deeper penetration into Tier II players.

Under the current global economic situation, the Company has expanded its customer base in the domestic market....”

- Without prejudice to the abovesaid submission regarding disclosure of market share data and contradictions contained in the Annual Report, it is submitted that the Domestic Industry could not have lost more than 2.05% market share to that of imports from China which is negligible considering the fact that it was over a period of 4 years.
- In fact, an overall analysis of the economic parameters set out in para (iv) of Annexure II clearly reveal that the situation of the Domestic Industry improved substantially and that imports from the subject countries have had no impact on its performance. For ease of reference, movement in the economic parameters of the Domestic Industry are summarized below:
 - Installed capacity of the Domestic Industry increased by 8%;
 - Production of the Domestic Industry increased by 15%;
 - Domestic sales of the Domestic Industry increased by 15%;
 - Capacity utilization also significantly increased by 7%;
 - Productivity per day and productivity per employee of the Domestic Industry increased by 15% and 21% respectively;
 - Wages paid by the Domestic Industry also increased by 34%;
 - The Domestic Industry demonstrated healthy year on year growth with respect to production, sales, capacity utilization, profits;
 - Ability to raise capital for further investments was also not impacted as the Domestic Industry was able to add to its existing capacity;

- domestic prices were also not affected by imports as the reduction in selling was a result of reduction in cost of sales.
- The profitability, cash profits and return on investment of the Domestic Industry improved from that of the base year;
- Imports from China did not impact more than 2.05% market share and the DA has observed that the loss in market share was only marginal;
- Employment generated by the Domestic Industry only declined marginally.
- Inventories increased marginally
- In other words, an evaluation of the mandatory economic parameters under Para (iv) of Annexure II of the AD Rules 1995 demonstrates that an overwhelming majority show improvement or no impact of imports. Only 3 parameters have shown a decline as per the data in the Disclosure Statement which, according to the DA's own observation, were "marginal". On the other hand, the standard of injury required under Section 9B of the Customs Tariff Act, 1975 is that of "material" injury. Therefore, any decline in the parameters of the Domestic Industry have to be significant and a marginal decline in 3 parameters cannot result in a finding of material injury.
- Therefore, in view of the DA's findings in the Disclosure Statement, it is submitted that no material injury has been caused to the Domestic Industry. In case the DA is of the opinion that the abovesaid parameters show material injury to the Domestic Industry, then the DA must furnish cogent reasons on why a marginal decline in 3 parameters outweigh the positives that have been witnessed in the other 12 parameters.
- In this regard, we draw your attention to the WTO Appellate Body report in *Thailand - H-Beams (WT/DS122/AB/R)*, wherein the Appellate Body has firmly asserted that there should be mandatory evaluation of all the factors listed in Article 3.4 of the Anti-Dumping Agreement. The relevant observations of the Appellate Body Report are reproduced below for ease of reference:

"121. The Panel found, on the basis of evidence that was disclosed or discernible in the nonconfidential documents, that Thailand had violated Article 3.4 of the Anti-Dumping Agreement. In arriving at its finding, the Panel concluded that it is mandatory that all of the listed factors in Article 3.4 be considered by an investigating authority.

122. Thailand appeals specifically from this ruling. According to Thailand, the Panel failed to apply the rule of interpretation in Article 17.6(ii) that directs a panel to accept a Member's interpretation if it constitutes a "permissible" interpretation. For Thailand, its interpretation of Article 3.4 was a "permissible" interpretation.

123. Article 3.4 of the Anti-Dumping Agreement sets forth a list of factors to be examined in order to assess the impact of dumped imports on the Domestic Industry. The provision states: The examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments, or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital or investments. This list is not exhaustive, nor can one or several of these factors necessarily give decisive guidance.

124. Article 17.6(ii) states that, in examining a dispute brought under the Anti-Dumping Agreement: ... the panel shall interpret the relevant provisions of the Agreement in accordance with customary rules of interpretation of public international law. Where the panel finds that a relevant provision of the Agreement admits of more than one permissible interpretation, the panel shall find the authorities' measure to be in conformity with the Agreement if it rests upon one of those permissible interpretations.

125. In determining whether all the factors mentioned in Article 3.4 have to be considered in each case, the Panel began its interpretation in accordance with the customary rules of interpretation of public international law as required by Article 17.6(ii), first sentence, by examining at length the meaning and context of the wording of Article 3.4, and by contrasting it with the wording of Article 3.5. The Panel also examined, with respect to this issue, the interpretation by a previous panel of Article 3.4, and an earlier interpretation given by us of an analogous provision, Article 4.2(a) of the Agreement on Safeguards. The Panel concluded its comprehensive analysis by stating that "each of the fifteen individual factors listed in the mandatory list of factors in Article 3.4 must be evaluated by the investigating authorities ...". We agree with the Panel's analysis in its entirety, and with the Panel's interpretation of the mandatory nature of the factors mentioned in Article 3.4 of the Anti-Dumping Agreement.

126. Thailand claims, however, that: ... the Panel never referred nor alluded to the standard of review under Article 17.6(ii) or to any aspect of the standard. It did not refer to or rely upon customary rules of interpretation

of public international law. It did not determine whether Article 3.4 admits of more than one permissible interpretation. It did not determine whether Thailand's measure rests upon a permissible interpretation. Instead, the Panel found on its own accord that the text of Article 3.4 was mandatory and consisted of fifteen factors.

127. We note that, contrary to what Thailand argues, the Panel did state that it was "mindful of the standard of review in Article 17.6(ii)", even though this statement was made in the section of the Panel Report in which the Panel discussed the standard of review under Article 17.6. We also note that the Panel, by means of a thorough textual and contextual analysis, clearly applied the customary rules of interpretation of public international law. Further, the Panel's interpretation that Article 3.4 requires a mandatory evaluation of all the individual factors listed in that Article clearly left no room for a "permissible" interpretation that all individual factors need not be considered.

128. We conclude that the Panel was correct in its interpretation that Article 3.4 requires a mandatory evaluation of all of the factors listed in that provision, and that, therefore, the Panel did not err in its application of the standard of review under Article 17.6(ii) of the Anti-Dumping Agreement.

- We also draw your attention to the Panel Report in abovementioned case [*Thailand - H-Beams (WT/DS122/R)*], in which the WTO Panel held that a finding on injury, when there is positive movement in a number of factors, would require a compelling explanation from the investigating authorities. For ease of reference, the relevant paragraph is reproduced below:

"7.249 While we do not consider that such positive trends in a number of factors during the IP would necessarily preclude the investigating authorities from making an affirmative determination of injury, we are of the view that that such positive movements in a number of factors would require a compelling explanation of why and how, in light of such apparent positive trends, the domestic industry was, or remained, injured within the meaning of the Agreement. In particular, we consider that such a situation would require a thorough and persuasive explanation as to whether and how such positive movements were outweighed by any other factors and indices which might be moving in a negative direction during the IP."

- It is submitted that in terms of Annexure II, a determination of injury requires an objective examination of the impact of imports on the domestic producers of the like product. It is not disputed that the volume of imports from China has increased in absolute terms. However, this increase is only marginal in relation to domestic production and consumption. There is no effect as there is no price suppression or depression due to imports. Furthermore, a majority of the relevant economic parameters of the Domestic Industry are positive and show improvement instead of decline. Only 3 parameters have shown a "marginal" decline. Therefore, it is submitted that no injury exists in the present case and therefore, the investigation requires to be terminated.
- The respondent had submitted that out of the total Indian "Textile reinforced Conveyor belt" market, about 45% to 50% demand comes from Public sector units (PSUs) and other top private sector companies and the fact that these organizations source conveyor belts by way of tenders since the quantities involved are huge. In this regard, it was brought to notice of the DA that one of the conditions of the "Tender" required the suppliers of Conveyor Belt to procure fabric from SRF/Madura/Nirlon/NRC or from DUPONT USA, Performance Fiber (Formerly Honeywell) and OLBO (Germany) which precludes the manufacturers of Conveyor Belts from sourcing "Belting Fabric" from China for this purpose. Though this submission was also recorded by the DA, it has not addressed the same. Therefore, it is requested that while issuing the Final Findings, this aspect may be examined.

Raw Material Cost

- In line with the submissions made on dumping margin i.e. by factoring in the lower cost of raw material, the NIP of the Domestic Industry has to be adjusted to reflect the raw material cost of non-adhesive activated polyester yarn so that a proper apple to apple comparison can be made for the purpose of determining the injury margin.
- In this regard, it is submitted that the Domestic Industry has not refuted the fact that non-adhesive activated polyester yarn, which is the raw material employed by the Chinese Manufacturers, is cheaper than the raw material used by the Domestic Industry. In fact, even the DA has not disagreed with this submission of the Respondents. Therefore, when the production cost of the Domestic Industry is higher because of the cost of raw material, Chinese imports cannot be penalized on that basis. As such, adjustments to the tune of 20% are required to be made to the raw material cost of the Domestic Industry while calculating its NIP.

I, imports against Advance Authorization and by Export Oriented Units (EOU)

- Furthermore, as pointed out earlier in the price undercutting analysis, the DA has also considered the landed value of imports made against advance authorization and EOUs wherein no customs duty and other allied duties have been paid. Duty free imports used in the manufacture of "Textile Reinforced Conveyor Belts" for export cannot be considered at par with imports meant for manufacture of conveyor belts which are sold in the domestic market wherein customs duty and other charges are paid. To that extent, imports made through advanced authorization and EOUs ought to be excluded from consideration while considering the weighted average landed value of the

subject goods from China or in the alternative, adjustments for duties need to be made for imports made against import authorization to bring them at par with the imports meant for manufacture of conveyor belts sold in the domestic market of India.

Return on Capital Employed

- The DA has revealed in Annexure IV of the Disclosure Statement that it has calculated the NIP of the Domestic Industry by considering a 22% return on capital employed (ROCE). It is submitted that this is a highly inflated ROCE which should not be resorted to and a more reasonable return should be adopted based on historical data relating to a period when the Domestic Industry had not claimed of being injured due to imports.
- In *Bridge Stone Tyre Manufacturing & others vs. Designated Authority* [2011 (270) E.L.T. 696 (Tri. - Del.)] the Hon'ble CESTAT has observed that the practice of 22% ROCE adopted by the DA was not correct as calculating the NIP by assuming such a high rate of return gives an inflated picture of price underselling.
- In this regard, the practice followed by EU in determination of ROCE also lends support to the abovesaid submission. In case of *T-210/95 European Fertilizer Manufacturer's Association (EFMA) v Council* [1999] ECR II-3291 the Court held that:

"It follows that the profit margin to be used by the Council when calculating the target price that will remove the injury in question must be limited to the profit margin which the Community industry could reasonably count on under normal conditions of competition, in the absence of the dumped imports. It would not be consistent with Articles 4(1) and 13(3) of the basic regulation to allow the Community industry a profit margin that it could not have expected if there were no dumping."

- The above practice establishes that profit margin for arriving at reasonable return should be based on analysis of profit when there was no dumping.

As shown in the NCV Disclosure Statement, the imports from China accounted for 92.18% of the total subject imports in India during the POI, which obviously meets the majority demand of the Indian market. If anti-dumping duty will be levied, it will provide undue protection for the petitioner who could easily manipulate the price of the product under investigation on the domestic market by then and will probably bring up the price unreasonably in order to earn monopoly profits, which will lead to increase of costs and less competitiveness of the downstream industries and even a significant decrease in demand for belting fabric from downstream users. The performance of the downstream textile industry including exports of the textiles will be adversely affected, which goes against the overall public interest of India.

To apply anti-dumping measures in this case is inconsistent with the long-term and overall interests of the Indian domestic industry and its downstream industries.

AIRIA believes that the purpose of anti-dumping investigation is to protect the fair international trade order. Improper implementation of anti-dumping measures as means of trade protection cannot protect the industry and instead, will cause an unfair competitive environment and cause damage to the fundamental interests of domestic industry in the long term.

74. M/s ARB Conveyors has submitted the following:

- There are only few manufacturers of Belting Fabric in India, SRF Limited is the second largest manufacturer of 'Belting Fabric' in the world (reference website of SRF). Besides SRF Limited, there are other four manufacturers of Belting Fabric in India namely a) M/s NRS Ltd, b) M/s Madura Ltd & c) M/s Nirlon Ltd and M/s Sunrhea.
- Thus, there is a conflict of interest with other manufacturers of conveyor belts. As per the "Report" there are about 43 manufacturers of Textile reinforced Conveyor Belt in India out of which top 5 manufacturer account for about 80% market share. In nutshell, leaving aside aforesaid three manufacturers of Belting Fabric, rest of the manufacturer of conveyor belt have no option but to purchase the "Belting Fabric" from SRF Limited only which positions them into a monopolistic situation.
- Users will face delayed delivery problems because of the less production capacity of Indian belting fabric manufacturers. Fabric is already overbooked.
- Due to superior Technology/ machinery, the Chinese manufacturers use NON-ADHESIVE ACTIVATED-POLYESTER YARN" which is the main Raw material for manufacturing of Type EE Belting Fabric.
- Indian fabric manufacturers focused on "Redesigning of Fabric for lowering the cost. The said statement acknowledges that their current design of fabric is resulting in higher cost.

- The industry requires more than 100 styles of belting fabric at once so that they are able to cater to the Indian market, and this is not possible until and unless they import the fabric from China because the domestic industry is unable to cater to their demands.

Examination by the Authority

75. The Authority has examined submissions made by various interested parties in response to the disclosure statement as under. Any minor typographical errors in disclosure statement have been appropriately corrected.

(i) The Authority notes submissions of various interested parties on the scope of Product Under Consideration. The Authority reiterates that on the basis of sample evidence provided by the Domestic Industry it is established that Domestic Industry has ability to produce the grades requested for exclusion by the exporter and All India Rubber Industries Association. The Domestic Industry has also sold these grades. The Authority further notes that the user industry association has though made submissions on various issues, detailed questionnaire has not been filed by any of their members with any evidence of Domestic Industry not able to supply the grades proposed by them for exclusion. The Authority therefore holds that all grades of belting fabric are within the scope of PUC as stated in the initiation notification and exclusion of no grade is warranted.

(ii) As regards granting status of market economy to various producers/exporters of China, the Authority holds that as per the Accession Protocol of China in WTO, the obligation of evidencing market economy status with appropriate justification and facts rests upon the participating producers/exporters of China. In view of the aforesaid, one of the producer/exporter i.e. M/s Jiangsu Taiji Industry New Materials Co. Ltd. did claim market economy treatment but later withdrew the same. The Authority therefore as per its consistent practice of adopting best available information as per Rule 6 (8) of AD Rules, has constructed the normal value for all producers/exporters of China. For this purpose it has considered inter alia optimum consumption norms for the major raw materials and utilities, international prices of purchased raw materials, prices of captively produced raw material, including reasonable conversion cost, interest, SGA, and reasonable profit etc.

(iii) The Authority notes that Domestic Industry has claimed a copy of exporter verification report. The Authority in the disclosure had stated that exfactory export price and landed value has been validated on the basis of sample evidence regarding adjustments and so produced by the producers/exporters along with relevant export documents on desk study. The Authority as per its consistent practice after the desk study has disclosed the verified exfactory export price and CIF to the cooperating producers/exporters on a confidential basis to them. The NIP on a confidential basis has been disclosed to the Domestic Industry. The 'NCV' narration of landed value, ex-factory export price and NIP have been stated in the relevant part of the findings as done consistently by the Authority.

(iv) As regards inclusion of duty free imports of subject goods while computing the landed value, the Authority holds that none of the users provided questionnaire response to the investigation. Further the Domestic Industry has opportunity to supply even against an advance license after invalidation of the same as per the provisions of the FTP. Therefore inclusion of duty free imports for analysis of injury is appropriate which has so been considered by the Authority.

(v) The Authority notes that the volume parameters i.e. production, sales and capacity utilization of domestic industry during the injury period i.e. 2013 – 14 to 2015 – 16 and period of investigation i.e. 2016 – 17 have been quite stable. In fact in the period of investigation, Domestic Industry has enhanced capacity attaining highest capacity utilization as compared with the injury period. Even though the market share of domestic industry in period of investigation was slightly lowered as compared to the base year and the previous year, the production and domestic sales of domestic industry in absolute numbers were highest in the period of investigation.

(vi) The Authority notes that price undercutting over the injury period (2013 – 14 to 2015 – 16) and period of investigation remained positive being highest in period of investigation. The Landed value of imports increased in 2014 – 15 over 2013 – 14 but was the lowest in the period of investigation. The cost of sales continued to decline over the injury period and thereafter until the period of investigation i.e. 2013 – 14 to 2016 – 17. The Authority holds that domestic industry has submitted that for emergency requirements, the user industry depends on domestic industry for sourcing the product under consideration but the market for regular maintenance of end products i.e. conveyor belts which provides sufficient lead time for imports is shifting the user industry to source dumped imports. The Authority also notes that domestic selling price of subject goods of domestic industry has declined over the injury period and period of investigation broadly in tandem with cost of sales over the same period.

(vii) The Authority notes that any coping effort by Domestic Industry to ensure stability in its volume parameters i.e. production, sales, capacity utilization and market share would require a trade off by way of an adverse effect on its various price parameters i.e. NSR, profitability, cash profits and return on capital employed when it protect its market share. The Authority notes that the Domestic Industry's return on capital employed (ROCE) though reduced in period of investigation, it has not run down into losses and rather been able to maintain positive profitability i.e. profit before interest and taxes, cash profits and positive return on capital employed, with its 'NSR' continuing to be higher than the landed value of imports over the injury period and the period of investigation. The Authority therefore holds that the

trend in price parameters do not conclusively establish that adverse impact on DI's performance has been caused by dumped imports.

Conclusions and Recommendations:

76. Having examined the contentions of various interested parties and on the basis of the above facts, circumstances, and analysis, the Authority concludes as under:

- (i) 'Net Sales Realization' achieved by Domestic Industry for the subject goods continues to be consistently higher than the landed value of imports of subject goods over the injury period and the period of investigation.
- (ii) Though the dumping margin and injury margin computed for the domestic industry during period of investigation is significant, the trend in price parameters do not conclusively establish that adverse impact on DI's profitability performance has been due to dumped imports.
- (iii) Since the injury lowered return on capital employed and profitability of Domestic Industry cannot be conclusively attributed to dumping of subject goods from the subject country, the Authority terminates the investigation under Rule 14 (b) of Anti-Dumping Rules and does not recommend levy of any Anti-Dumping measure.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority